राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शनिवार 19 सितम्बर 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 124 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

चतरा से अगवा ऑटो चालक बिहार के धनगाई से सकुशल बरामद, दो गिरफ्तार

रांची में फिर इडी की दबिश, छह से अधिक ठिकानों पर एक साथ छापे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह रांची में एक बार फिर बड़ी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के अनुसार ईडी की कई टीमें एयरपोर्ट रोड स्थित कार्यालय से अलग-अलग वाहनों में निकलकर शहर के पीपी कंपाउंड, बरियातू, लालपुर, एदलहातू और अशोक नगर समेत छह से अधिक ठिकानों पर पहुंची हैं। सभी स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के तत्कालीन निजी सहायक संजीव लाल और वीरेंद्र राम से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले तथा आयुष्मान भारत से जुड़े कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में की जा रही है। 14 सितंबर को भी जांच एजेंसी की कार्रवाई के दौरान मंत्री के करीबी के घरेलू कर्मचारी के ठिकाने से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने की जानकारी सामने आई थी। छापेमारी को उसी जांच

की आगे की कड़ी बताया जा रहा है। हालांकि, तलाशी के दौरान अब तक क्या बरामद हुआ है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इधर, झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानी इडी ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई शुरू की है। इडी की रांची टीम ने पीएमएलए की धारा 17 के तहत झारखंड और ओडिशा में कुल सात ठिकानों पर सर्च और सीजर ऑपरेशन शुरू किया है। यह कार्रवाई सरायकेला शाखा में सामने आए कथित बड़े वित्तीय घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच का हिस्सा है। मिली जानकारी के अनुसार इडी की रांची टीम की ओर से झारखंड और ओडिशा में कुल 7 लोकेशन पर तलाशी ली जा रही है। सर्च के दौरान दस्तावेजों और अन्य अहम साक्ष्यों की जांच और जब्ती की कार्रवाई की जा रही है। जांच का संबंध झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक की सरायकेला शाखा में कथित वित्तीय अनियमितताओं और धोखाधड़ी से है। मामले में कारोबारी संजय कुमार डालमिया और बैंक के तत्कालीन अधिकारियों के बीच कथित मिलीभगत की जांच की जा रही है। सरायकेला शाखा से जुड़े इस मामले में पहले से ही पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों की कार्रवाई हो चुकी है। उपलब्ध अदालती रिकॉर्ड के मुताबिक जांच में बैंक अधिकारियों और संजय कुमार डालमिया के बीच कथित मिलीभगत से बैंक फंड के दुरुपयोग और अनियमित लोन से जुड़े आरोप सामने आए थे। 2024 के झारखंड हाईकोर्ट के एक आदेश में 4.14 करोड़ रुपये की कथित हेराफ़ेरी से जुड़ी जांच का उल्लेख है, जिसमें अलग-अलग बैंक शाखाओं से रकम ट्रांसफर किए जाने और कुछ लोन खातों में रकम समायोजित किए जाने के आरोप दर्ज हैं।

दो करोड़ से अधिक का इनामी नक्सली असीम मंडल गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम और आसपास के सीमावर्ती जंगलों में नक्सल गतिविधियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। 2.20 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली असीम मंडल उर्फ आकाश को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार उसकी गिरफ्तारी के बाद इलाके में सक्रिय नक्सली नेटवर्क लगभग पूरी तरह कमजोर हो गया है। अब जंगलों में मंगल और मालती नाम के दो सक्रिय नक्सलियों के मौजूद होने की बात सामने आई है। दोनों की तलाश में सुरक्षा एजेंसियां लगातार अभियान चला रही हैं। असीम मंडल की गिरफ्तारी के बाद अब मंगल और मालती ही सक्रिय कैडर बताए जा रहे हैं। दोनों के घाटशिला के पास झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा से सटे घने जंगलों में छिपे होने की जानकारी है। पुलिस के मुताबिक मंगल पर पांच लाख रुपये और मालती पर दो लाख रुपये का इनाम घोषित है। दोनों की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने दोनों के खिलाफ विभिन्न थानों में दर्ज करीब 30 से 35 मामलों को सूचीबद्ध किया है। शीर्ष कमांडर की गिरफ्तारी के बाद दोनों के संगठन से अलग-थलग पड़ने की बात कही जा रही है। पुलिस टीमें उनकी तलाश में लगातार अभियान चला रही है। असीम मंडल लंबे समय से मंगल और मालती के साथ एक ही दस्ते में सक्रिय था। जंगलों में सुरक्षा बलों की बढ़ती दबिश के बीच उसने पकड़े जाने से बचने के लिए अपने हथियार जंगल में जमीन के नीचे छिपा दिए। इसके बाद उसने माओवादी वेशभूषा छोड़कर सामान्य ग्रामीण का रूप धारण कर लिया। पुलिस के अनुसार इसके बाद वह झारखंड की सीमा पार कर पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के ललाट गांव पहुंच गया और वहां आम नागरिक की तरह छिपकर रहने लगा। कोलकाता एसटीएफ की टीम उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान उसे गिरफ्तार कर लिया गया। असीम मंडल की गिरफ्तारी के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों ने सीमावर्ती इलाकों में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। पूर्वी सिंहभूम के आसपास सुरक्षा बलों की विशेष टीमें तैनात की गई हैं। अधिकारियों के मुताबिक, नेतृत्व के कमजोर पड़ने के बाद बचे हुए कैडरों पर भी दबाव बढ़ा है। एजेंसियां सीमावर्ती ग्रामीण इलाकों में लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड कैबिनेट की बैठक 25 सितंबर को

रांची (नबिटा ब्यूरो)। झारखंड कैबिनेट की बैठक 25 सितंबर को होगी। बैठक दोपहर 3 बजे झारखंड मंत्रालय के प्रोजेक्ट भवन में आयोजित की जाएगी। इसके लिए मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की ओर से सूचना जारी कर दी गई है। बैठक में अलग-अलग विभागों से जुड़े कई प्रस्तावों पर चर्चा होगी। इन प्रस्तावों पर कैबिनेट की मंजूरी भी मिल सकती है।

कुएं में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत

सिमडेगा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के कुरडेग थाना क्षेत्र के कसड़ेगा बस्ती में एक दुखद हादसा हुआ है। यहां एक कुएं में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 8 साल के विष्णु कौंध और 10 साल के तुलसी कौंध के रूप में हुई है। ये दोनों रविशंकर कौंध के पुत्र थे और कसड़ेगा बस्ती के रहने वाले थे। थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि मामले में यूडी केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

डायन-बिसाही के शक में महिला की हत्या

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र से अंधविश्वास से जुड़ी एक हत्या का मामला सामने आया है। पंडावीर पंचायत के सादाबुरु पासुबेड़ा गांव में 58 वर्षीय महिला की कथित तौर पर डायन-बिसाही के शक में पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार देर शाम करीब चार से पांच लोग महिला के घर पहुंचे। आरोप है कि वे महिला को किसी बहाने से घर से बाहर बुलाकर पास के जंगल की ओर ले गए। वहां महिला पर डायन होने का शक जताते हुए उसके साथ मारपीट की गई। इसके बाद भारी पत्थरों से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई।

सड़क हादसे में मजदूर की मौत

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के सदर थाना क्षेत्र में रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर खोरा के पास एक सड़क हादसे में मजदूर की मौत हो गई। उसे एक ट्रक ने कुचल दिया। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने रांची-गुमला मुख्य मार्ग को करीब आधे घंटे तक जाम कर दिया जिससे गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया और गाड़ियों का आवागमन फिर से शुरू करवाया। मृतक की पहचान खोरा पतरा टोली निवासी 36 वर्षीय सूरज उरांव के रूप में हुई है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। जिले के चौपारण थाना क्षेत्र के लोहरा गांव में घरेलू विवाद के बाद एक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान लोहरा गांव निवासी गुरुचरण भुइयां के रूप में हुई है। इस घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

गोली मारकर दंपति की हत्या, पुत्र गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के पश्चिम पल्ली डीवीसी आवासीय क्वार्टर नंबर एचएम/14 में गुरुवार की रात अज्ञात अपराधियों ने एक डीवीसी सेवानिवृत्त कर्मी के घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से सेवानिवृत डीवीसी कर्मी नरेश सिन्हा और उनकी पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनका पुत्र रोहित सिन्हा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल रोहित को इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) भेजा गया है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि घटना के समय क्षेत्र में बारिश हो रही थी। इसी दौरान नरेश सिन्हा के घर के दरवाजे पर किसी ने दस्तक दी। दरवाजा खोलते ही अज्ञात अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। रोहित के एक मित्र के भाई नवीन महतो के अनुसार घटना के समय मौसम खराब था और बारिश हो रही थी। रोहित को चार गोली लगी है। आशंका जताई जा रही है कि अपराधियों ने बारिश का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। हालांकि अपराधियों की संख्या कितनी थी और उन्होंने दंपति पर कितनी गोलियां चलाईं, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इधर घटना की सूचना मिलते ही चंद्रपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ घटना के कारणों और अपराधियों की पहचान का पता लगाने के लिए छानबीन शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

रिश्वत लेते दो क्लर्क गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के कथारा इलाके में स्थित सीसीएल की गोविंदपुर परियोजना में 18 हजार रुपये की रिश्वत लेते दो क्लर्कों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। धनबाद सीबीआई की एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई करते हुए सीएमपीएफ डीलिंग क्लर्क मेघलाल महतो और पेंशन डीलिंग क्लर्क मोहम्मद इम्तियाज को गिरफ्तार किया है। कथारा एरिया के महाप्रबंधक एकेबी सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि सीबीआई द्वारा हमारे दो कर्मचारियों को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि हमारे यहां से सेवानिवृत्त कर्मी रसूल जमा की शिकायत पर धनबाद सीबीआई की टीम ने रिश्वत के रूप में पैसे की मांग के आरोप में आज उन्हें गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। इस मामले में सीबीआई टीम द्वारा और कोई सूचना नहीं दी गई है। गोविंदपुर परियोजना के सर्वे विभाग में कार्यरत रहे जनता नगर निवासी रसूल जमा करीब सात महीने पहले सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद उनका सीएमपीएफ और पेंशन से संबंधित भुगतान लंबित था। आरोप है कि भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने

के एवज में दोनों क्लर्कों द्वारा उनसे रिश्वत की मांग की जा रही थी। रिश्वत की मांग से परेशान होकर रसूल जमा ने मामले की शिकायत धनबाद सीबीआई से की। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने पहले आरोपों का सत्यापन किया और इसके बाद दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए ट्रैप की योजना तैयार की। शुक्रवार को इंस्पेक्टर रघुनाथ कुमार के नेतृत्व में धनबाद सीबीआई की टीम करीब साढ़े ग्यारह बजे गोविंदपुर परियोजना कार्यालय पहुंची। योजना के अनुसार शिकायतकर्ता रिश्वत की रकम लेकर कार्यालय पहुंचा। जैसे ही दोनों क्लर्कों को 18 हजार रुपये दिए गए, पहले से मुस्तैद सीबीआई टीम ने दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया। अचानक हुई सीबीआई की इस कार्रवाई से सीसीएल परियोजना कार्यालय में हड़कंप मच गया। टीम दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर अपने साथ धनबाद ले गई जहां आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सीएम हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन की तबीयत बिगड़ी, रांची के हिल व्यू अस्पताल में भर्ती

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां और दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पत्नी रूपी सोरेन की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के बरियातू स्थित हिल व्यू हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के संचालक और हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ नितेश प्रिया ने उनके भर्ती होने की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार रूपी सोरेन की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल अस्पताल की ओर से उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर विस्तृत मेडिकल बुलेटिन जारी नहीं किया गया है लेकिन चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। हाल ही में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी मां के इलाज के सिलसिले में हैदराबाद भी गए थे। उस दौरान उनके स्वास्थ्य परीक्षण और इलाज को लेकर विशेष चिकित्सकीय परामर्श लिया गया था। अब एक बार फिर तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें रांची के हिल व्यू हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। रूपी सोरेन के अस्पताल में भर्ती होने की खबर सामने आने के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों की नजर उनके स्वास्थ्य अपडेट पर बनी हुई है। शिबू सोरेन परिवार झारखंड की राजनीति में लंबे समय से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, ऐसे में उनकी तबीयत को लेकर समर्थकों और शुभचिंतकों में चिंता का माहौल है। फिलहाल अस्पताल की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आवश्यक उपचार किया जा रहा है। उनके स्वास्थ्य को लेकर आगे की जानकारी अस्पताल की ओर से जारी होने वाले आधिकारिक अपडेट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

जेपीएससी व जेएसएससी परीक्षा विवाद में सरकार ने रखा जवाब

रांची(नबिटा ब्यूरो)। जेपीएससी और जेएसएससी की विभिन्न परीक्षाओं से जुड़े मामले में शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की बेंच में हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से काउंटर एफिडेविट दाखिल किया गया। इससे पहले अदालत ने राज्य सरकार को 48 घंटे के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का समय दिया था। मामले की अगली सुनवाई अब 7 अक्टूबर को होगी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने कहा कि पूरे मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है और अदालत को पुलिस की जांच पर विश्वास है।

छाताबाद में फिर धंसी जमीन, आधा दर्जन घर जमींदोज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। झारखंड के धनबाद स्थित कोयलांचल इलाके में भूधंसान की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं। इसकी घटनाएं लगातार जारी हैं। इससे संबंधित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। खासकर बाघमारा और कतरास क्षेत्र में जमीन धंसने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामला कतरास थाना क्षेत्र के छाताबाद का है, जहां एक बार फिर जमीन धंसने से लोगों के सामने घर और जिंदगी बचाने का संकट खड़ा हो गया है। छाताबाद में हुई भूधंसान की घटना में करीब आधा दर्जन घरों के जमींदोज होने की बात सामने आई है जबकि लगभग 55 घर प्रभावित बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक इस घटना से करीब 500 लोग बेघर हो चुके हैं। घरों में दरारें पड़ने और जमीन धंसने के बाद लोग अपना सामान बाहर निकालकर सुरक्षित जगह की तलाश में जुट गए हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि छाताबाद में भूधंसान की यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले 7 जुलाई और 7 अगस्त को भी यहां भूधंसान की घटनाएं हुई थीं। पिछली घटनाओं के बाद प्रभावित परिवारों को जिस सामुदायिक भवन में अस्थायी तौर पर ठहराया गया था, वह भवन भी अब भूधंसान की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गया है। सड़कों पर जगह-जगह दरारें और जमीन के धंसने के निशान दिखाई दे रहे हैं। लोग अपने घरों से सामान निकालकर खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। बेघर हुए परिवारों का दर्द अब आंसुओं में छलक रहा है। छाताबाद में भूधंसान के बाद हालात बेहद चिंताजनक हैं। एक तरफ घरों के जमींदोज होने का डर तो दूसरी तरफ सुरक्षित आशियाने की चिंता। प्रभावित परिवारों का कहना है कि पिछली घटनाओं के बाद जिला प्रशासन, पुलिस, बीसीसीएल और जनप्रतिनिधियों की ओर से आश्वासन दिया गया था कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा लेकिन लोगों का आरोप है कि आश्वासन के बावजूद एक बार फिर भूधंसान की घटना ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रभावितों ने बीसीसीएल पर वार्ता और समझौते में किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि समुचित पुनर्वास और भूधंसान प्रभावित स्थल की भराई नहीं होने से उनका जीवन खतरे में है। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद बाघमारा सीओ गिरजानंद किस्कु भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने और उनकी समुचित व्यवस्था करने की बात कही है। सीओ ने बताया कि प्रभावित लोगों को फिलहाल सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाएगा।

महिला पर्यवेक्षिका की हत्या

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूमि जिले के चक्रधरपुर क्षेत्र में सोनुवा प्रखंड की महिला पर्यवेक्षिका अनीता बिंद की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। यह वारदात चक्रधरपुर के वार्ड सात स्थित शीतला मंदिर ग्वाला पट्टी इलाके में घटी, जहां मृतका पिछले करीब 15 दिनों से संजय साव के मकान में किराए पर अकेली रह रही थीं। इसी दौरान उत्तर प्रदेश निवासी अनिल कुमार बिंद उनसे मिलने उनके कमरे पर पहुंचा। दोनों के बीच बातचीत हो रही थी। कुछ देर बाद मकान के ऊपरी तल्ले से तेज चीख-पुकार दद्ध आवाज सुनकर आसपास मौजूद पड़ोसी और स्थानीय लोग तुरंत कमरे की ओर दौड़े। लोगों को आते देख आरोपी युवक घबरा गया और कमरे से निकलकर तेजी से बाहर की तरफ भागने लगा। युवक को भागते देख स्थानीय लोगों ने सतर्कता दिखाई और पीछा करके कुछ ही दूरी पर उसे पकड़ लिया।

C M Y K

गिरिडीह कॉलेज में कथित वित्तीय अनियमितता के खिलाफ भूख हड़ताल

प्रभारी प्राचार्य, बर्सर व प्रोफेसर इनचार्ज को पदमुक्त कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह कॉलेज में कथित वित्तीय अनियमितता, भ्रष्टाचार एवं घोटाले के आरोपों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का आंदोलन शुक्रवार को भूख हड़ताल तक पहुंच गया। 15 सितंबर से चल रहे आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए अभाविप के जिला संयोजक नीरज चौधरी एवं एसएफएस के सह-संयोजक अनीश राय भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। दोनों ने प्रभारी प्राचार्य, बर्सर एवं प्रोफेसर इनचार्ज को तत्काल पदमुक्त कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। अभाविप के प्रदेश सह मंत्री मंटू मुर्मू ने कहा कि भ्रष्टाचार करने वालों के साथ-साथ भ्रष्टाचार को संरक्षण देने वालों को भी संगठन बख्शने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि कॉलेज में कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन को गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए। भूख हड़ताल पर बैठे जिला संयोजक नीरज चौधरी ने आरोप लगाया कि प्रभारी प्राचार्य, बर्सर एवं प्रोफेसर इनचार्ज के खिलाफ ठोस साक्ष्य उपलब्ध कराए जाने के बावजूद करीब ढाई महीने से विश्वविद्यालय स्तर पर जांच नहीं कराई गई। आंदोलन शुरू होने के बाद जांच समिति का गठन किया गया, लेकिन अभाविप ने इसे महज खानापूर्ति बताया। उन्होंने कहा कि जब तक संबंधित पदाधिकारियों को पद से हटाकर निष्पक्ष जांच नहीं कराई जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं एसएफएस सह-संयोजक अनीश राय ने आरोप लगाया कि कॉलेज में कथित अनियमितताओं का दायरा व्यापक है। उन्होंने फर्जी हस्ताक्षर, बैंक को कथित रूप से गुमराह कर अवैध निकासी, एक ही समय में दो स्थानों पर उपस्थिति दर्ज कर भुगतान लेने तथा मामला सामने आने के बाद राशि लौटाने जैसे आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होने पर वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। अभाविप ने चेतावनी दी कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं की, तो संगठन विश्वविद्यालय स्तर पर भी आंदोलन करेगा। साथ ही सार्वजनिक धन के कथित दुरुपयोग को लेकर उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करने की बात कही गई। कॉलेज में लगातार कई दिनों से चल रहे आंदोलन के भूख हड़ताल में तब्दील होने के बाद अब निगाहें विश्वविद्यालय प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिक गई हैं। अभाविप का आरोप है कि उसने साक्ष्यों के साथ शिकायतें रखी हैं, जबकि विश्वविद्यालय की ओर से गठित जांच समिति की कार्रवाई को लेकर संगठन संतुष्ट नहीं है। मौके पर कॉलेज मंत्री कृष पासवान, कृष्णा दास, बिट्टू मोदी, अनिशा कुमारी, वर्षा कुमारी, शशि कुमारी समेत अभाविप के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं कॉलेज के विद्यार्थी मौजूद थे।

सूरत में मजदूरी के दौरान हादसा तेलोडीह के फिरोज की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। परिवार की खुशहाली और रोजी-रोटी की तलाश में घर से दूर सूरत गए तेलोडीह निवासी मोहम्मद फिरोज अंसारी (पिता-लाल मोहम्मद) की मजदूरी के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। 17 सितंबर को बिल्डिंग में काम करने के दौरान नीचे गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही तेलोडीह और खुट्टा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। फिरोज अपने पीछे पत्नी, तीन बच्चों और बूढ़े माता-पिता को छोड़ गए हैं। बताया जा रहा है कि वह परिवार के इकलौते बेटे और घर के मुख्य कमाऊ सदस्य थे। उनके असमय निधन से परिवार के सामने अब आर्थिक संकट के साथ-साथ बच्चों की परवरिश और बुजुर्ग माता-पिता के जीवन-यापन की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।।परिजनों से मिले मुखिया, तत्काल दी आर्थिक मदद घटना की जानकारी मिलने के बाद तेलोडीह पंचायत के मुखिया शब्बीर आलम शोकाकुल परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और परिवार की आर्थिक स्थिति की जानकारी ली। मुखिया की ओर से मृतक के पिता लाल मोहम्मद को तत्काल नकद आर्थिक सहायता भी दी गई। साथ ही सरकारी स्तर पर परिवार को मिलने वाली संभावित सहायता उपलब्ध कराने के लिए पहल करने की बात कही गई। शव गांव लाने के लिए ग्रामीणों ने संभाली जिम्मेदारी फिरोज का शव सूरत से उनके पैतृक गांव तेलोडीह लाने की कवायद भी शुरू कर दी गई है। शव को झारखंड लाने में आने वाले खर्च के लिए गांव

और समाज के लोग आपसी सहयोग से चंदा जुटा रहे हैं। ग्रामीण अपनी क्षमता के अनुसार आर्थिक सहयोग कर रहे हैं, ताकि फिरोज का शव सम्मानपूर्वक गांव लाकर अंतिम संस्कार कराया जा सके। लेनदेन को लेकर दबाव की भी चर्चा, आधिकारिक पुष्टि नहीं इधर, परिजनों और स्थानीय लोगों के बीच फिरोज के मानसिक तनाव में होने की चर्चा भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि घर-जमीन के लेनदेन से जुड़े पैसों को लेकर कुछ स्थानीय ग्रामीणों द्वारा कथित दबाव बनाए जाने की बात कही जा रही थी। हालांकि, इस कथित दबाव और मानसिक तनाव को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले में वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिरोज की मौत से तेलोडीह और खुट्टा क्षेत्र में मातम पसरा है। परिवार की इस कठिन घड़ी में मुखिया शब्बीर आलम के साथ स्थानीय ग्रामीण भी खड़े हैं और आर्थिक सहयोग जुटाकर शोकाकुल परिवार को तत्काल राहत पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पुराने नगर पालिका परिसर में धूमधाम से हुई विश्वकर्मा पूजा, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गिरिडीह नगर निगम के चालक एवं कर्मियों द्वारा पिछले कई वर्षों से चली आ रही परंपरा के तहत इस वर्ष भी विश्वकर्मा पूजा का आयोजन पुराने नगर पालिका परिसर में धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ किया गया। पूजा के अवसर पर भगवान विश्वकर्मा की आकर्षक प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। विश्वकर्मा पूजा को लेकर परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर भगवान विश्वकर्मा के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा। आयोजकों ने बताया कि विश्वकर्मा पूजा के उपलक्ष्य में अगले दिन भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भंडारे में शामिल होने की अपील की। पूजा आयोजन को सफल बनाने में गिरिडीह नगर निगम के तमाम चालक एवं कर्मियों का सराहनीय सहयोग रहा। आयोजकों ने सभी सहयोगियों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार जताया।

मोहनपुर के समाजसेवी का निधन

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत के वार्ड संख्या पांच छोटी मोहनपुर निवासी सह समाजसेवी सुरेंद्र नारायण यादव (82) का निधन शुक्रवार की सुबह हो गए। इस मौके पर उनके चाहने वाले सुबह से ही उनके आवास पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। पूर्व पथ निर्माण राज्य मंत्री स्वर्गीय महेंद्र नारायण यादव के छोटे भाई सुरेंद्र नारायण यादव भी पार्टी के साथ सामाजिक कार्य में जुड़े हुए थे । उनके निधन पर राजद, कांग्रेस, जदयू, भाजपा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित होकर उन्हें नमन किया। मालूम हो कि समाजसेवी अपने पीछे तीन पुत्र में प्रथम पुत्र विजय कुमार यादव किसान, द्वितीय पुत्र लाल बहादुर यादव एडवोकेट, तृतीय पुत्र कुमार शेखर शिक्षक हैं एवं सभी पुत्र -पुत्री का शादी कर दिए हैं। इस अवसर पर सुनील कुमार यादव, बंदना यादव, खुर्शीद आजाद, शशि कुमार मंडल, तारकेश्वर ठाकुर, भोला पासवान, प्रदीप कुमार पासवान, बलराम पोद्दार, संजय कुमार मंडल, अभय कुमार यादव,अशोक कुमार यादव, संजीव कुमार, मुकुल कुमार, मुनिलाल यादव, दीपक कुमार मंडल, मनोज कुमार मंडल, दिलीप रजक, फुलेश्वर भगत, बिमल कुमार यादव, मुन्ना मंडल, सुरेश यादव, सियाराम यादव, दिलीप यादव, अंकित कुमार यादव, अमित आनंद, कुमार यादव, सज्जन कुमार यादव, विशाल आनंद, ब्रह्मदेव मंडल, संजय कुमार सिंह, हीरालाल साह आदि ने शोक संवेदना प्रकट किए ।

कटिहार में 25 अक्टूबर को होगा इंडिया खेलो फुटबॉल चयन ट्रायल

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में इंडिया खेलो फुटबॉल के लिए चयन प्रतियोगिता को लेकर अंकुरम् विद्यालय तेजा टोला में फुटबॉल क्लबों के सचिवों की बैठक महासचिव दिलीप कुमार साह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 25 अक्टूबर 2026 को चयन प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया। प्रतियोगिता में 2009 से 2016 के बीच जन्मे लड़के एवं लड़कियां भाग ले सकेंगे। जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर खेलने का अवसर मिलेगा तथा चयनित खिलाड़ियों का सारा खर्च इंडिया खेलो फुटबॉल द्वारा वहन किया जाएगा।इच्छुक खिलाड़ी विशेष जानकारी के लिए शुभाशीष मूर्मू मनिहारी 6299487858, सुनील हेम्ब्रम कोलासी 7903756914 एवं सुभाष सोरेन प्राणपुर 7294953188 पर संपर्क कर सकते हैं। बैठक में सुनील हेम्ब्रम, अमित कुमार, बिनोद चौधरी, शुभम कुमार, गोपाल सिंह, बिठू मूर्मू सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

तीन दिवसीय बिहूला विषहरी पूजा का शुभारंभ

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के चितौड़िया पंचायत के वार्ड संख्या एक गाड़ी घाट में पंचायत के मुखिया दीप नारायण पासवान ने फीता काटकर तीन दिवसीय बिहूला विषहरी पूजा का शुभारंभ किया। इससे पूर्व बिहुला विषहरी मंदिर गड़ीघाट कमेटी के सदस्यों ने पंचायत के मुखिया दीप नारायण पासवान, पूर्व सरपंच जितेंद्र पासवान, जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि गौतम कुमार सिंह, उप सरपंच रमेश चंद्र यादव, पूर्व सरपंच परमानंद ठाकुर, समाजसेवी भोला साह, अमित कुमार यादव को अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया।

मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा ने चलाया जनसेवा अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर गुरुवार को भाजपा नगर गिरिडीह की ओर से सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ ह्लसेवा संकल्प अभियानह्व चलाया गया। अभियान के तहत दिनभर विभिन्न सेवा गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी और जनसेवा का संदेश दिया गया। अभियान की शुरूआत स्वच्छता कार्यक्रम से हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंदिर परिसरों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ

समाज की बुनियाद है और स्वच्छता को जनअभियान बनाना सभी की जिम्मेदारी है।वहीं, सुबह 11 बजे रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेने की बात कही। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने के साथ समाज में नियमित रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया। अभियान के तहत शाम को मंदिर परिसर में दीप उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसमें दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन तथा निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए प्रार्थना की जाएगी। साथ ही देश की शांति, समृद्धि और विकास की कामना की जाएगी। भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा और जनकल्याण के संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। विभिन्न सेवा कार्यक्रमों के जरिए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने और जरूरतमंदों तक सहयोग पहुंचाने का संदेश दिया जा रहा है।

जन्मदिवस पर गिरिडीह को मिली गया-न्यू गिरिडीह-कोलकाता ट्रेन की सौगात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर गिरिडीहवासियों को गयाझन्यू गिरिडीहझकोलकाता नई ट्रेन की सौगात मिलना जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। नई ट्रेन के परिचालन से गिरिडीह का रेल संपर्क गया और कोलकाता जैसे महत्वपूर्ण शहरों से और मजबूत होगा। इस संबंध में जानकारी भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं रेलवे बोर्ड के सदस्य मुकेश कुमार जालान ने दी। उन्होंने बताया कि गिरिडीहवासियों की लंबे समय से चली आ रही सीधी रेल कनेक्टिविटी की मांग को देखते हुए यह महत्वपूर्ण सौगात मिली है। वर्षों से गिरिडीह के लोगों का कोलकाता के लिए सीधी ट्रेन का सपना था, जो अब साकार होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति गिरिडीहवासियों ने आभार जताया है। वहीं, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के निरंतर प्रयासों के लिए भी जिलेवासियों की ओर से विशेष रूप से धन्यवाद व्यक्त किया गया है। नई ट्रेन से यात्रियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर मिली यह रेल सौगात गिरिडीह के लिए वर्षों पुराने सपने के साकार होने के रूप में देखी जा रही है।

विद्यालय में ‘वंदे मातरम’ का सामूहिक गान

25 सितंबर को देशभर में एक समय, एक लय और एक स्वर में होगा ‘नमामि भारतम’ कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अमर राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम’ के 150वें वर्ष के पूर्ण होने के अवसर पर 25 सितंबर को प्रस्तावित ह्यनमामि भारतम वंदे मातरम सामूहिक गायन कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा में विशेष अभ्यास सत्र आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर में भैया-बहनों, आचार्य एवं दीदी जी ने एक साथ राष्ट्रगीत के शुद्ध उच्चारण, स्वर और लय का अभ्यास किया। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के आह्वान पर आगामी 25 सितंबर 2026 को पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर सुबह 11 बजे देशभर में एक साथ ह्यनमामि भारतम्झवंदे मातरम्ह्न कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस दौरान एक समय, एक लय और एक स्वर में राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन होगा।कार्यक्रम की तैयारी के लिए आयोजित अभ्यास सत्र विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद कमल के निर्देशन में संपन्न हुआ। इसमें विद्यालय के आचार्य-दीदी के साथ बड़ी संख्या में भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभ्यास के दौरान राष्ट्रगीत के उच्चारण और सामूहिक गायन की एकरूपता पर विशेष ध्यान दिया गया। बताया गया कि 25 सितंबर को यह आयोजन केवल विद्यालय परिसर तक सीमित नहीं रहेगा। पोषित ग्राम एवं वार्डों के साथ सार्वजनिक मैदान, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, जिलाधीश कार्यालय समेत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर भी सामूहिक गायन किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर महानगर के 16 मंडलों में आयोजन

8 हजार से अधिक लाभार्थियों-कार्यकताओं ने घरों में जलाए दीप, 250 से अधिक मंदिरों में दीप प्रज्वलन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर गिरिडीह महानगर के सभी 16 मंडलों के साथ-साथ गिरिडीह, गांडेय एवं डुमरी विधानसभा क्षेत्रों में सेवा, श्रद्धा और जनसहभागिता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में कार्यकताओं के साथ आम नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान 8 हजार से अधिक लाभार्थियों एवं कार्यकताओं ने अपने-अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीघार्यु एवं निरंतर राष्ट्रसेवा की मंगलकामना की। वहीं महानगर क्षेत्र के 250 से अधिक मंदिरों में दीप प्रज्वलन कर प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु के लिए प्रार्थना की गई। विभिन्न स्थानों पर केक काटकर भी जन्मदिवस मनाया गया।कार्यक्रम के जिला महानगर संयोजक मुकेश जालान ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को सेवा, श्रद्धा और जनसहभागिता के साथ मनाने के उद्देश्य से महानगर के सभी 16 मंडलों में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रमों को विशेष रूप से सफल बनाया। मुकेश जालान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए कहा कि देश उनके नेतृत्व में निरंतर विकास और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे। कार्यक्रमों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

विद्यालय की व्यवस्था और रिकॉर्ड का होगा गहन अवलोकन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। केएन बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूऐसी) की ओर से आयोजित साप्ताहिक अवलोकन कक्षा कार्यशाला शुक्रवार को चौथे दिन भी जारी रही। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को चौथे सप्ताह की गतिविधियों एवं विद्यालय अवलोकन के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी डॉ. शंकर सिंह ने दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजीत कुमार सिंह ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को विद्यालय में जाकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करनी है। इस रिपोर्ट में विद्यालय में उपलब्ध फंड, परिवहन व्यवस्था, बुनियादी ढांचा, शिक्षक-छात्र अनुपात, अकादमिक एवं वित्तीय रिकॉर्ड, परीक्षा परिणाम तथा विद्यालय के आय-व्यय से संबंधित अभिलेखों का अध्ययन शामिल रहेगा। इसके अलावा विद्यालय में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल आयोजन एवं उनके मूल्यांकन की प्रक्रिया को भी रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थी संबंधित विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों के सहयोग से आवश्यक जानकारी एकत्र कर फाइल तैयार करेंगे। इस अभ्यास का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को विद्यालय की वास्तविक कार्यप्रणाली, प्रशासनिक व्यवस्था और शैक्षणिक गतिविधियों को करीब से समझने का अवसर देना है। कार्यशाला में प्रो. बिनोद कुमार सुमन, प्रो. निलेश लकड़ा, डॉ. राजेश रविदास, प्रो. राजीव शर्मा, डॉ. रंजीत कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। वहीं प्रशिक्षणार्थियों में अंजली आनंद, आशा कुमारी, ऋषभ कुमार, ललिता सोरेन, नीतीश कुमार, सतीश कुमार, महेश यादव, डॉली किरण बेसरा, सुरुजमुनि सोरेन आदि मौजूद रहे।

अंबेडकर पुलिस बैरक में अनागारिक धम्मपाल व पेरियार की जयंती मनी

प्रेम, करुणा, तर्क और आत्मसम्मान को बताया सामाजिक बदलाव का आधार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नवीन पुलिस केंद्र गिरिडीह स्थित अंबेडकर पुलिस बैरक में 17 सितंबर को पूज्य अनागारिक धम्मपाल एवं दक्षिण भारत के महान समाज सुधारक ई.वी. रामास्वामी पेरियार की जयंती श्रद्धा एवं विचारों के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद सहायक पुलिस अवर निरीक्षक जय नारायण पासवान ने बौद्ध धम्म विधि से त्रिशरण, पंचशील तथा बुद्ध, धम्म एवं संघ वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वक्ताओं ने कहा कि अनागारिक धम्मपाल का जन्म 1864 में श्रीलंका में हुआ था। उन्होंने बुद्ध के संदेश को जन-जन तक पहुंचाते हुए प्रेम, करुणा, सत्य और मैत्री को मानव जीवन का आधार बताया। वक्ताओं ने कहा कि मनुष्य की पहचान जाति, धर्म या जन्म से नहीं, बल्कि उसकी मानवता से होनी चाहिए। बुद्ध का धम्म मानवता का धम्म है, जिसमें ऊंच-नीच और जात-पात के लिए कोई स्थान नहीं है। वहीं ई.वी. रामास्वामी पेरियार को दक्षिण भारत का महान समाज सुधारक बताते हुए वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने जाति व्यवस्था, अंधविश्वास और पाखंड के खिलाफ सामाजिक चेतना जगाने का काम किया। उनके विचारों में तर्क, आत्मसम्मान और जागरूकता को विशेष महत्व दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि आत्मसम्मान के बिना स्वतंत्रता की कल्पना अधूरी है। समाज को अंधविश्वास और जातिवाद से मुक्त करने के लिए संगठित होकर जागरूक होना जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सअनि मुकेश कुमार ने किया। मौके पर सअनि जय नारायण पासवान, हवलदार नागेश्वर राम, महेंद्र राम, जितेंद्र मेहरा, सुबल दास, साकेत पुष्कर कृष्णा, रामजी दास, अजय दास, साकेत पासवान, प्रदीप पासवान, जनेश्वर पासवान, मनोज कुमार, प्रवीण कुमार, दिलीप कुमार, राजकुमार रविदास, नगीना पासवान, पारस राम सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

विभावि के स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवीन सिन्हा (हजारीबाग ब्यूरो)। विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग में गुरुवार को 35वां स्थापना दिवस समारोह सादगी के माहौल में संपन्न किया गया। विवेकानंद सभागार में कार्यक्रम से पूर्व झारखंड के दिवंगत पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के चित्र पर पुष्पार्पण किया गया। उनकी 13वीं संस्कार को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार के मनोरंजन कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया गया। पूर्वाहन 9:45 को विश्वविद्यालय की परंपरा के अनुसार सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा, मुख्य अतिथि प्रो मजार आसिफ एवं विशिष्ट तिथि प्रो संजीव कुमार शर्मा ने आचार्य विनोबा भावे की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। यहां शिक्षाशास्त्र विभाग की छात्राओं ने 28 भारतीय राज्यों की संस्कृति को दशार्ते हुए विविधता में एकता का संदेश दिया। विवेकानंद सभागार में आचार्य विनोबा के चित्र पर पुष्पार्पण तथा मंगल द्वीप प्रज्वलन के साथ समारोह का विधिवत उद्घाटन किया गया। प्रतिभानंद सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय की छात्राओं ने कुलगीत की प्रस्तुति की। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति के द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को अंग वस्त्र ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने वार्षिक प्रतिवेदन का पाठ किया। जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मजहर आसिफ बतौर मुख्य अतिथि सभा को संबोधित किए। उन्होंने अपना परिचय में कहा कि वह एक देहाती कुलपति है और इस पर उन्हें गर्व है। ज्ञात हो कि प्रो मजहर नई शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख शिल्पकार है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार नई शिक्षा नीति भारत की हजारों वर्ष की पुरानी परंपराओं को संरक्षित करने और नई पीढ़ी अर्थात जेनरेशन जी के सर्वांगीण विकास के प्रति समर्पित है। विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के पूर्व कुलपति तथा इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन के महासचिव प्रो संजीव कुमार शर्मा ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय को सत्य के अनुसंधान का केंद्र बताए। यह भी कहा कि वर्तमान में विश्वविद्यालय की व्यवस्था पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। शिक्षकों से भी आह्वान किया कि वह अपनी भूमिका का आत्मा लोचन करें। टॉपर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वह शिक्षकों की अच्छाइयों को लेकर समाज में जाए। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्त को पुनःर्स्थापित करने का प्रयोजन है। अवकाश प्राप्त शिक्षकों और कर्मचारी को आगे की जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। टॉपर विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए उनसे आग्रह किया कि वह अपने अनुजों का मदद करें। इस अवसर पर पिछले एक वर्ष में अवकाश प्राप्त करने वाले 16 शिक्षक एवं 12 शिक्षककेत्तर साथियों को अंग वस्त्र ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। सत्र 2022-24 तथा सत्र 2023-25 के स्नातकोत्तर विषयों के कूल 61 टॉपर विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरस्कार जीतकर विश्वविद्यालय को गौरव्वांवित करने वाले 13 विद्यार्थी प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। आचार्य विनोबा भावे जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ सादिक रज्जाक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ इफ्शा खुर्शीद एवं प्रो मृत्युंजय प्रसाद ने किया। राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान के उपरांत कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता को पुनर्स्थापित करें : कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा

भारत की हजारों वर्ष पुरानी परंपराओं को संरक्षित कर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना लक्ष्य : प्रो. मजहर आसिफ

जूनियर एशिया कप की स्वर्ण विजेता बेटियों का स्वागत, सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए 25 को ट्रायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। चीन में आयोजित जूनियर एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता में भारतीय महिला हॉकी टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में योगदान देने वाली झारखंड की तीन बेटियां शुक्रवार को राज्य लौटीं। बिनिमा धान, पार्वती टोपनो और रोशनी आइंद के रांची पहुंचने पर हॉकी झारखंड और खेल प्रेमियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। तीनों खिलाड़ी भारतीय महिला टीम का हिस्सा थीं और टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से टीम की स्वर्णिम सफलता में योगदान दिया।

खिलाड़ियों को बधाई के साथ उज्वल भविष्य की कामना

खिलाड़ियों के स्वागत के दौरान खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। यहां लोगों ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। स्वागत कार्यक्रम में हॉकी झारखंड के संयुक्त सचिव माइकल लाल, दुलारी टोपनो, सेरसा के प्रशांत मुखर्जी, हॉकी रांची के कोषाध्यक्ष प्रमोद केरकेट्टा, तकनीकी अधिकारी फैंक्रेटियस टोप्पो, संजय तिर्की, समीर डुंगडुंग समेत कई खेल प्रेमी मौजूद रहे। इधर, झारखंड की महिला हॉकी खिलाड़ियों के लिए सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का भी मौका है। 10 से 21 अक्टूबर 2026 तक उत्तर प्रदेश के झांसी में होने वाली 16वीं हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026 के लिए झारखंड टीम के चयन को लेकर 25 सितंबर को रांची में ओपन ट्रायल होगा।

ट्रायल में शामिल होने वाली खिलाड़ियों के लिए वैध आईडी कार्ड अनिवार्य

चयन ट्रायल 25 सितंबर को सुबह 10 बजे से मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोराबादी में आयोजित किया जाएगा। झारखंड की निवासी कोई भी योग्य महिला हॉकी खिलाड़ी इस ट्रायल में हिस्सा ले सकती है। ट्रायल में शामिल होने वाली खिलाड़ियों के लिए हॉकी इंडिया का वैध आईडी कार्ड और आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य होगा।

यूपीआई पेमेंट पर 0.4% एमडीआर चार्ज से लोगों में नाराजगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। भारत में डिजिटल पेमेंट का चलन लगातार बढ़ रहा है। यूपीआई अब आम लोगों से लेकर छोटे-बड़े कारोबारियों तक भुगतान का प्रमुख माध्यम बन चुका है। कैश की जगह ऑनलाइन पेमेंट को बढ़ावा देने के बीच अब यूपीआई के जरिए दो हजार रुपये से अधिक के लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर चार्ज लगाए जाने की व्यवस्था आगामी 15 अक्टूबर से शुरू होने की बात सामने आ रही है। इसे लेकर देश के अलग-अलग व्यापारिक संगठनों में विरोध और समर्थन, दोनों तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। देवघर की बात करें तो यहां व्यापारी संगठन इस प्रस्तावित व्यवस्था को लेकर चिंता जता रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि बाबा नगरी में देश के अलग-अलग राज्यों और इलाकों से श्रद्धालु और ग्राहक पहुंचते हैं। बड़ी संख्या में भुगतान ऑनलाइन माध्यम से किया जाता है। ऐसे में यूपीआई से पेमेंट लेने पर 0.4 प्रतिशत अतिरिक्त चार्ज कारोबारियों के लिए आर्थिक बोझ बढ़ा सकता है।

जेएससीबी घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, सात ठिकानों पर छापे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक (जेएससीबी) में हुए बड़े पैमाने के कथित वित्तीय घोटाले की जांच अब उस मोड़ पर पहुंच गई है, जहां जांच एजेंसियां एक-एक कर पूरे खेल की कड़ियां जोड़ने में जुटी हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), रांची की टीम ने शुक्रवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 17 के तहत झारखंड और ओडिशा में कुल सात ठिकानों पर तलाशी और जब्ती की कार्रवाई शुरू की। ईडी की यह कार्रवाई जेएससीबी की सरायकेला शाखा में कथित बड़े वित्तीय फर्जीवाड़े से जुड़ी चल रही जांच का हिस्सा है। जांच एजेंसी के अनुसार, कारोबारी संजय कुमार डालमिया ने बैंक के तत्कालीन अधिकारियों के साथ कथित मिलीभगत कर बैंक को बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाला पूरा खेल रचा। जांच के केंद्र में यह आरोप है कि कारोबारी और बैंक के तत्कालीन अधिकारियों के बीच कथित सांठगांठ के जरिए बैंकिंग व्यवस्था का दुरुपयोग किया गया। शुरुआती तौर पर जो मामला बैंक की एक शाखा में वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा दिखाई देता था, जांच आगे बढ़ने के साथ उसके तार कई लोगों और ठिकानों तक जुड़ते नजर आ रहे हैं। ईडी अब इस पूरे मामले में पैसे के लेन-देन, कथित फर्जीवाड़े की प्रक्रिया, बैंक अधिकारियों की भूमिका और उससे जुड़े लाभार्थियों की कड़ियों को खंगाल रही है। तलाशी के दौरान सामने आने वाले दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच एजेंसी कथित धन के स्रोत और उसके इस्तेमाल की भी पड़ताल कर रही है। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ईडी ने एक साथ झारखंड और ओडिशा में सात स्थानों को कार्रवाई के दायरे में लिया है। जांच एजेंसी का फोकस उन परिसंपत्तियों, दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड पर है, जो कथित बैंक घोटाले से संबंधित हो सकते हैं। ईडी की कार्रवाई के बाद इस मामले में आने वाले दिनों में और भी अहम खुलासे होने की संभावना है। हालांकि, तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान क्या-क्या बरामद हुआ और कथित घोटाले में धन का वास्तविक प्रवाह किस तरह हुआ इसकी पूरी तस्वीर जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। फिलहाल ईडी की कार्रवाई ने झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक घोटाले की फाइल में एक नया अध्याय खोल दिया है। अब जांच की नजर उस पूरे नेटवर्क पर है जिसके जरिए कथित तौर पर बैंक के साथ करोड़ों का खेल किया गया।

रांची नगर निगम की 'ओपन जिम योजना': हर वार्ड में घर के पास मिलेगी मुफ्त कसरत की सुविधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजधानी के लोगों को घर के पास मुफ्त कसरत और स्वास्थ्य की सुविधा देने के लिए रांची नगर निगम की 'ओपन जिम योजना' अब जमीन पर उतर रही है। नगर आयुक्त सुशांत गौरव के नेतृत्व में निगम ने योजना को तेजी से पूरा करने के लिए काम करने का तरीका बदला है। किसी एक बड़ी कंपनी को पूरा काम देने के बजाय अब अलग-अलग वार्ड और क्षेत्र में स्थानीय एजेंसियों को काम दिया जा रहा है। इससे शहर के अलग-अलग हिस्सों में एक साथ काम आगे बढ़ाया जा रहा है। योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को पार्क और सार्वजनिक मैदानों में मुफ्त कसरत की सुविधा देना है। इससे लोगों को जिम जाने के लिए अलग से पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा और लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

सभी 53 वार्डों में लगेगा ओपन जिम निगम ने पहले शहर के 8 प्रमुख पार्कों के साथ अल्बर्ट एक्का चौक और अरगोरा चौक जैसे स्थानों पर ओपन जिम शुरू किया था। लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया के बाद अब सभी 53 वार्डों में ओपन जिम लगाने की तैयारी है। एयरपोर्ट कॉलोनी समेत कई इलाकों में जगह तैयार करने और निर्माण का काम चल रहा है।

एक जगह पर करीब 15 उपकरण चिन्हित जगहों पर करीब 15 तरह के कसरत के उपकरण लगाए जाएंगे। इनमें एयर वॉकर, लेग प्रेस, चेस्ट प्रेस, सिट-अप बेंच और एलिप्टिकल ट्रेनर समेत अन्य उपकरण शामिल हैं। निगम के अनुसार, उपकरण ऐसे होंगे जो धूप और बारिश में भी लंबे समय तक इस्तेमाल किए जा सकें।

अपर बाजार में एक साथ कई दुकानों में चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजधानी के प्रमुख कारोबारी केंद्र अपर बाजार में चोरों ने एक साथ कई दुकानों को निशाना बनाकर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं में लाखों रुपये की नकदी और कीमती सामान चोरी होने की बात सामने आई है। घटना के बाद इलाके के कारोबारियों में आक्रोश है। रांची के अपर बाजार में गुरुवार की रात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। छत की ग्रिल को काटकर चोर दुकान के अंदर घुसे और चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

22 सितंबर तक बारिश-आकाशीय बिजली गिरने का येलो अलर्ट जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

झारखंड। झारखंड में पिछले 24 घंटों के दौरान कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई। सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर में सबसे अधिक 70.4 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन के साथ हल्की बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए 22 सितंबर तक येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान पुटकी में 60.8 मिमी, कुमारडूंगी में 58 मिमी, अड़की में 44 मिमी, जामताड़ा में 39.6 मिमी, पुटकी डीवीसी में 38 मिमी, गोविंदपुर डीवीसी में 30.4 मिमी, धनबाद में 29.2 मिमी, रामगढ़ जिले के हेंदेगीर में 24.4 मिमी और सिंदरी डीवीसी में 22 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा राज्य के अन्य कई इलाकों में भी बारिश हुई। मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि 22 सितंबर तक कहीं-कहीं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। इस दौरान गरज-चमक के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। उल्लेखनीय है कि रांची और आसपास के इलाकों में पिछले तीन दिनों से दोपहर बाद बारिश हो रही है। इससे दिनभर की गर्मी और भारी उमस से लोगों को राहत मिल रही है। मौसम विभाग ने शुक्रवार देर शाम तक रांची में भी बारिश होने की संभावना जताई है। शुक्रवार को रांची का अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 21.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 34.2 और न्यूनतम 25.1 डिग्री, डालटनगंज में अधिकतम 34 और न्यूनतम 25.2 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.2 और न्यूनतम 24.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 33.8 और न्यूनतम 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

एक नजर

शराब बेचने के आरोप मे दो गिरफ्तार

अकबरपुर। पुलिस शराबबंदी कानून को लागू करने के लिए लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत दर्ज मामले में दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। अकबरपुर थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने गुरुवार को यह जानकारी दी। थानाध्यक्ष ने बताया कि अकबरपुर थाना कांड संख्या 458/26 दर्ज किया गया था। यह मामला बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए)/41 के तहत दर्ज हुआ था।इस मामले में अकबरपुर हाट निवासी रणबीर कुमार (पिता गुरुदेव प्रसाद) और रहीमपुर निवासी अभिषेक कुमार उर्फ ललू (पिता जगन यादव) को नामजद किया गया था। पुलिस ने इन दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई। सभी जरूरी कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस ने उन्हें जेल भेज दिया।थानाध्यक्ष ने कहा कि थाना क्षेत्र में अवैध शराब बनाने, बेचने, लाने-ले जाने और पीने के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। शराबबंदी कानून तोड़ने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि पुलिस संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही है और सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई कर रही है।

शिक्षा के विकास और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को एमएलए प्रतिबद्ध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद) । भखरुआं स्थित सरदार बल्लभ भाई पटेल इंटर विद्यालय में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक सह विधायक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विधायक, हैंड्स ऑफ प्रकाश चंद्रा के संरक्षक सह भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव एवं लोजपा (रा) के पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रकाशचंद्र शामिल हुए। विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधा, विद्यालय की मूलभूत आवश्यकताओं एवं विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। विधायक ने विद्यालय प्रबंधन समिति एवं शिक्षकों से विद्यालय की वर्तमान स्थिति और आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में हरसंभव आवश्यक पहल करने का भरोसा दिलाया। विधानसभा ने कहा कि शिक्षा ही समाज और क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यालयों का सर्वांगीण विकास ही आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने विद्यालय के विकास, शिक्षकों के सम्मान और विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत होगा नाइट ब्लड सर्वे

नारदीगंज,नवादा। नारदीगंज की तीन पंचायतों में 25 सितंबर को नाइट सर्वे होगी। नारदीगंज प्रखंड में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत 25 सितंबर को संभावित 'नाइट ब्लड सर्वे' (रात्रिकालीन रक्त जांच) आयोजित किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य समुदाय में फाइलेरिया परजीवी (माइक्रोफाइलेरिया) की मौजूदगी का समय रहते पता लगाना है। यह जांच ओड़ो पंचायत के ओड़ो गांव, कहुआरा के भट्ट बिगहा और डोहरा पंचायत के चौरमा गांव में की जाएगी। तैयारियों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नारदीगंज में बीसीसी (व्यवहार परिवर्तन संचार) बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग और पिरामल स्वास्थ्य की टीम ने सर्वे रणनीति व जनजागरूकता पर मंथन किया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने ग्रामीणों से शिविर में पहुंचकर जांच कराने की अपील की, ताकि फाइलेरिया मुक्त समाज बनाया जा सके। इसके लिए आशा, आंगनबाड़ी, जीविका समूहों व पंचायत प्रतिनिधियों से सहयोग मांगा गया है। बैठक में सीएचसी प्रभारी डॉ. विजय कृष्ण परमेश्वरम, स्वास्थ्य प्रबंधक इरशाद अहमद सहित पिरामल स्वास्थ्य के प्रतिनिधि एवं लैब टेक्नीशियन मौजूद रहे।

डीडीयू जंक्शन पर धूमधाम से मनी विश्वकर्मा पूजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुगलसराय। पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन स्थित सीनियर सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) कार्यालय परिसर में भगवान विश्वकर्मा पूजा समारोह श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। विश्वकर्मा पूजा को लेकर पूरे कार्यालय एवं कार्यस्थल परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुबह से ही रेलकर्मियों में पूजा को लेकर उत्साह का माहौल रहा। समारोह का आयोजन सीनियर सेक्शन इंजीनियर रंजय तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान विश्वकर्मा का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इस दौरान रेल पथ की मजबूती, रेल परिचालन की सुरक्षा एवं संरक्षा के साथ सभी रेलकर्मियों की कुशलता और सुख-समृद्धि की कामना की गई। पूजन समारोह में सीनियर सेक्शन इंजीनियर बिन्दे कुमार, दिलीप कुमार एवं शाहबाज खान तथा कार्यालय अधीक्षक प्रदीप कुमार सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर कार्यस्थल पर सुरक्षित एवं सुचारु रेल परिचालन की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में मिथिलेश कुमार, कार्तिक मुंडा, संजय कुमार, अमृता कुमारी, महेंद्र कुमार सोनी, अमरेंद्र कुमार भारती, अंकित कुमार सिंह, विक्की कुमार भारतीय, ऋतु प्रिया कुमारी एवं रुपम कुमारी समेत अन्य सहयोगी कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका रही। कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ पूजा की व्यवस्था संभाली और समारोह को सफल बनाने में योगदान दिया। पूजन के बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया। इसमें विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और आगंतुकों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर रेलकर्मियों ने एकजुट होकर अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा भारतीय रेल की प्रगति में योगदान देने का संकल्प लिया।

गिट्टी लदे ट्रक के तहखाने से 621 लीटर शराब-बीयर जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। बिहार-झारखंड सीमावर्ती क्षेत्र चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर रजौली पुलिस ने बुधवार शाम गुप्त सूचना के आधार पर गिट्टी लदे ट्रक से विदेशी शराब-बियर की बड़ी खेप बरामद की। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के नेतृत्व में हुई। टीम में एसआई सचिन कुमार, एएसआई मनोरंजन शर्मा, डीएपी जवान सहित अन्य पुलिस बल शामिल थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि झारखंड की ओर से शराब की खेप आने की सूचना मिली थी। जांच के दौरान ट्रक संख्या जेएच02एएच5185 को रोका गया। गहन तलाशी में गिट्टी के नीचे तहखाना बनाकर तथा ड्राइवर केबिन में छिपाकर रखी 1164 बोतलों में कुल 621 लीटर विदेशी शराब-बियर बरामद हुई। जब्त शराब में 750 एमएल की रॉयल स्टैग की 156 बोतलें तथा हैवर्डस 5000 प्रीमियम स्ट्रॉन्ग बियर की 1008 बोतलें शामिल हैं। इसकी बाजार कीमत 10 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। ट्रक चालक और खलासी ने पूछताछ में बताया कि खेप पटना ले जाई जा रही थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पटना जिले के आईआईटी अमहरा थाना क्षेत्र के लई गांव निवासी विक्की कुमार और विजय कुमार के रूप में हुई है। दोनों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-97-26, दिनांक: 17.09.2026। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (अभियांत्रिकी)/आद्रा, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा नीचे उल्लिखित अनुसार साइडिंग एवं विविध कार्यों के लिए 01 (एक) अदद ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-97-26। कार्यों का विवरण:** डीईएन/ईस्ट/आद्रा के अधीन विभिन्न स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग सहित अन्य संरचनात्मक सुविधाओं का विकास। **निविदा मूल्य: ₹ 9,37,87,154.63।** ई-निविदा बंद होने की तारीख और समय **16.10.2026 को अपराह्न 3.00 बजे** है। उपर्युक्त ई-निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **(PR-782)**

शिक्षा विभाग की योजनाओं की डीएम ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में बहुस्तरीय सुनियोजित कार्ययोजना एवं आठ स्तंभित जिला रणनीति के तहत संचालित गतिविधियों की समीक्षा हुई। पंचायत स्तर पर मास्टर ट्रेनर, शिक्षकों का क्षमता विकास, निपुण रजिस्टर, सतत आकलन, मासिक समीक्षा, समुदाय की सहभागिता तथा कमजोर बच्चों के लिए विशेष सहयोग पर चर्चा की गई। डीएम ने विद्यालय स्तर पर नियमित अनुश्रवण कर बच्चों के सीखने के स्तर के आधार पर आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। आरटीई के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नामांकन की समीक्षा में बताया गया कि 2162 आवेदनों में 1894 सही पाए गए। चार चरणों में सभी 1894 बच्चों को विद्यालय आवंटित किए गए, जिनमें 1847 ने नामांकन लिया। शेष बच्चों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया।

अपार आईडी की समीक्षा में बताया गया कि 1835 सरकारी विद्यालयों के 3,05,112 विद्यार्थियों में 2,35,915 की आईडी बन चुकी है, जबकि 69,197 लंबित हैं। 472 निजी विद्यालयों के 74,808 विद्यार्थियों में 15,243 की आईडी बनी है और 59,565 लंबित हैं। डीएम ने लंबित मामलों का विद्यालयवार अनुश्रवण कर शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में चतुर्थ वर्गीय कर्मियों के नियोजन की साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। औपबंधिक सूची तैयार की जा रही है। डीएम ने नियोजन में पारदर्शिता बरतने तथा छात्रावासों में शिक्षा, भोजन, स्वच्छता एवं सुरक्षा की नियमित निगरानी का निर्देश दिया। बैठक में समावेशी शिक्षा, आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लासरूम, आवासीय छात्रावासों और विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। डीएम ने डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रखंडवार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

परीक्षा नियंत्रक एवं संयुक्त परीक्षा नियंत्रक ने किया औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारुण (औरंगाबाद)। बारुण प्रखंड के सुंदरगंज स्थित सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूल में आयोजित इंटरमीडिएट त्रैमासिक परीक्षा का परीक्षा नियंत्रक निरंजय कुमार और संयुक्त परीक्षा नियंत्रक शिवम कुमार ने औचक निरीक्षण किया। यह परीक्षा बिहार विद्यालय परीक्षा समिति एवं जिला शिक्षा विभाग के तत्वावधान में संचालित हो रही है। निरीक्षण दल ने केंद्र की व्यवस्था, परीक्षार्थियों की उपस्थिति, कक्षवार संचालन, अनुशासन और बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुपालन का बारीकी से जायजा लिया। साथ ही वीक्षकों के कार्यकलापों तथा परीक्षा से संबंधित आवश्यक अभिलेखों की भी जांच की गई। परीक्षा नियंत्रक निरंजय कुमार एवं संयुक्त परीक्षा नियंत्रक शिवम कुमार ने विभिन्न कमरों का भ्रमण कर परीक्षार्थियों से संवाद किया। उन्होंने छात्रों को अनुशासित माहौल में परीक्षा देने और कर्मियों को बोर्ड के मानकों का अक्षरशः पालन करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने प्रश्नपत्रों और उत्तरपुस्तिकाओं की सुरक्षा, वितरण प्रणाली तथा परीक्षा समाप्ति के बाद उत्तरपुस्तिकाओं के सुरक्षित संधारण पर विशेष जोर दिया। परीक्षा की गोपनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए गए। विद्यालय के प्रभारी अरुण कुमार और संयुक्त परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि त्रैमासिक परीक्षा छात्रों के शैक्षणिक स्तर और विषयवार तैयारी के मूल्यांकन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मौके पर प्रतिनियुक्त विद्यालय अध्यापक संजय कुमार मेहता, रवि रंजन कुमार, संतोष कुमार, सुशील कुमार, पिंकी कुमारी और विक्रम कुमार उपस्थित रहे। केंद्र की व्यवस्था और अनुशासन पर संतोष जताते हुए अधिकारियों ने शेष परीक्षाओं में भी इसी स्तर की निष्पक्षता बनाए रखने का निर्देश दिया।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-27-26, दिनांक 11.09.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-27-26 के के लिए ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती हैं, बंद होने की तारीख/समय 08.10.2026 को 15.00 बजे। **कार्य का नाम साथ में उसका स्थान:** एईएन/एलएलएच के अधीन कोन्नगर एवं उत्तरपाड़ा में सभी प्लेटफॉर्मों पर 6 मीटर चौड़े एफओबी के प्रावधान के संबंध में 25 केवी ओएचई सुधार कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 53,03,806.38; **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 1,06,100; **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 12 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 08.10.2026 को 15.00 बजे। **निविदा खोला जाना:** निविदा बंद होने के उपरांत किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदा के सम्पूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देश के लिए निविदादातागण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। (HWH-337/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-20-26, दिनांक 11.09.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-20-26 के लिए ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती हैं, बंद होने की तारीख/समय 08.10.2026 को 15.00 बजे। **कार्य का नाम साथ में उसका स्थान:** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के अधीन बीजेडएल, डीकेएई, जीबीआरए, जेओएक्स, बीपीएई, बीआरपीए, बीएलएई, एमबीई, केक्यूयू, एमडीएसई, सीडीएई, पीबीजेड, बीएमएई, एसएचबीसी, एचआईएच उपनगरीय स्टेशनों में पीएफ शेडों के प्रावधान के संबंध में 25 केवी ओएचई कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 73,85,887.67; **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 1,47,700; **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 15 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 08.10.2026 को 15.00 बजे। **निविदा खोला जाना:** निविदा बंद होने के उपरांत किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदा के सम्पूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देश के लिए निविदादातागण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। (HWH-336/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-एलएचएस-18-6-सी-ई-18-4, दिनांक 16.09.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग रेल म्यूजियम के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. एसडीएसटीई-एलएचएस-18-6-सी-ई-18-4 के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **बंद होने की तारीख: 09.10.2026 को 15.00 बजे।** बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल - निम्नलिखित के संबंध में सिग्नलिंग कार्य - अनुसूची ए1- एईएन/केडब्ल्यूएई के अधिकार क्षेत्र के अधीन अनाधिकृत अतिक्रमण वाले स्थान के बदले पीटीएई-एजीएई स्टेशनों के बीच किमी. 89/21-23 पर गेट सं. 18/6/सी/ई पर एलएचएस के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। अनुसूची ए2- एईएन/केडब्ल्यूएई के अधिकार क्षेत्र के अधीन अनाधिकृत अतिक्रमण वाले स्थान के बदले पीटीएई-एजीएई स्टेशनों के बीच किमी. 89/21-23 पर गेट सं. 18/6/सी/ई पर एलएचएस के निर्माण के लिए टेलीकॉम लागत। अनुसूची बी1- एईएन/एनडीएई के अधीन बीडीसी-केडब्ल्यूएई अनुभाग में किमी. 88/7-9 पर एलसी गेट सं. 18/4 के स्थान के बदले नए एलएचएस के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। अनुसूची बी2- एईएन/एनडीएई के अधीन बीडीसी-केडब्ल्यूएई अनुभाग में किमी. 88/7-9 पर एलसी गेट सं. 18/4 के स्थान के बदले नए एलएचएस के निर्माण के लिए टेलीकॉम लागत। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 2,80,64,740.25; **बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 5,61,300; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** रु. 0.00; **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **समापन अवधि:** 12 महीने। **बोली शुरू होने की तारीख:** 25.09.2026। (HWH-339/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

- बम और डॉग स्क्वॉड ने शुरू की जांच
- कामकाज प्रभावित, लोगों को हुई परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने कोर्ट का मुख्य द्वार बंद करा दिया और पूरे परिसर को खाली करा लिया। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच शुरू कर दी। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मौके पर बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया।

धमकी की सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। किसी भी तरह की अनहोनी से बचने के लिए कोर्ट परिसर में मौजूद लोगों को बाहर निकाल दिया गया और मुख्य द्वार बंद कर दिया गया। पुलिस और सुरक्षा टीमों ने पूरे परिसर की गहन जांच शुरू कर दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया गया। सुरक्षा टीमें कोर्ट परिसर के अलग-अलग हिस्सों की जांच कर रही हैं। पुलिस धमकी के स्रोत का पता लगाने के साथ ही यह भी जांच कर रही है कि धमकी किस माध्यम से और किसने दी। बम की धमकी के कारण शुक्रवार को कोर्ट का कामकाज प्रभावित हुआ। दूर-दराज के इलाकों से मुकदमों और बेल की कार्रवाई के लिए पटना सिविल कोर्ट पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अचानक परिसर खाली कराए जाने से कई लोग अपनी सुनवाई और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं को लेकर परेशान नजर आए। वहीं, घटना को लेकर वकीलों में भी नाराजगी देखी गई।

पुलिस धमकी के स्रोत समेत पूरे मामले की जांच में जुटी है। सुरक्षा एजेंसियां कोर्ट परिसर में लगातार जांच कर रही हैं। फिलहाल पुलिस और सुरक्षा टीमों की कार्रवाई जारी है तथा धमकी की वास्तविकता और इसके पीछे की वजह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

भाजयुमो के जिलाध्यक्ष की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सहरसा। जिले में बेखौफ अपराधियों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के जिला महामंत्री की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सदर थाना क्षेत्र के गौतम नगर, वार्ड नंबर 15 की है, जहां शुक्रवार दोपहर एक बंद मकान से भाजयुमो नेता का खून से लथपथ शव बरामद हुआ।

आशंका जताई जा रही है कि हत्या बुधवार की रात ही की गई थी। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान 26 वर्षीय अभिजीत सिंह राजपूत उर्फ राजा के रूप में हुई है। वह भाजयुमो के जिला महामंत्री थे। अभिजीत मूल रूप से सुपौल जिले के गढ़बरुआरी, वार्ड नंबर 5 के रहने वाले थे और सहरसा के गौतम नगर स्थित अपने निजी मकान में रहते थे। भाजयुमो के जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह कुशवाहा ने बताया कि अभिजीत का फोन पिछले दो दिनों से नहीं उठ रहा था।

शुक्रवार को जब उनका एक दोस्त घर पहुंचा और आवाज दी, तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। खिड़की से झांककर देखा गया तो अभिजीत बेडरूम में अचेत पड़े थे और उनके चेहरे पर तकिया ढका हुआ था। अनहोनी की आशंका होते ही तुरंत सदर थाना पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जब मुख्य दरवाजा तोड़ा, तो अंदर का नजारा खौफनाक था। कमरे से तेज बदबू आ रही थी और अभिजीत खून से लथपथ मृत पड़े थे।

स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अपराधियों ने अभिजीत के सिर के पीछे से गोली मारी थी, जो उनकी दाहिनी आंख को चीरती हुई बाहर निकल गई।

माना जा रहा है कि इस जघन्य हत्याकांड में कोई बेहद करीबी शामिल हो सकता है। आशंका है कि हत्यारे पहले घर के अंदर आए, बातचीत की और मौका पाकर गोली मार दी। इसके बाद वे घर के पिछले दरवाजे से निकले और बाउंड्री वॉल के पास कुर्सी लगाकर दीवार फांदकर फरार हो गए।

खाद्य सुरक्षा विभाग की सघन जांच, कई प्रतिष्ठानों को नोटिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। आगामी पर्व-त्योहारों को देखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा विभाग का जांच अभियान जारी है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अभिमन्यु कुमार और राधिका कुमारी के नेतृत्व में टीम ने पाकुड़ सदर के होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई प्रतिष्ठानों और किराना दुकानों का औचक निरीक्षण किया।

अंबेडकर चौक स्थित आनंद होटल में साफ-सफाई और व्यक्तिगत स्वच्छता में कमी के साथ कुछ बासी खाद्य पदार्थ पाए गए। इन्हें तत्काल बिक्री एवं उपयोग से हटाकर मौके पर डिस्कार्ड कराया गया। संचालक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत नोटिस जारी किया गया। हनीफ मियां होटल एवं रेस्टोरेंट और जोहर रेस्टोरेंट में भी स्वच्छता संबंधी कमियां मिलीं। यहां वेज और नॉन-वेज खाद्य पदार्थों को एक ही रेफ्रिजरेटर में रखा गया था। संचालकों को खाद्य पदार्थों का उचित पृथक्करण और सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

वहीं अम्बा स्वीट्स और अमूल प्लाजा की जांच में स्थिति संतोषजनक पाई गई। खुशबू किराना दुकान से अमानक खाद्य पदार्थ जब्त किए गए, जबकि एक्सपायर्ड खाद्य उत्पादों को बिक्री से हटाकर नष्ट कराया गया। संचालक को एक्सपायरी, पैकेजिंग, लेबलिंग और गुणवत्ता की नियमित जांच करने का निर्देश दिया गया।

विभाग ने कहा कि पर्व-त्योहारों को देखते हुए जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन मिलने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों के साथ शिक्षकों ने भी नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ ली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। आज रामेश्वर प्लस उच्च विद्यालय बेलागंज में प्रधानाध्यापक मोहम्मद अबरार आलम की अध्यक्षता में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक छात्र-छात्राएं ने तंबाकू के सेवन से दूर रहने एवं समाज को नशा मुक्त बनाने में अपने सहयोग और कर्तव्यों का पालन करने का शपथ लिया। मौके पर प्रधानाध्यापक ने विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि आप देश समाज के भविष्य हैं आपकी चेतना समाज को नशा मुक्ति बनाएगी। आप नशा करने से बच्चे अपने परिवार के सदस्यों को नाश करने से बचाए रोक टोक और उसके दुष्प्रभाव का परिणाम बताकर उन्हें जागरूक करें यही सबसे बड़ी देश के प्रति राष्ट्रीयता होगी। अवसर पर शिक्षक दिवाकर कुमार रवि प्रकाश मालवीय चंद्रमणि प्रसाद, प्रेम रंजन कुमार, निशा कुमारी, रिंकी कुमारी, रिंकू कुमारी, अंतरीना कुमारी, मानस कुमार, तरुण कुमार, प्रदीप कुमार, मौर्य अणेश कुमार, रिजवान उल्ला, कन्हाई दास, चंदन कुमार, जुली कुमारी, प्रीति मैम एवं रीमा सिंह कार्यक्रम में भाग लिया।

जदयू प्रत्याशी पर फिर गरजे अनंत सिंह

नीरज कुमार के नार्को टेस्ट की उठायी मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में एमएलसी चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। पटना में बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने जेडीयू नेता नीरज कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह जेडीयू के विरोध में नहीं हैं, बल्कि नीरज कुमार का विरोध कर रहे हैं। अनंत सिंह ने नीरज कुमार पर कई गंभीर आरोप लगाए और उनके नार्को टेस्ट की मांग भी की।

अनंत सिंह ने कहा कि नीरज कुमार ने ललन सिंह का भी विरोध किया था। उन्होंने कहा, ₹हम लड़े, मेरा विरोध किया। मेरी गलती क्या है? हम मीटिंग में जाकर बोले थे, लेकिन हमें कुछ नहीं बताया गया।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹मेरे वोट से मुख्यमंत्री बनता है और ललन बाबू के वोट से प्रधानमंत्री बनता है। इसके वोट से क्या बनेगा? पार्टी का सिंबल भी मिलता है। यह पार्टी का इलेक्शन नहीं है।

जदयू से मोकामा विधायक अनंत सिंह ने पुरानी बातों को याद करने के लिए कहा- 'चुनाव के समय कितना विरोध किया था, वीडियो देख लीजिए'। अनंत सिंह ने कहा कि जब पार्टी के लोग चुनाव लड़ते हैं, तब उनका समर्थन करने के बजाय विरोध किया गया। उन्होंने कहा कि उनके चुनाव के समय कितना विरोध किया गया था, इसका वीडियो लोग देख सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका विरोध जेडीयू से नहीं, बल्कि नीरज कुमार से है। अनंत सिंह ने कहा कि जिस दिन पार्टी की बैठक हुई थी, उस दिन भी उन्होंने अपनी बात रखी थी।

अनंत सिंह ने नीरज कुमार के नार्को टेस्ट की मांग करते हुए कहा कि उन्होंने बैठक में भी यह बात रखी थी। उन्होंने दावा किया कि वह नीरज कुमार को हराने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। अनंत सिंह ने यहां तक कहा कि नीरज कुमार की हार निश्चित है और उनकी जमानत जब्त हो जाएगी। यह अनंत सिंह का दावा है।

अनंत सिंह पर पलटवार करते हुए जनता दल यूनाइटेड के मुख्य प्रवक्ता और एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि जिन्हें जो टेस्ट करवाना है वह करवा लें। नारको टेस्ट का ऑर्डर कोर्ट देता है। वह कोर्ट से आर्डर लेकर चले आएं, मैं कोई भी टेस्ट देने के लिए तैयार हूं। और, केवल नारको ही नहीं, अभी तरह का वैज्ञानिक अनुसंधान करवा लीजिए। सच्चाई को कोई झूठला नहीं सकता है। मैं नीतीश कुमार का सिपाही हूं। मैंने कभी कोई ऐसा काम नहीं किया जिससे मुझपर कोई उंगली उठा सकते है।

महायज्ञ को ले निकली कलश यात्रा

शिवाजीनगर। प्रखंड क्षेत्र के महादेव गांव में अखंड नव संकीर्तन महायज्ञ के आयोजन को लेकर गुरुवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। धार्मिक वातावरण के बीच निकली कलश यात्रा से पूरा गांव भक्तिमय हो गया कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु हाथों में कलश लेकर धार्मिक जयघोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे। इस दौरान जय सीताराम, राधे-श्याम, गौरी-शंकर, जय हनुमान के जयघोष से पूरा गांव गूंज उठा। श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखते ही बन रहा था। जगह-जगह ग्रामीणों ने कलश यात्रा का स्वागत किया आयोजकों ने बताया कि अखंड नव संकीर्तन महायज्ञ का उद्देश्य क्षेत्र में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण स्थापित करना तथा लोगों को भक्ति एवं सद्भाव से जोड़ना है। महायज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा आयोजक मंडली ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों से महायज्ञ में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने और महायज्ञ को सफल बनाने की अपील की।

चार साल बाद हत्या की खुली पोल

मृतक पहुंचा थाने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पुलिस ने चार साल पहले हुई एक हत्या के मामले में झूठी कहानी का बड़ा खुलासा किया है। प्रेम-प्रसंग को बचाने के लिए गोपालगंज के एक युवक ने अपनी ही हत्या का झूठा नाटक रच डाला। हालांकि, पुलिस की जांच के आगे उसका यह हाई-वोल्टेज ड्रामा ज्यादा दिन नहीं टिक सका और मामले का भंडाफोड़ हो गया।

मामले के चार साल बाद युवक अपनी पत्नी और बच्चे के साथ सरैया की एसडीपीओ अभिजीत कौर के सामने हाजिर हो गया और अपने ही बुने झूठ से पर्दा उठा दिया। जांच में पता चला कि अंतरजातीय शादी का परिवार द्वारा विरोध किए जाने पर उन्हें गुमराह करने के लिए युवक अपनी प्रेमिका को लेकर दिल्ली चला गया था, जहां दोनों ने शादी कर ली और वहीं रहने लगे। दरअसल, वर्ष 2022 में वादी धीरज प्रसाद श्रीवास्तव, थाना थावे, गोपालगंज ने थावे थाना में लिखित आवेदन दिया था। इसमें बताया गया था कि 6 नवंबर 2022 को उनके छोटे भाई सोनू कुमार दुकान का सामान लाने के लिए 50 हजार रुपये लेकर सुबह पटना के लिए निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। उसी दिन शाम करीब पांच बजे उनके भाई के मोबाइल फोन से व्हाट्सऐप पर एक ऑडियो क्लिप मिला। इसमें मुजफ्फरपुर जिले के देवरिया थाना क्षेत्र में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा रुपये से भरा बैग छीनने और खून से लथपथ सिर की तस्वीर भेजकर हत्या किए जाने की जानकारी दी गई थी।

इसके बाद उक्त आवेदन के आधार पर थावे थाना में शून्य प्राथमिकी दर्ज कर उसे देवरिया थाना भेजा गया। इसके बाद देवरिया थाना में हत्या का मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सफल उद्भेदन के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरपुर के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के अनुश्रवण और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सरैया के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

बड़े भाई की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या

नवबिहार टाइम्ससंवाददाता

आरा। जिले के धनगाई थाना क्षेत्र के मिठहां गांव में अंधविश्वास और झाड़-फूंक को लेकर चल रहे पुराने विवाद ने गुरुवार की रात खूनी रूप ले लिया। स्वजन के आरोप के अनुसार, छोटे भाई ने बड़े भाई की लाठी-डंडे से बेरहमी से पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल 73 वर्षीय हीरालाल राम ने शुक्रवार की सुबह घर में दम तोड़ दिया।

मृतक मिठहां गांव के वार्ड नंबर 12 निवासी थे।घटना की सूचना मिलते ही धनगाई थाना पुलिस गांव पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, आरा भेज दिया।

मृतक के सिर के पीछे बाईं ओर चोट का निशान बताया गया है। मृतक के पुत्र अजय राम ने अपने चाचा लाल बाबू राम पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद से आरोपित फरार बताया जा रहा है।

मृतक के पुत्र अजय राम ने पुलिस को बताया कि उनके पिता कई वर्षों से ओझाई का काम करते थे। करीब ढाई वर्ष पूर्व उनके चाचा लाल बाबू राम की बेटी की बीमारी से मौत हो गई थी। इसके बाद से लाल बाबू राम अपने भाई हीरालाल राम पर झाड़-फूंक करने और उसी के कारण बेटी की मौत होने का आरोप लगाने लगे। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था।

बताया गया कि गुरुवार की रात इसी पुराने विवाद को लेकर दोनों भाइयों के बीच कहासुनी हुई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर लाल बाबू राम ने लाठी-डंडे से हीरालाल राम की पिटाई कर दी। मारपीट में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद स्वजन उन्हें घर लेकर आए।

स्वजन के अनुसार, शुक्रवार की सुबह हीरालाल राम बातचीत कर रहे थे और उनकी हालत सामान्य प्रतीत हो रही थी। इसके बाद परिवार के सदस्य खेत में काम करने चले गए। कुछ देर बाद जब वे घर लौटे तो हीरालाल राम मृत अवस्था में मिले। इसके बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई और पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बेटी की मौत को लेकर दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद में मारपीट के दौरान हीरालाल राम की मौत होने की बात सामने आई है।

हालांकि, पुलिस को अभी तक मृतक के स्वजन की ओर से लिखित आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर 101 दीप प्रज्वलित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर पाकुड़ नगर के अटल चौक पर आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह कार्यक्रम संयोजक मीरा प्रवीण सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में 101 दीप प्रज्वलित किए गए और मिठाई का वितरण किया गया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यकताओं ने कहा कि 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा जयंती के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भी मनाया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए देश के विकास के लिए उनके प्रयासों का उल्लेख किया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को प्राथमिकता देते हुए अपना जीवन राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित किया है। कार्यक्रम में 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की बात कही गई। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दुर्गा मरांडी, पूर्व जिलाध्यक्ष अमृत पांडेय, विवेकानंद तिवारी, जिला महामंत्री रूपेश भगत, महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सम्पा साहा, जिला कार्यालय मंत्री सुशील साहा, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल, धर्मेंद्र त्रिवेदी, पार्वती देवी, पंकज साह समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

दरभंगा। घर लौटने की खुशी और अपनों से मिलने की उम्मीद लिए लुधियाना से चला 21 वर्षीय रोशन कुमार मंडल दरभंगा जंक्शन पहुंचा था। उसे यहां ट्रेन बदलकर नरपतगंज जाना था। घर पहुंचने से चंद कदम पहले जल्दबाजी में रेलवे पटरी पार करना उसकी जिंदगी पर भारी पड़ गया। दूसरी ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उसका सिर धड़ से अलग हो गया। घटना शुक्रवार की है।

इंटर हाउस खो-खो प्रतियोगिता आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। स्कॉटिश पब्लिक स्कूल, राजोखर, अररिया में इंटर हाउस खो-खो प्रतियोगिता का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न हाउस के विद्यार्थियों ने पूरे जोश, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय के डायरेक्टर अनूप कुमार ने किया।

प्रतियोगिता के बालक वर्ग में तक्षशिला हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि विक्रमशिला हाउस उपविजेता रहा। वहीं बालिका वर्ग में नालंदा हाउस विजेता एवं तक्षशिला हाउस उपविजेता रहा। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मैदान में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन, टीम भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा ने पूरे वातावरण को रोमांचक बना दिया। विद्यार्थियों ने खेल के माध्यम से अनुशासन, समन्वय, धैर्य और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दिया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर अनूप कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न हिस्सा हैं। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन विद्यालय के शिक्षकों, खेल विभाग एवं आयोजन टीम के उत्कृष्ट समन्वय, समर्पण और अथक प्रयासों से संभव हुआ।

आभूषण दुकान में चोरी

बेगूसराय। तेघड़ा प्रखंड क्षेत्र में अपराध की घटनाओं के बीच फुलवड़िया थाना क्षेत्र में चोरों ने ज्वेलर्स की दुकान को निशाना बनाया। गुरुवार की देर रात अज्ञात चोरों ने दुकान का शटर काटकर अंदर प्रवेश किया और सोने-चांदी के आभूषण व नकदी लेकर फरार हो गए। चोरी की घटना के बाद आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वारदात फुलवड़िया थाना क्षेत्र के धनकौल पंचायत अंतर्गत मुसहरी रोड स्थित विषहर स्थान के पास मंजू ज्वेलर्स में हुई। बताया जा रहा है कि चोरों ने दुकान का शटर काटा और अंदर घुस गए। दुकान से सामान समेटने के बाद बदमाश बगल के रास्ते से खेत की ओर निकल गए।

हथौड़े से वार कर पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। लहेरी थाना क्षेत्र के बड़ी पहाड़ी मोहल्ले में पारिवारिक विवाद में एक युवक ने अपनी 26 वर्षीय पत्नी रेखा देवी की हथौड़े से वार कर हत्या कर दी। घटना के बाद मोहल्ले में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपित पति सौरभ कुमार को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को बुलाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

सौरभ की मां शोभा कुमारी के अनुसार, करीब एक वर्ष पहले सौरभ दोस्तों के साथ राजगीर घूमने गया था। वहां उसकी मुलाकात ऑर्केस्ट्रा में काम करने वाली रेखा से हुई। दोनों के बीच प्रेम संबंध हुआ और बाद में दोनों ने मंदिर में शादी कर ली।

शादी के बाद दोनों कुछ समय तक साथ रहे। इसके बाद सौरभ फोटो एडिटिंग कंपनी में काम करने पंजाब चला गया। रेखा का मायका भी पंजाब में बताया गया है और दोनों वहां साथ रह रहे थे। शोभा कुमारी ने पुलिस को बताया कि पंजाब में रहने के दौरान पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। उनका आरोप है कि रेखा सौरभ के साथ मारपीट करती थी और कई बार चाकू से भी हमला किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रेखा सौरभ को अपनी मां से फोन पर बात नहीं करने देती थी। विवाद से परेशान होकर सौरभ दो-तीन दिन पहले पंजाब से बिहारशरीफ स्थित अपने घर लौट आया था। बताया गया कि सौरभ के बिहारशरीफ लौटने की जानकारी मिलने के बाद रेखा भी देर रात पंजाब से बड़ी पहाड़ी स्थित ससुराल पहुंच गई थी।

हाथियों के तांडव से किसान हलकान

- 150 एकड़ में लगी तैयार फसलों को रौंदा
- झुण्ड में दर्जन भर से अधिक हाथी शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। धुरकी के कनहर तटीय क्षेत्र के कदवा गांव में गुरुवार रात हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। धान की फसल पककर तैयार होने से ठीक पहले हाथियों ने भंडार पंचायत के इस गांव में 100 से 150 एकड़ में लगी धान, मक्का, तिल और अरहर की फसल को पूरी तरह रौंद दिया। असमय बारिश के कारण खेती के लिए पर्याप्त वर्षा नहीं होने के बावजूद किसानों ने कड़ी मेहनत से फसल तैयार की थी। हाथियों के इस हमले से किसानों की पूरी मेहनत पर पानी फिर गया है। पिछले 10 दिनों से हाथियों का यह समूह कनहर नदी के तटीय गांवों में दो समूहों में बंटकर लगातार फसलों को तबाह कर रहा है। हाथियों के इस हमले से रामप्रवेश प्रसाद गुप्ता, दयानंद प्रसाद गुप्ता, विकेश कोरवा, मंदिर सिंह, बसंत सिंह, ललन कोरवा, भिखारी शाह, अमर प्रसाद गुप्ता, अवधेश प्रसाद गुप्ता और बंसीधर गुप्ता सहित कई किसान गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों के झुंड में एक दर्जन से अधिक छोटे-बड़े हाथी शामिल हैं। शाम ढलते ही ये हाथी जंगलों से निकलकर गांवों में घुस जाते हैं और खेतों में खड़ी फसल को पूरी तरह कुचल देते हैं। जंगल

से सटे गांवों में हाथियों ने कई कच्चे मकानों को भी नुकसान पहुंचाया है। हाथियों के भय से ग्रामीण शाम होते ही अपने घरों में दुबकने को विवश हैं। अब लोगों को अपनी फसलों के साथ-साथ जान-माल की सुरक्षा की भी गहरी चिंता सता रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों के लगातार हो रहे हमलों के कारण पिछले तीन वर्षों के दौरान क्षेत्र में पांच लोगों की जान जा चुकी है। इसके साथ ही हाथियों ने चार दर्जन से अधिक पशुओं को मार डाला है और दो दर्जन से अधिक कच्चे घरों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। लगातार पांच वर्षों से फसलें नष्ट होने के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति बिगड़ चुकी है। हाथियों के डर से कई किसान खेती छोड़ने के लिए भी मजबूर हो रहे हैं। वन विभाग ने कनहर तटीय क्षेत्र की चार पंचायतों- खाला, अंबाखोरया, भंडार और खुटिया—को पहले ही हाथी जोन घोषित कर रखा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बाद भी वन विभाग ने हाथियों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

फूटा बाढ़ पीड़ितों का गुस्सा

शेखपुरा। शेखपुरा के घाट कुसुंभा में बाढ़ राहत क्षेत्र घोषित करने की मांग को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। प्रखंड कार्यालय में तालाबंदी के बाद अंचलाधिकारी को मंच पर ही रोक लिया गया। हंगामे के दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प की स्थिति बनी। चार दिनों से अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता पप्पू मंडल की मांग के समर्थन में शुक्रवार को ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया। बड़ी संख्या में ग्रामीण घाट कुसुंभा प्रखंड कार्यालय पहुंचे और जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने कार्यालय में ताला लगा दिया। इसी दौरान अंचलाधिकारी को भी मंच पर रोककर रखा गया। अचानक बढ़े तनाव के बाद मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को बुलाना पड़ा। हंगामे की सूचना मिलने पर एएसपी डॉ. राकेश कुमार, एसडीओ प्रियंका कुमारी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने अनशन स्थल पर पहुंचकर पप्पू मंडल और ग्रामीणों से बातचीत शुरू की।

गड्ढे में पलटी अनियंत्रित बोलेरो, दो लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। मेला देखकर घर लौट रहे सहरसा के पांच लोगों की बोलेरो शुक्रवार को दरभंगा में हादसे का शिकार हो गई। नदी थाना क्षेत्र के गोबराही गांव के पास तेज गति के कारण चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। बोलेरो कोसी बांध से नीचे गड्ढे में पलट गई। दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई।

मृतकों की पहचान सहरसा जिले के जलई थाना क्षेत्र के घोंघेपुर गांव निवासी मो. राजी के पुत्र मोहम्मद दिलदार (30) और मो. महफूज आलम के पुत्र मो. चांद के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में मो. गुड्डू, मो. हसीब और मो. आसिफ शामिल हैं। तीनों का स्थानीय स्तर पर इलाज कराया जा रहा है।

बताया गया कि बोलेरो में पांच लोग सवार थे। सभी मेला देखकर अपने घर लौट रहे थे। गोबराही गांव के निकट वाहन तेज गति में था। इसी दौरान चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और बोलेरो सड़क किनारे स्थित कोसी बांध से नीचे गड्ढे में जा पलटी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना नदी थाना पुलिस को दी। नदी थानाध्यक्ष सुशील कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो को गड्ढे से बाहर निकलवाया। इसके बाद मो. दिलदार के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दूसरे मृतक मो. चांद के स्वजन ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया।

इसके बाद वे शव को अपने साथ ले गए। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मृतकों के स्वजन में मातम छा गया। पुलिस ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है और आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

अब उम्र नहीं बनेगी पढ़ाई में बाधा, जीविका दीदियां करेंगी 10वीं-12वीं की पढ़ाई

बीबीओएसई, एजुकेट गर्ल्स, जीविका और प्रथम की संयुक्त पहल से महिलाओं को मिलेगा अधूरी शिक्षा पूरी करने का अवसर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शिक्षा से वंचित रह गई महिलाओं को अपनी अधूरी पढ़ाई पूरी करने का दूसरा अवसर देने के लिए बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड (बीबीओएसई), जीविका, एजुकेट गर्ल्स और प्रथम की ओर से संयुक्त पहल शुरू की गई है। इसके तहत जीविका दीदियों को बीबीओएसई के माध्यम से 10वीं और 12वीं की परीक्षा में शामिल होने के लिए जागरूक एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है। पहल का उद्देश्य महिलाओं को शिक्षा से जोड़ने के साथ उनके लिए आगे की पढ़ाई, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों का रास्ता खोलना है। बीबीओएसई ऐसी शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराता है जिसके माध्यम से नियमित विद्यालयी शिक्षा पूरी नहीं कर पाने वाले शिक्षार्थियों को अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाने और 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा पूरी करने का अवसर मिलता है। पहल के तहत विशेष रूप से उन जीविका दीदियों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है जो किसी कारण से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी नहीं कर सकीं। नामांकन और परीक्षा के लिए जीविका की स्थानीय टीमें महिलाओं के बीच जागरूकता अभियान चला रही हैं। दीदियों को बीबीओएसई में नामांकन की प्रक्रिया, परीक्षा व्यवस्था और शिक्षा पूरी करने के बाद उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी दी जा रही है। परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद महिलाएं आगे की शिक्षा और कौशल विकास के साथ विभिन्न रोजगारपरक अवसरों की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। इसी क्रम में बीबीओएसई के वरीय कार्यपालक पदाधिकारी मानस मिलिंद ने सोनपुर के गोगल सिंह इंटर स्तरीय विद्यालय, नयागांव में जीविका द्वारा संचालित लाइब्रेरी का अवलोकन किया। लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों, कंप्यूटर, इंटरनेट और समाचार पत्र जैसी सुविधाओं को देखते हुए उन्होंने इसे जीविका दीदियों के लिए फैसिलिटेशन सेंटर के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की। इसके बाद सिद्धि जीविका महिला विकास स्वावलम्बी सहकारी समिति, गोपालपुर, सोनपुर, सारण का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान मानस मिलिंद ने जीविका दीदियों से संवाद किया और उन्हें 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा देने से मिलने वाले अवसरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बीबीओएसई में नामांकन और परीक्षा की प्रक्रिया समझाते हुए महिलाओं को अपनी अधूरी शिक्षा पूरी करने के लिए प्रेरित किया। संवाद के दौरान जीविका दीदियों ने भी शिक्षा से जुड़े अपने अनुभव और विचार साझा किए। अधिकारियों ने कहा कि शिक्षा महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें बेहतर अवसरों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस पहल के जरिए महिलाओं को अपनी शिक्षा पूरी कर आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी निशांत कुमार एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, माध्यमिक शिक्षा से भी वार्ता की गई। जिले में संचालित बीबीओएसई के अध्ययन केंद्रों को और मजबूत करने तथा आवश्यकता के अनुसार नए अध्ययन केंद्र खोलने को लेकर सुझाव दिए गए। जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने अध्ययन केंद्रों को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा अधिक से अधिक नामांकन सुनिश्चित करने के प्रयास का आश्वासन दिया।

बिहार बाढ़ राहत के लिए आह्वान फाउंडेशन ने शुरू किया अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आह्वान फाउंडेशन ने 'बिहार बाढ़ राहत 2026' अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत राज्य के 14 जिलों में करीब 20 हजार बाढ़ प्रभावित लोगों तक भोजन, राशन और चिकित्सा सहायता पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। फाउंडेशन के अनुसार अब तक 14 जिलों के 56 स्थानों पर राहत कार्य किया जा चुका है। अभियान के तहत 20 हजार राशन किट, 5 हजार सूखा खाद्य सामग्री किट और 4 हजार मेडिकल किट वितरित करने की योजना है। राहत सामग्री के माध्यम से बाढ़ से प्रभावित उन परिवारों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है जिनके घर, आजीविका और रोजमर्रा की जरूरतें बाढ़ के कारण प्रभावित हुई हैं। फाउंडेशन के मुताबिक पटना, हाजीपुर, आरा, सुपौल, फतुहा, बलिया, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार और अरवल समेत अन्य प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाई जा रही है। आह्वान फाउंडेशन के सीईओ एवं संस्थापक ब्रज किशोर प्रधान ने कहा कि बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार के पीछे नुकसान, संघर्ष और बेहतर भविष्य की उम्मीद की कहानी है। ऐसे समय में प्रभावित लोगों के साथ खड़ा होना और उन्हें भोजन व स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराना फाउंडेशन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राहत अभियान के जरिए परिवारों को यह भरोसा दिलाने का प्रयास किया जा रहा है कि मुश्किल समय में वे अकेले नहीं हैं। फाउंडेशन का कहना है कि बाढ़ का प्रभाव पानी उतरने के बाद भी लंबे समय तक बना रहता है। घर, खाद्यान्न, घरेलू सामान और आय के स्रोत के नुकसान से प्रभावित परिवारों के सामने पुनर्वास की चुनौती रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए तत्काल राहत के साथ प्रभावित समुदायों में सुरक्षा और सम्मान की भावना मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है। आह्वान फाउंडेशन स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवकों और सीएसआर भागीदारों के सहयोग से राहत अभियान को आगे बढ़ा रहा है। संगठन के अनुसार अधिक से अधिक प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुंचाने के लिए सामूहिक सहयोग जरूरी है। फाउंडेशन ने आपदा राहत के क्षेत्र में काम करने वाले कॉरपोरेट और सीएसआर भागीदारों से भी सहयोग की अपील की है।

दो अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का किया जाएगा आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार पूर्व मध्य रेल मुख्यालय हाजीपुर में स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरुआत महाप्रबंधक डिंपी गर्ग द्वारा अपर महाप्रबंधक, सभी विभागाध्यक्षों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में की गई। यह अभियान पूर्व मध्य रेल के सभी मंडलों, कारखानों तथा अन्य इकाइयों में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक चलाया जाएगा जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम यथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 तथा स्रोत पर अपशिष्ट का 4 धाराओं में पृथक्करण के प्रति जागरूकता, स्वच्छता लक्षित इकाइयों का चिन्हिकरण तथा समुचित निस्तारण, नुक्कड़ नाटक, ज्ञान यात्रा, हेरिटेज स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान, कवाड़ से जुगाड़, कवाड़ से कला, रेलवे कॉलोनियों में घर-घर जाकर जागरूकता फैलाना, सफाई कर्मियों के लिए स्वास्थ्य शिविर इत्यादि आयोजित किये जाएंगे।

राष्ट्र निर्माण में स्वतंत्रता सेनानियों की पारिवारिक परंपराओं का योगदान अतुलनीय : विजय प्रकाश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वाधीनता आंदोलन के अग्रणी सेनानी एवं बिहार विद्यापीठ के संस्थापक सदस्य चतुरानन दास के पुण्य स्मरण दिवस पर सदाकत आश्रम स्थित देशरत्न सभागार में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में बिहार विद्यापीठ से जुड़े शिक्षकों, शोधार्थियों, पदाधिकारियों, परिजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने चतुरानन दास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके राष्ट्रसेवा के योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस अधिकारी विजय प्रकाश ने की। उन्होंने कहा कि चतुरानन दास जैसे कर्मठ और निस्वार्थ राष्ट्रभक्त अचानक तैयार नहीं होते, बल्कि उनके व्यक्तित्व के निर्माण में परिवार के संस्कार, सांस्कृतिक परिवेश और नैतिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि समाज और शोधकर्ताओं को स्वतंत्रता सेनानियों के पारिवारिक परिवेश का भी अध्ययन करना चाहिए, ताकि यह समझा जा सके कि किन संस्कारों और जीवन मूल्यों ने ऐसे राष्ट्रभक्तों को तैयार किया। अध्यक्ष विजय प्रकाश ने कहा कि किसान चेतना जगाने और शिक्षा के प्रसार में चतुरानन दास का योगदान आज भी अनुकरणीय है। उनके जीवन से नई पीढ़ी को राष्ट्रसेवा, सामाजिक दायित्व और जनकल्याण की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम का शुभारंभ चतुरानन दास के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं मौन श्रद्धांजलि के साथ हुआ। बिहार विद्यापीठ के अपर सचिव श्यामानंद चौधरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यापीठ के शुरुआती दौर में चतुरानन दास की भूमिका, संस्थागत संघर्ष और संगठन क्षमता पर प्रकाश डाला। चतुरानन दास के सुपुत्र प्रकाश चन्द्र दास एवं विकास चन्द्र दास ने अपने पिता के सामाजिक दायित्वों, सादगीपूर्ण जीवन और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े संस्मरण साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके जीवन का बड़ा हिस्सा समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित रहा। बिहार विद्यापीठ के सचिव डॉ. राणा अवधेश ने कहा कि चतुरानन दास का पूरा जीवन जनसेवा और राष्ट्रोत्थान को समर्पित रहा। उनके विचार और कार्य आज भी नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। वहीं शिक्षा-संस्कृति एवं संग्रहालय की निदेशक डॉ. मृदुला प्रकाश ने चतुरानन दास की स्मृति को जीवंत बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

ऊर्जा परिवार ने किया विश्वकर्मा पूजा का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ऊर्जा परिवार द्वारा विश्वकर्मा पूजा का विधिवत आयोजन किया गया। बिहार राज्य पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत संचालित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर एवं बोर्ड कॉलोनी स्थित अक्षय ऊर्जा भवन के ब्रेडा कार्यालय में विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा का विधिवत पूजन-अर्चना किया गया। पूजन कार्यक्रम में बिहार के ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक बीएसपीएचसीएल अजय यादव, नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार, बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ नवल किशोर चौधरी, साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सौरभ जोरवाल, बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विशाल राज सहित वरिष्ठ अधिकारियों समेत एसएलडीसी और ब्रेडा के कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी अधिकारियों ने पूजा में शामिल होकर सभी कर्मियों को विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं दीं। ऊर्जा सचिव अजय यादव ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा कर्म और शिल्प के प्रतीक हैं। ऊर्जा परिवार इस पावन अवसर पर राज्य में सुरक्षित, विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ अक्षय ऊर्जा के स्रोतों को बढ़ावा देने के अपने संकल्प को दोहराता है।

प्रदूषण फैलाने के मामले में दो औद्योगिक इकाइयों पर बंदी की कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद ने प्रदूषण मानकों के गंभीर उल्लंघन के मामले में दरभंगा की मेसर्स मिथिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड और पटना की मेसर्स हरिलाल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ इकाई बंद करने की कार्रवाई शुरू की है। दोनों इकाइयों का निरीक्षण राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद और आईआईटी खड़गपुर की संयुक्त टीम ने किया था। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली के निर्देश के अनुसार 100 किलोग्राम प्रतिदिन से अधिक बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड वाला बहिःस्राव करने वाली अथवा परिसंकटमय पदार्थों का हथालन करने वाली औद्योगिक इकाइयों को अतिप्रदूषणकारी उद्योग की श्रेणी में रखा गया है। ऐसी इकाइयों की हर वर्ष राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद और आईआईटी, एनआईटी, राष्ट्रीय शुगर संस्थान तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी जैसी विशेषज्ञ तकनीकी संस्थाओं में से चयनित संस्था द्वारा संयुक्त रूप से जांच की जाती है। दरभंगा स्थित मेसर्स मिथिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड की जांच में बहिःस्राव उपचार संयंत्र ठीक से काम करता नहीं पाया गया। निरीक्षण के दौरान अनुपचारित बहिःस्राव को बाईपास कर बोरवेल में रिवर्स पंपिंग किए जाने का भी मामला सामने आया। पर्षद ने इसे गंभीर उल्लंघन माना है। इसे पर्षद की ओर से दी गई सहमति की शर्तों का गैर-अनुपालन और जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के प्रावधानों का उल्लंघन बताया गया है। वहीं, पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र, पटना स्थित मेसर्स हरिलाल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड में भी बहिःस्राव उपचार संयंत्र संचालित नहीं पाया गया। यहां अनुपचारित बहिःस्राव का बाईपास कर उसे निकटवर्ती नाले में निःसारित किया जा रहा था। पर्षद के अनुसार दोनों मामलों में पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को रोकने के लिए जल अधिनियम, 1974 की सुसंगत धाराओं के तहत इकाइयों को बंद करने की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

जक्कनपुर में श्री गणेश उत्सव का भव्य आयोजन, श्रद्धालुओं की जुटी भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जक्कनपुर क्षेत्र के बटुकेश्वर दत्त लेन में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ श्री गणेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया और भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की। आयोजन का माहौल पूरे क्षेत्र में भक्तिमय बना रहा। इस भव्य गणेश उत्सव का आयोजन समाजसेवी एवं युवा नेता गोपाल जयसवाल के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव, दिलीप जयसवाल, अशोक चौधरी, विधायक संजय गुप्ता, पूर्व विधायक समीर महासेठ, भाजपा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी संजय मयूख, पटना की महापौर सीता साहू, उपमहापौर रेशमी चंद्रवंशी, डॉ. अभिषेक सिंह, संजीव टोनी, पी के चौधरी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना की तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को गणेश उत्सव की शुभकामनाएं दीं।

'मोदी युग का भारत' का शिक्षा मंत्री ने किया लोकार्पण

विकास भवन स्थित मदन मोहन सभागार में पुस्तक लोकार्पण समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने गुरुवार को विकास भवन स्थित मदन मोहन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव की पुस्तक 'मोदी युग का भारत' का लोकार्पण किया। उन्होंने पुस्तक के लेखक को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। लोकार्पण के मौके पर शिक्षा विभाग के सचिव राजीव रौशन और प्राथमिक शिक्षा निदेशक कुमार निशांत विवेक भी उपस्थित रहे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि 'मोदी युग का भारत' एक महत्वपूर्ण पुस्तक है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले 25 वर्षों से जारी अनवरत सार्वजनिक सेवा और उनके नेतृत्व में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यों को एक जगह समाहित किया गया है। यह पुस्तक लोगों को देश के विकास की यात्रा को समझने में मदद करेगी और आगे की राह दिखाने का काम करेगी। पुस्तक के लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने कहा कि यह पुस्तक राजनीतिक, सामाजिक विषयों में रुचि रखने वाले लोगों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी उपयोगी साबित होगी। पुस्तक में प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन, उनकी सेवा यात्रा, देशहित में लिए गए निर्णय और जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े विषयों को सरल रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे पूर्व उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की जीवनी, 'वीर कुंवर सिंह की प्रेमकथा', 'विकास पुरुष' और 'वंदेमातरम' जैसी चर्चित कृतियों के बाद मुरली मनोहर श्रीवास्तव की यह राष्ट्रीय विमर्श पर सबसे अहम कड़ी है। पैनड्रम पब्लिकेशंस, दिल्ली की ओर से आई यह पुस्तक युवा पीढ़ी, नीति-निर्माताओं और शोधार्थियों के लिए समकालीन भारत को समझने हेतु एक संग्रहणीय संदर्भ ग्रंथ के रूप में उभरी है।

डीजेटी माइक्रोफाइनेंस ने समय पर पुनर्भुगतान करने वाले ग्राहकों के लिए शुरू की गोल्ड रिवार्ड पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आरबीआई में पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई डीजेटी माइक्रोफाइनेंस ने अपने संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) ग्राहकों के बीच जिम्मेदारी भरे पुनर्भुगतान व्यवहार की पहचान करने के लिए 'गोल्ड रिवार्ड' पहल की घोषणा की है। बिना किसी देरी के समय पर माइक्रोफाइनेंस ऋण का पुनर्भुगतान करने वाले पात्र ग्राहकों को भुगतान की गई ब्याज की रकम के 2 प्रतिशत के बराबर गोल्ड रिवार्ड मिलेगा। यह पहल उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, असम और पश्चिम बंगाल में लागू की जा रही है। डीजेटी माइक्रोफाइनेंस, लागू रिवार्ड राशि के आधार पर पात्र ग्राहकों की ओर से सोने की खरीद कर उनका आवंटन करेगी। ग्राहकों के पास भौतिक रूप में या एक डीमैट एकाउंट के जरिए आवंटित सोने को भुनाने का विकल्प होगा। डीजेटी माइक्रोफाइनेंस के सीओओ अविनाश कुमार ने कहा इस पहल के जरिए हम हमारे उन जेएलजी ग्राहकों को पहचानना चाहते हैं जो बिना किसी देरी के अपनी पुनर्भुगतान प्रतिबद्धताओं को निरंतर पूरी करते और जिम्मेदारी भरा वित्तीय व्यवहार करते हैं।

राजगीर में 18वीं राष्ट्रीय विद्युत समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/राजगीर। बिहार के राजगीर में 18वीं राष्ट्रीय विद्युत समिति की एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में देश के एकीकृत विद्युत ग्रिड की सुरक्षा, विश्वसनीयता एवं स्थायित्व सुनिश्चित करने तथा विभिन्न क्षेत्रीय विद्युत समितियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक का शुभारंभ केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद ने किया। आगत अतिथियों का स्वागत पूर्वी क्षेत्रीय विद्युत समिति के अध्यक्ष एवं बिहार के ऊर्जा सचिव-सह-अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, अजय यादव ने किया। बैठक में विभिन्न क्षेत्रीय विद्युत समितियों, पावर ट्रांसमिशन एवं जेनरेशन कंपनियों, लोड डिस्पैच सेंटर तथा अन्य संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण मुद्दों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों की क्षेत्रीय चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न क्षेत्रीय विद्युत समितियों के बीच समन्वय और एकरूप कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर ग्रिड व्यवधानों की निगरानी एवं विश्लेषण तथा उनके आधार पर सुधारात्मक कार्रवाई की अनुशंसा पर भी विचार किया गया। बढ़ती विद्युत मांग, नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी और विद्युत प्रणाली की बढ़ती जटिलता को देखते हुए आधुनिक तकनीक, बेहतर पूर्वानुमान और प्रभावी समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया।

यूपीआई एमडीआर : ग्राहकों और दुकानदारों के लिए आसान जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एनपीसीआई द्वारा जारी सूचना के अनुसार यूपीआई ग्राहक के लिए फ्री रहेगा और एमडीआर, जो दुकानदार द्वारा ग्राहक से कार्ड या डिजिटल पेमेंट स्वीकार करने पर दी जाने वाली फीस है, उसे सामान्य यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लागू किया गया है। यूपीआई ग्राहकों के लिए फ्री बना रहेगा। यूपीआई के जरिए परिवार और दोस्तों को पैसे भेजना पूरी तरह फ्री रहेगा। यूपीआई के जरिए किसी भी दुकानदार को कोई भी रकम चुकाना फ्री रहेगा। चाहे आप किसी स्टोर पर खरीदारी कर रहे हों, लोकल मार्केट में पेमेंट कर रहे हों या किसी स्ट्रीट वेंडर के पास क्यूआर कोड स्कैन कर रहे हों, यह फ्री रहेगा। दुकानदार एमडीआर का खर्च ग्राहकों से नहीं ले सकते।

क्षेत्रीय कार्यालय, पटना में राजभाषा पखवारा का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। क्षेत्रीय कार्यालय, पटना में राजभाषा पखवाड़ा-2026 के शुभारंभ के अवसर पर गरिमामय शुभारंभ कार्यक्रम के साथ हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी एवं अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करना तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा संबंधी दायित्वों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय निदेशक निरंजन कुमार की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंचदीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राजभाषा हिंदी के संवर्धन एवं कार्यालयीन कार्यों में इसके प्रभावी प्रयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अपने संबोधन में क्षेत्रीय निदेशक निरंजन कुमार ने सभी कार्मिकों को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल कार्यालयीन भाषा ही नहीं, बल्कि प्रशासन एवं जनसंपर्क को प्रभावी और सहज बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 76 दीप प्रज्वलित कर की दीर्घायु की कामना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर बिहार की राजधानी पटना में एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रोफेसर रणबीर नंदन ने अपने आवास पर 76 दीप प्रज्ज्वलित कर देश के प्रधानमंत्री के मंगलमय, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर प्रोफेसर रणबीर नंदन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने अथक परिश्रम, दूरदर्शी सोच और राष्ट्र प्रथम की भावना से भारत को विश्व पटल पर एक नई पहचान दिलाई है। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। 76 दीप उनके 76वें जन्मदिन के प्रतीक के रूप में राष्ट्र की मंगलकामना का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि प्रधानमंत्री को उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें, ताकि वे राष्ट्र सेवा के अपने संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाते रहें। इस अवसर पर संगठन के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे और सभी ने प्रधानमंत्री जी के दीर्घायु जीवन के लिए प्रार्थना की।

खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता के लिए बिहार में पाम ऑयल योजना की खेती को मिलेगा बढ़ावा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के कृषि विभाग द्वारा राज्य में किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने तथा देश को खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयल पाम योजना का राज्य में विस्तार किया जा रहा है। योजना के माध्यम से राज्य के उपयुक्त जलवायु वाले क्षेत्रों में ऑयल पाम की वैज्ञानिक खेती को प्रोत्साहित करने के साथ किसानों को दीर्घकालिक एवं स्थिर आय का अवसर उपलब्ध कराने, रोजगार सृजन तथा तेल मिलों एवं प्रसंस्करण इकाइयों में निजी निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार के किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी एवं विविधतापूर्ण बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार नई संभावनाओं पर काम कर रही है। ऑयल पाम ऐसी ही एक दीर्घकालिक फसल है, जिसके माध्यम से उपयुक्त क्षेत्रों में किसानों को अतिरिक्त एवं स्थिर आय का अवसर मिल सकता है। साथ ही, देश की खाद्य तेल की आवश्यकता को पूरा करने और आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में भी यह पहल महत्वपूर्ण है। हमारा प्रयास है कि किसानों को केवल फसल उत्पादन तक सीमित न रखकर पौध सामग्री, सिंचाई, उत्पादन, खरीद, प्रसंस्करण और बाजार तक एक समग्र व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।

'इन्नोफेस्ट' में छात्रों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा, 'इलेक्ट्रिक केक' ने लूटी वाहवाही

स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग में दो दिवसीय विज्ञान एवं नवाचार महोत्सव का शुभारंभ

चेयरमैन के जन्मदिन पर छात्रों का नवाचार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दानापुर स्थित स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग में दो दिवसीय विज्ञान एवं नवाचार महोत्सव 'इन्नोफेस्ट' का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार की भावना विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित महोत्सव में छात्रों ने अपनी तकनीकी प्रतिभा और नए प्रयोगों से अतिथियों को प्रभावित किया। उद्घाटन समारोह में विज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में एपीएसएल के अध्यक्ष विजय प्रकाश, विद्यालय की प्राचार्या डॉ. मृदुला प्रकाश, एपीएसएल के उपाध्यक्ष अवधेश नारायण, डीवाई पाटिल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति एवं वैज्ञानिक प्रो. प्रभात रंजन, भारतीय ऑटोमोबाइल डीलर्स संघ के वरिष्ठ प्रबंधक नमन कुमार, प्रो. सुरभि सोनम, विज्ञान शिक्षक रजनीश कुमार, प्रद्युम्न कुमार तथा एटीएल प्रभारी अरविंद कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। महोत्सव के दौरान एपीएसएल अध्यक्ष विजय प्रकाश का 70वां जन्मदिन भी अनूठे अंदाज में मनाया गया। कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने अटल टिंकरिंग लैब में अपनी तकनीकी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विशेष 'इलेक्ट्रिक केक' तैयार किया। अतिथियों और शिक्षकों की मौजूदगी में इसी अनोखे केक को काटकर जन्मदिन मनाया गया। विद्यार्थियों के इस प्रयोग ने समारोह में मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर विजय प्रकाश ने विद्यार्थियों और शिक्षकों की रचनात्मकता के लिए प्रोत्साहित करते हुए 'आइडिया डायरी' उपलब्ध कराई। साथ ही एटीएल के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक एवं रोबोटिक किट भी भेंट की गई, ताकि विद्यार्थी अपने नए विचारों को प्रयोग और मॉडल के रूप में विकसित कर सकें।

संपादकीय

कुकी समुदाय के 'काला दिवस' पर मणिपुर में हिंसा, क्या फिर तेज होगा जातीय संघर्ष?

कुकी समुदाय वर्ष 1990 के दशक में राज्य में कुकी-नगा संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों की याद में हर साल 13 सितंबर को काला दिवस मनाता है। किसी भी सरकार की यह नीतिगत और नैतिक जिम्मेदारी होती है कि समाज में शांति एवं सौहार्द बना रहे। तभी आम लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकता है। मगर, लंबे समय से जातीय हिंसा और सामाजिक तनाव से जूझ रहे मणिपुर में ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। आए दिन हिंसक घटनाओं का राज्य की सामाजिक संरचना, अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर गहरा असर पड़ रहा है।

हालांकि, हालात में कई बार सुधार के संकेत दिखाई दिए, लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। पिछले कुछ समय से स्थिति फिर बिगड़ने लगी है। इसी का नतीजा है कि राज्य के तामेंगलोंग और नोनी जिलों में बीते रविवार को उग्रवादियों के हमलों में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई। इस पर सरकार का कहना है कि निर्दोष नागरिकों के खिलाफ हिंसा पूरी तरह अस्वीकार्य है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।मगर, सवाल है कि अगर सरकार इस मसले पर इतनी गंभीर है और इससे निपटने के लिए जरूरी कदम उठा रही है, तो फिर धरातल पर उसका असर दिखाई क्यों नहीं दे रहा है?दरअसल, मणिपुर की समस्या केवल जातीय संघर्ष तक सीमित नहीं है। इसके पीछे प्रशासनिक व्यवस्था, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों को लेकर समुदायों के बीच लंबे समय से चले आ रहे अविश्वास जैसे कई जटिल कारण भी हैं। इसलिए केवल सुरक्षा बलों की तैनाती या तनावग्रस्त इलाकों में प्रतिबंध लगाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाएगा।हिंसा को रोकना जरूरी है, लेकिन उसके साथ उन कारणों को समझना और दूर करना भी आवश्यक है, जिनसे तनाव बार-बार पैदा होता है। हिंसा की ताजा घटनाएं कुकी समुदाय की ओर से मनाए जाने वाले 'काला दिवस' के मौके पर हुईं। यह समुदाय वर्ष 1990 के दशक में राज्य में कुकी-नगा संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों की याद में हर साल 13 सितंबर को काला दिवस मनाता है।जाहिर है कि इस समुदाय के लोग उग्रवादियों के हमले को जातीय हिंसा से जोड़कर देख रहे हैं। कुकी-जो काउंसिल का कहना है कि सशस्त्र समूहों की गतिविधियां आम नागरिकों की जान पर भारी पड़ रही हैं और इससे राज्य में फिर से जातीय संघर्ष तेज होने का खतरा है।मणिपुर में विस्थापन भी एक गंभीर समस्या है। हिंसा के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़कर लंबे समय से राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इन लोगों की घर वापसी केवल प्रशासनिक आदेश से संभव नहीं होगी, उन्हें सुरक्षा का भरोसा, आजीविका के साधन और संपत्ति तथा पुनर्वास को लेकर ठोस उपायों की जरूरत है।

यूपीआइ का ढांचा भारत ने बनाया, लेकिन उसका सबसे बड़ा बाजार निजी कंपनियों के हाथ चला गया। फोनपे और गूगलपे मिलकर करीब अस्सी फीसद यूपीआइ लेन-देन संभालते हैं। फोनपे में अमेरिकी कंपनी वालमार्ट की बड़ी हिस्सेदारी है और गूगलपे अमेरिकी कंपनी अल्फाबेट का हिस्सा है। दूसरी ओर, नोटबंदी के बाद तेजी से बढ़ा पेटीएम कुछ ही वर्षों में बड़े निजी डिजिटल भुगतान कारोबार में बदला और 2021 में अपना आइपीओ लाकर वह सूचीबद्ध कंपनी बन गया। सवाल है कि जब डिजिटल भुगतान का आधार भारत ने बनाया, तो उसका बड़ा कारोबारी लाभ निजी और विदेशी पूंजी वाली कंपनियों के हिस्से में क्यों गया? सरकार ने 'भीम' ऐप बनाया, सार्वजनिक बैंकों के पास करोड़ों ग्राहक थे और एसबीआइ ने 'योनो' जैसा मंच खड़ा किया, फिर भी वह पीछे रह गया। एसबीआइ के अध्यक्ष सीएस शेट्टी ने खुद स्वीकार किया कि बैंक डिजिटल भुगतान की दौड़ में पीछे छूट गया है। जब ढांचा अपना था, ग्राहक अपने थे और बैंक अपने थे, तो अपने मंच पीछे और निजी मंच आगे कैसे हो गए?

84 फीसद डिजिटल पेमेंट में यूपीआई की हिस्सेदारी, क्या महंगा होगा भुगतान या बदल जाएगा कारोबारियों का व्यवहार?

(पीएस वोहरा)

अब तक आम धारणा यही रही कि यूपीआइ से भुगतान करना लगभग पूरी तरह निशुल्क है और यह व्यवस्था बनी रहेगी। मगर सरकार की नई व्यवस्था के बाद यह तस्वीर अब बदलने जा रही है। पंद्रह अक्तूबर 2026 से सभी व्यापारिक भुगतान पूरी तरह शुल्क मुक्त नहीं रहेंगे। हालांकि दो व्यक्तियों के बीच होने वाले भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा और दो हजार रुपए तक के व्यापारिक भुगतान भी शुल्क मुक्त रहेंगे, लेकिन दो हजार रुपए से अधिक के कुछ व्यापारिक भुगतानों पर शुल्क लागू होगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से अलग से नहीं लिया जाएगा और इसे कर भी नहीं माना जाएगा। फिर भी इस फैसले ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि जिस यूपीआइ को देश में डिजिटल भुगतान की सबसे बड़ी सार्वजनिक आधारभूत व्यवस्था के रूप में खड़ा किया गया, उसकी लागत का बोझ अब किस तरह और किस पर पड़ेगा?

यूपीआइ उस बदलाव की कहानी है, जिसने भारत में भुगतान के तौर-तरीके को ही बदल दिया। अप्रैल 2016 में यूपीआइ की शुरुआत 21 बैंकों के साथ हुई थी। अगस्त 2016 में करीब नब्बे हजार रुपए के लेन-देन हुए। शुरुआत छोटी थी, लेकिन इसके बाद घटनाक्रम ने असाधारण गति पकड़ी। आठ नवंबर 2016 को पांच सौ और एक हजार रुपए के पुराने नोटों को चलन से बाहर करने की घोषणा हुई। इसके बाद नकदी की उपलब्धता अचानक सीमित हो गई और डिजिटल भुगतान के लिए एक विशाल नया बाजार तैयार हुआ।

पेटीएम जैसे डिजिटल भुगतान मंचों ने इस दौर में तेज वृद्धि दर्ज की। उसने उस समय अपने लेन-देन और उपयोगकर्ताओं में कई गुना बढ़ोतरी के दावे किए। यह वही दौर था, जब डिजिटल भुगतान केवल सुविधा का विकल्प नहीं रहा, बल्कि रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बनने लगा।

यूपीआइ ने इसके बाद लगातार नई ऊंचाइयां छुईं। अक्तूबर 2019 में एक अरब से अधिक लेन-देन का आंकड़ा पार हुआ। फरवरी 2020 में लेन-देन करीब 1.32 अरब तक पहुंच गए। फिर कोरोना महामारी और देशव्यापी बंद ने लोगों के भुगतान व्यवहार को एक और बड़ा मोड़ दिया। अप्रैल 2020 में भी यूपीआइ पर करीब एक अरब लेन-देन हुए।

इसके बाद अक्तूबर 2020 में यह आंकड़ा दो अरब से ऊपर चला गया और दिसंबर 2020 में करीब 2.23 अरब लेन-देन दर्ज किए गए। वित्त वर्ष 2025 से 2026 में देश के कुल डिजिटल भुगतान लेन-देन में यूपीआइ की हिस्सेदारी करीब 84 फीसद तक पहुंच गई। जुलाई 2026 में ही यूपीआइ पर करीब 23.66 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग 29.88 लाख करोड़ रुपए रहा।

यूपीआइ उपभोक्ता के लिए अभी लगभग मुफ्त है, लेकिन इसे चलाना मुफ्त नहीं है। इसके पीछे सर्वर, तकनीकी ढांचा, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने की व्यवस्था, बैंकिंग नेटवर्क, ग्राहक सहायता और लगातार बढ़ते लेन-देन को संभालने की क्षमता पर भारी खर्च होता है। संसदीय वित्त संबंधी समिति के सामने रखे गए आंकड़ों के अनुसार, यूपीआइ के संचालन की अनुमानित वार्षिक लागत करीब 20,700 करोड़ रुपए है, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार ने करीब दो हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

यूपीआइ का ढांचा भारत ने बनाया, लेकिन उसका सबसे बड़ा बाजार निजी कंपनियों के हाथ चला गया। फोनपे और गूगलपे मिलकर करीब अस्सी फीसद यूपीआइ लेन-देन संभालते हैं। फोनपे में अमेरिकी कंपनी वालमार्ट की बड़ी हिस्सेदारी है और गूगलपे अमेरिकी कंपनी अल्फाबेट का हिस्सा है। दूसरी ओर, नोटबंदी के बाद तेजी से बढ़ा पेटीएम कुछ ही वर्षों में बड़े निजी डिजिटल भुगतान कारोबार में बदला और 2021 में अपना आइपीओ लाकर वह सूचीबद्ध कंपनी बन गया। सवाल है कि जब डिजिटल भुगतान का आधार भारत ने बनाया, तो उसका बड़ा कारोबारी लाभ निजी और विदेशी पूंजी वाली कंपनियों के हिस्से में क्यों गया?

सरकार ने 'भीम' ऐप बनाया, सार्वजनिक बैंकों के पास करोड़ों ग्राहक थे और एसबीआइ ने 'योनो' जैसा मंच खड़ा किया, फिर भी वह पीछे रह गया। एसबीआइ के अध्यक्ष सीएस शेट्टी ने खुद स्वीकार किया कि बैंक डिजिटल भुगतान की दौड़ में पीछे छूट गया है। जब ढांचा अपना था, ग्राहक अपने थे और बैंक अपने थे, तो अपने मंच पीछे और निजी मंच आगे कैसे हो गए?

नई व्यवस्था में दो हजार रुपए तक के भुगतान और छोटे व्यापारियों के लिए शुल्क मुक्त व्यवस्था जारी रहेगी। सरकार के अनुसार, करीब 96 फीसद व्यापारिक लेन-देन इससे प्रभावित नहीं होंगे, लेकिन दो हजार रुपए से अधिक के कुछ निर्धारित व्यापारिक भुगतानों पर 0.4 फीसद शुल्क लगेगा, जिसमें 75,000 रुपए या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम तीन सौ रुपए की सीमा होगी।

कुछ निर्धारित क्षेत्रों में प्रति लेन-देन पांच रुपए तथा पूंजी बाजार से जुड़े भुगतान में 0.02 फीसद और अधिकतम तीन सौ रुपए तक का शुल्क प्रस्तावित है। व्यापारी यह शुल्क सीधे ग्राहक से अलग से नहीं वसूल सकते, लेकिन आर्थिक व्यवहार इतना सीधा नहीं होता। व्यापारी इस लागत को किसी दूसरी लागत में समायोजित कर सकता है या भविष्य में कीमतों को बदलने पर विचार कर सकता है।

हालांकि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि इससे महंगाई बढ़ेगी, लेकिन यह सवाल जरूर है कि लगातार बढ़ती डिजिटल भुगतान लागत का अंतिम आर्थिक भार आखिर किसके हिस्से में जाएगा। इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या शुल्क लगने के बाद व्यापारी डिजिटल भुगतान को पहले जैसी सहजता से अपनाएंगे? यदि किसी भुगतान माध्यम को व्यापारी एक नियमित लागत के रूप में देखने लगे, तो क्या वे दूसरे भुगतान माध्यमों को प्राथमिकता देने की कोशिश नहीं करेंगे?

यही वह बिंदु है, जहां वर्ष 2016 की पूरी कहानी फिर सामने खड़ी हो जाती है। यूपीआइ ने ग्राहकों और व्यापारियों की अलग-अलग परेशानियों का एक ही समाधान दिया था। ग्राहक नकदी रखने की मजबूरी से बाहर आया और व्यापारी नकदी संभालने की मजबूरी से। ग्राहक के लिए खाते में मौजूद पैसा ही उसकी जेब बन गया और व्यापारी के लिए खाते में आने वाला भुगतान ही उसकी बिक्री की सुरक्षित प्राप्ति। एक रुपए से लेकर हजारों रुपए तक का लेन-देन कुछ ही क्षणों में पूरा होने लगा।

बैंकिंग शाखा, नकदी और खुले पैसों से जुड़ी अनेक रोजमर्रा की जटिलताएं पीछे छूट गईं, लेकिन अब पहली बार इस सहज व्यवस्था की लागत सामने आ रही है। डर यह नहीं कि ग्राहक से सीधे शुल्क लिया जाएगा। डर यह है कि व्यापारी के व्यवहार में बदलाव कहीं ग्राहक के व्यवहार को न बदल दे। बड़े कारोबारों के लिए यूपीआइ का महत्त्व छोटे व्यापारियों जैसा कभी नहीं रहा।

उनका भुगतान तंत्र पहले से ही औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था पर आधारित है। वेतन और मजदूरी का भुगतान बैंक खातों के माध्यम से, आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान बैंक हस्तांतरण या चेक से और बड़े कारोबारी लेन-देन भी बैंकिंग प्रणाली के निर्धारित माध्यमों से होते हैं। उनके लिए भुगतान की व्यवस्था किसी एक त्वरित भुगतान माध्यम पर निर्भर नहीं है।

असहमति का सम्मान जरूरी- संवाद, रिश्ते और लोकतंत्र की असली परीक्षा

(रामानुज पाठक)

मनुष्य ने सभ्यता इसलिए नहीं बनाई कि सब एक जैसा सोचें। सभ्यता का अर्थ है कि अलग-अलग सोच वाले लोग एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाए बिना साथ रह सकें। मगर सभ्यता की इस लंबी यात्रा के बावजूद मनुष्य एक विकृत प्रवृत्ति से मुक्त नहीं हो पाया है। वह है- अपनी बात को विचार और दूसरे की बात को समस्या समझना। अपनी असहमति उसे स्वतंत्र चिंतन लगती है और दूसरे की असहमति अवज्ञा। ईर्ष्या और द्वेष की जड़ें इसी मानसिकता में छिपी हैं। यानी हम जो कहें- वह तुम सुनो, तुम जो कहो- उसे सुनना हमारी जिम्मेदारी नहीं। विडंबना यह है कि अधिकांश लोग सार्वजनिक जीवन में लोकतंत्र चाहते हैं, लेकिन अपने निजी संसार में मनमर्जी से काम करना चाहते हैं। राष्ट्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहिए, लेकिन परिवार में नहीं। समाज में समानता चाहिए, पर अपने संबंधों में नहीं। हम चाहते हैं कि बच्चे हमारी बात सुनें, लेकिन उनकी बात सुनने का धैर्य नहीं रखते। दूरियां किसी एक बड़े विवाद से नहीं बनतीं। वे छोटे-छोटे अनसुने वाक्यों से बनती हैं। किसी ने कुछ कहा और हमने पूरा सुने बिना उत्तर दे दिया। किसी ने असहमति जताई और हमने उसके चरित्र का फैसला सुना दिया। असली समस्या यह है कि हम सुनते हुए भी अपने भीतर बोलते रहते हैं। सामने वाला वाक्य पूरा नहीं करता और हमारे भीतर उत्तर तैयार हो जाता है। हम उसके शब्द नहीं सुन रहे होते, अपनी अगली प्रतिक्रिया लिख रहे होते हैं। मनुष्य को अपनी बात सही सिद्ध करने में कई बार अधिक आनंद आता है। वह बहस जीतकर लौटता है और मान लेता है कि संबंध भी जीत लिया। जबकि कई बार बहस में मिली विजय, संबंध में मिली पराजय होती है। आपने तर्क जीत लिया, लेकिन सामने वाले का मन खो दिया। यहीं से ईर्ष्या का दूसरा चेहरा सामने आता है। जब हम दूसरे की योग्यता स्वीकार नहीं कर पाते, तो उसकी उपलब्धि हमें अपनी कमी का आईना लगती है। वह आगे बढ़ता है और हमें लगता है कि हमारा स्थान पीछे हो गया। ईर्ष्या का सुविधाजनक रास्ता है उपलब्धि की व्याख्या बदल देना। मेहनत को भाग्य कह दीजिए, प्रतिभा को संयोग, उपलब्धि को सिफारिश और सफलता को कृपा कह दो। इससे आत्मसम्मान सुरक्षित रहता है। मगर असल बात यह है कि यदि सामने वाला सचमुच योग्य है, तो हमें अपने भीतर झांकना पड़ेगा। द्वेष इसी मानसिक सुविधा का अगला चरण है। ईर्ष्या पूछती है, इसके पास क्यों है? द्वेष कहता है, इसके पास नहीं होना चाहिए। फिर व्यक्ति दूसरे को गिराने में वही संतोष खोजने लगता है, जो उसे स्वयं ऊपर उठने में मिलना चाहिए था। विडंबना यह भी है कि दूर की सफलता हमें प्रेरित करती है और पास की सफलता परेशान। किसी अनजान व्यक्ति की उपलब्धि पर हम कहते हैं, देश का नाम रोशन कर रहा है। वही उपलब्धि पड़ोसी हासिल कर ले, तो भीतर का आलोचक जाग जाता है, इतनी भी बड़ी बात नहीं है। परिवार में यही मनोविज्ञान रिश्तों को भीतर से खोखला करता है। प्रेम के नाम पर अधिकार, संरक्षण के नाम पर नियंत्रण और अनुशासन के नाम पर भय पैदा किया जाता है। सामने वाले को इतना अपना मान लेते हैं कि उसकी स्वतंत्रता भूल जाते हैं। संबंधों का यह सबसे विचित्र विरोधाभास है कि जिसे हम अपना कहते हैं, उसी को सबसे कम स्वतंत्रता देना चाहते हैं। समाज में यही मानसिकता समूहवाद बन जाती है। हर समूह चाहता है कि उसकी आवाज सुनी जाए, लेकिन दूसरे की आवाज को शोर कहने में देर नहीं लगती। हर विचारधारा प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता चाहती है, मगर अपने भीतर प्रश्न उठाने वाले को संदेह की निगाह से देखती है। राष्ट्र का निर्माण केवल सीमाओं, संस्थाओं और कानूनों से नहीं होता, वह साझा मनोविज्ञान से भी बनता है। लोकतंत्र की असली परीक्षा तब नहीं होती, जब सब आप से सहमत हों। उसकी परीक्षा तब होती है, जब कोई असहमत होकर अपनी बात कह सके। सहमति में साथ चलना सुविधा है, असहमति में साथ रहना सभ्यता। हमें एक नया सामाजिक व्याकरण सीखना होगा, मैं सही हो सकता हूं, लेकिन केवल मैं ही सही हूं, यह जरूरी नहीं। किसी की बात सुन लेना उससे सहमत होना नहीं है। असहमति का सम्मान करना अपनी मान्यता छोड़ना नहीं है। जिसे अपने विचार पर विश्वास होता है, वह प्रश्न से नहीं डरता। प्रश्न विचार का शत्रु नहीं, उसकी अग्निपरीक्षा है। इसलिए परिवार में बच्चा प्रश्न पूछे, तो उसे चुप कराने के बजाय सुनिए। समाज में कोई असहमत हो, तो पहले यह समझिए कि वह किस अनुभव से बोल रहा है। किसी की सफलता दिखाई दे, तो उसमें अपनी पराजय मत खोजिए। सबसे कठिन प्रश्न यही है, क्या मैं सचमुच संवाद कर रहा हूं या केवल अपनी बात की स्वीकृति मांग रहा हूं? क्योंकि संवाद का उद्देश्य सामने वाले को हराना नहीं, समझना है।

संबंध का उद्देश्य दूसरे को अपने जैसा बनाना नहीं, उसके अलग होने की जगह बनाना है।

नरेन्द्र मोदी- दृढ़ संकल्प, सशक्त नेतृत्व, दूरदृष्टा और सर्वांगीण विकास के प्रेरणादायक प्रतीक

मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की सीमाओं की रक्षा की बात करें तो आज देश के वीर योद्धाओं के हाथ दुश्मन पर कार्रवाई के लिए पूरी आजादी के साथ खुले हुए हैं, जिसकी बानगी देश व दुनिया के लोग नक्सल, आतंकियों, सर्जिकल स्ट्राइक व ऑपरेशन सिंदूर आदि में बखूबी देख चुके हैं, मां भारती के वीर सपूत अब बिना किसी दबाव के आतंकवादियों व नक्सलियों के जहरीले फन को निरंतर कुचल कर के सफाया करने का कार्य बखूबी कर रहे हैं।

(दीपक कुमार त्यागी)

भारत में लंबे समय तक लगातार केंद्र की सत्ता में रहने का कीर्तिमान बनाते हुए एक लोकप्रिय जननेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने की कार्यशैली के दम पर आधुनिक, सशक्त, शक्तिशाली नए भारत के एक ऐसे सफल शिल्पकार बन चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज विकास के पथ पर तेज़ी से अग्रसरित भारत, विकसित भारत बने के लिए सर्वांगीण विकास के कार्यों को धरातल पर मूर्त रूप देते हुए सफलता के नित-नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में तेज़ी से आर्थिक सुधार हो रहे हैं, मोदी ने देश में परिवर्तन लाने के लिए शहर, कस्बों से लेकर के गांव, दुर्गम दूरदराज के इलाकों तक में भी अब विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के अनवरत विकास का कार्य युद्ध स्तर पर चलवाने का कार्य कर रखा है। 21वीं सदी की आधुनिकता की दौड़ में एआई व डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में भारत दुनिया भर में अपना लोहा मनवाने का कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विज़न के दम पर स्वदेशी को तेज़ी से बढ़ावा देकर के भारत तेज़ी से आत्मनिर्भर बनने का मुकाम हासिल कर रहा है। देश में विश्वस्तरीय आधुनिक सड़क, सागर व नभ मार्ग विकास के नित-नए मार्ग खोल रहे हैं। देश के पास विश्वस्तरीय अत्याधुनिक हथियारों के जखीरे व सुविधाओं से सुसज्जित ट्रैंड सेना का पूरा बड़ा लावा लश्कर मौजूद है, जो दुश्मन देशों से घिरे होने के बाद भी देश की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने का कार्य बखूबी करता है। वैश्विक स्तर पर कूटनीति और देश की विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत होती स्थिति के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आधुनिक भारत का शिल्पकार माना जाता है।

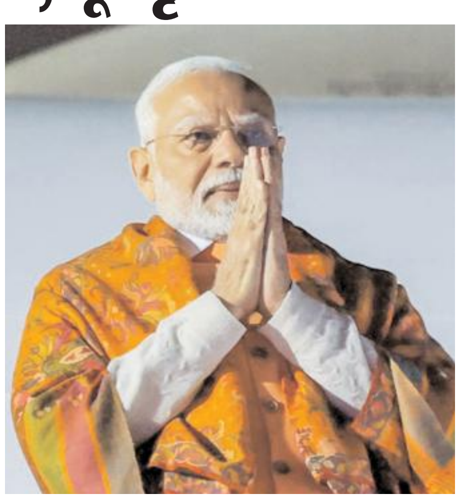

भारत में लंबे समय तक लगातार केंद्र की सत्ता में रहने का कीर्तिमान बनाते हुए एक लोकप्रिय जननेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने की कार्यशैली के दम पर आधुनिक, सशक्त, शक्तिशाली नए भारत के एक ऐसे सफल शिल्पकार बन चुके हैं, जिन्होंने आजादी के लगभग 7 दशकों का लंबा समय बीत जाने के बाद देश के दूरदराज, दुर्गम और सीमावर्ती इलाकों तक में भी विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का कार्य निरंतर शुरू कर रखा है, जो काबिले-तारीफ व अचंभित करने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनके कार्यकाल के दौरान देश में बड़े पैमाने पर धरातल पर नये भारत की परिकल्पना के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण का कार्य तेज़ी से हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का यह प्रयास आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव तैयार करने का कार्य बखूबी कर रहा है। देश में आधुनिक रेलवे स्टेशन, बंदरगाह, सड़क, रोपवे, एक्सप्रेस-वे, नेशनल हाईवे आदि जगह-जगह बन रहे हैं। पूरे देश में सड़क, हवाई, रेल व जल मार्ग से यात्रा व माल ढुलाई आदि की व्यवस्था को बहुत तेज़ी से विश्वस्तरीय बनाया जा रहा है। प्रवासीनेटवर्क जुड़ें

मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की सीमाओं की रक्षा की बात करें तो आज देश के वीर योद्धाओं के हाथ दुश्मन पर कार्रवाई के लिए पूरी आजादी के साथ खुले हुए हैं, जिसकी बानगी देश व दुनिया के लोग नक्सल, आतंकियों, सर्जिकल स्ट्राइक व ऑपरेशन सिंदूर आदि में बखूबी देख चुके हैं, मां भारती के वीर सपूत अब बिना किसी दबाव के आतंकवादियों व नक्सलियों के जहरीले फन को निरंतर कुचल कर के सफाया करने का कार्य बखूबी कर रहे हैं। पिछले लगभग 4 या 5 दशक से आतंक की आग में झुलस रहे जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन को कायम करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप अब वहां पर शांति है। धारा 370 को हटाकर के जम्मू-कश्मीर के निवासियों को दशकों से वंचित किए गए उनके हक को वापस दिया गया। वहीं देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसमें मुख्य रूप से देखा जाए तो जन धन योजना, कौशल भारत मिशन, मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, सांसद आदर्श ग्राम योजना, श्रमेव जयते योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, हृदय योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, उजाला योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री ज्योति ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, स्मार्ट सिटी योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, स्वर्ण मुद्रीकरण योजना, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना, उदय, स्टार्ट-अप इंडिया, सेतु भारतम योजना, स्टैंड अप इंडिया, ग्रामोदय से भारत उदय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, नमामि गंगे योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत योजना, आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना आदि जैसी योजनाएं चल रही हैं। यह योजनाएं हम भारतवासियों के जीवन स्तर में सुधार करते हुए उसे बेहतर बनाने कार्य कर रही हैं।

अपनी दमदार कार्यशैली के दम पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता की अदालत में लोगों की आशा व उम्मीद का सकारात्मक प्रतीक बन चुकें हैं, लोग मान रहे हैं कि मोदी के नेतृत्व में भारत का बहुत तेज़ी से सर्वांगीण विकास हो रहा है। मोदी सनातन धर्म के गौरवशाली इतिहास को संरक्षित करते हुए देश व दुनिया को उससे बखूबी रूबरू करवा रहा है। आज का शक्तिशाली नया भारत आत्मनिर्भरता, विकास और वैश्विक सम्मान की एक नई ऊंचाइयों को छूने का कार्य कर रहा है। मोदी के नेतृत्व में विकासशील भारत अब विकसित भारत की दिशा में तेज़ी से आगे कदम बढ़ रहा है। जब पूरी दुनिया युद्ध व मंदी की मार से ग्रस्त हैं उस वक्त भी मोदी के प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और दुनिया के ताकतवर देशों को पीछे छोड़ने का कार्य कर रही है, जो एक बहुत अच्छा संकेत है। आज भारत दुनिया के निवेशकों की पसंदीदा जगह बनता जा रहा है, भारत में अब विदेशी कंपनियों के बड़े-बड़े कल-कारखाने खुलने लगें हैं। आर्थिक स्तर के मोर्चे के साथ-साथ सामरिक स्तर पर भी अब तो दुनिया भारत का लोहा मानने लगी है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में भारत विकास के नित-नए आयाम स्थापित करने का कार्य कर रहा है, लोग भी बढ़े ही आत्म विश्वास के साथ गर्व से कह रहे हैं कि मोदी है तो मुमकिन है। (लेखक अधिवक्ता, स्वतंत्र पत्रकार, स्तंभकार व राजनीतिक विश्लेषक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आक्रोशित ग्रामीणों ने पंचायत भवन में जड़ा ताला

पंचायत सहायक व अकाउंटेंट को बनाया एक घंटे तक बंधक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। प्रखंड के नारायणपुर पंचायत के वार्ड संख्या 13 में बाढ़ पीड़ितों के बीच पॉलिथीन शीट का वितरण नहीं होने से ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीण पंचायत भवन पहुंच गए और पॉलिथीन शीट की मांग को लेकर हंगामा करते रहे। आक्रोशित ग्रामीणों ने इस दौरान पंचायत सहायक और महिला अकाउंटेंट को भी लगभग एक घंटे तक पंचायत भवन के अंदर रोक कर रखा। हंगामे की सूचना पंचायत सहायक ने वरीय अधिकारियों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सोनू गुप्ता,आरओ रामसागर पासवान और एसआई विजय कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पंचायत भवन पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद वार्ड सदस्य अनिल कुमार ऋषि की मौजूदगी में ग्रामीणों के साथ बातचीत

कर मामला शांत कराया गया। ग्रामीणों ने बताया कि वार्ड में बड़ी संख्या में परिवार बाढ़ से प्रभावित हैं। कई परिवारों के घरों में पानी प्रवेश करने के कारण रहने में परेशानी हो रही है। ऐसे परिवारों को बारिश और बाढ़ से बचाव के लिए पॉलिथीन शीट की जरूरत है। ग्रामीणों का आरोप था कि जरूरत के बावजूद उन्हें पॉलिथीन शीट उपलब्ध नहीं कराई जा रही थी। इसी को लेकर ग्रामीणों ने पंचायत भवन पहुंचकर विरोध जताया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को चिन्हित कर उनकी सूची तैयार की जाएगी। सूची के आधार पर जरूरतमंद परिवारों को पॉलिथीन शीट उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अधिकारियों ने पंचायत के मुखिया से भी समन्वय कर सूची के अनुसार शीट वितरण कराने की बात कही।बीपीआरओ सोनू गुप्ता ने कहा कि ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से सुना गया है। बाढ़ प्रभावित परिवारों की सूची तैयार कराई जाएगी। सूची के आधार पर जरूरतमंद परिवारों को पॉलिथीन शीट उपलब्ध कराने के लिए पंचायत स्तर से आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। आरओ रामसागर पासवान ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की वास्तविक स्थिति को देखते हुए सूची तैयार कराई जाएगी। पात्र परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाने के लिए पंचायत स्तर पर समन्वय किया जाएगा। वार्ड सदस्य अनिल कुमार ऋषि ने कहा कि वार्ड के कई परिवार बाढ़ से प्रभावित हैं। ग्रामीणों की मुख्य मांग प्रभावित परिवारों को जल्द पॉलिथीन शीट उपलब्ध कराने की है। इससे बारिश के दौरान उन्हें राहत मिलेगी।

औजारों और मशीनों की पूजा, गूंजे भगवान विश्वकर्मा के जयकारे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शिल्प एवं निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा की पूजा जिले भर में गुरुवार को परंपरागत उत्साह और भक्तिमय वातावरण में मनाई गई। कल-कारखानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, गैराज, वर्कशॉप सहित विभिन्न निजी एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान प्रतिष्ठानों में दिनभर चहल-पहल बनी रही।पूजा को लेकर विभिन्न स्थानों पर विशेष सजावट की गई थी। फूल-मालाओं, रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक सज्जा से पूजा स्थल को सुंदर रूप दिया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा कर प्रतिष्ठानों की सुख -समृद्धि, उन्नति और कार्यों में सफलता की कामना की। पूजा स्थलों पर वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति गीतों से माहौल भक्तिमय बना रहा। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर लोगों ने अपने कार्य में इस्तेमाल होने वाले औजारों, मशीनों, वाहनों एवं अन्य उपकरणों की साफ-सफाई कर उनकी भी पूजा की।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर बूथ बूथ जला 'आशीर्वाद का दीया'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई द्वारा पूरे जिले में 'सेवा, संकल्प और समर्पण' की भावना के साथ विभिन्न प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किए गए। जन्मोत्सव को केवल उत्सव तक सीमित न रखकर जनसेवा, राष्ट्रनिर्माण और ह्यविकसित भारतह्ल के व्यापक संकल्प से जोड़ा गया। इस दौरान कार्यकताओं और आम नागरिकों ने बूथ स्तर से लेकर प्रमुख स्थलों तक श्रद्धापूर्वक ह्यआशीर्वाद का दीयाह्ल प्रज्वलित किया।जिले के सभी मंडलों एवं मतदान केंद्रों बूथों पर भाजपा कार्यकताओं, समर्थकों तथा स्थानीय नागरिकों ने अपने-अपने घरों में दीप जलाकर प्रधानमंत्री जी के स्वस्थ,सुदीर्घ एवं यशस्वी जीवन की कामना की। दीपों की इस श्रृंखला के माध्यम से कार्यकताओं ने सेवा को जीवन का मूलमंत्र बनाने और राष्ट्रहित में निरंतर समर्पित रहने का संदेश दिया। जिला इकाई द्वारा कटिहार के 13 प्रमुख स्थानों पर विशेष रूप से दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में हवाई अड्डा क्षेत्र स्थित वार्ड संख्या 41 के शिव साईं हनुमान मंदिर परिसर में भव्य दीपोत्सव हुआ। यहाँ कार्यकताओं और नागरिकों ने एकत्रित होकर सामूहिक रूप से दीप जलाए और राष्ट्र की प्रगति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पूर्व विधान पार्षद राजवंशी सिंह, भाजपा

जिलाध्यक्ष मनोज राय, जिला कार्यक्रम संयोजक एवं जिला महामंत्री सौरभ कुमार मालाकार तथा महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका सिंह ने कार्यकताओं को संबोधित किया।वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का जन्मोत्सव मात्र बधाई देने का दिन नहीं, बल्कि जनभागीदारी, सामाजिक सरोकार और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को दोहराने का अवसर है। कार्यकताओं ने रेखांकित किया कि सेवा ही संगठन की वास्तविक शक्ति है और राष्ट्रसेवा ही भाजपा का सर्वोच्च संकल्प है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के बुनियादी ढांचे, तकनीकी प्रगति, आर्थिक आत्मनिर्भरता और वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते मान-सम्मान की चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

विश्वकर्मा पूजा का आयोजन

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के वातावरण में विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के वार्ड संख्या आठ सार्वजनिक विश्वकर्मा मंदिर मरंगी में धूमधाम के साथ पूजा पाठ कर पूजा का आयोजन कराया गया। इस मौके पर सार्वजनिक विश्वकर्मा मंदिर मरंगी के अध्यक्ष सोहन कुमार शर्मा ने बताया कि पूर्वजों से इस मंदिर में पूजा अर्चना की जा रही हैं। पहले यहां पर हर वर्ष प्रतिमा स्थापित कर पूजा पाठ किया जाता था विगत कई वर्षो से यहां पर विश्वकर्मा भगवान की प्रतिमा संगमरमर का स्थापित किया गया हैं। हर वर्ष कमेटी के सदस्यों की उपस्थिति में 17 सितंबर को धूमधाम के साथ पूजा अर्चना की जाती हैं एवं भक्तों के बीच प्रसाद का भी वितरण किया जाता हैं। इस पूजा में ग्रामीणों का पूरा सहयोग रहता हैं। इस अवसर पर कमेटी के सदस्य रोहित कुमार शर्मा,राजेश कुमार शर्मा,आनंद कुमार शर्मा,गोपाल शर्मा,कृष्णा शर्मा,राजू कुमार शर्मा,उत्तम कुमार शर्मा,अनिल कुमार शर्मा, नवल कुमार शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

एक ही रात सात घरों में चोरी

बरारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बरारी थाना क्षेत्र की लक्ष्मीपुर पंचायत के बड़ी भैंसदीरा वार्ड 16 में गुरुवार रात चोरों ने एक के बाद एक सात घरों को निशाना बनाया। खपरैल के घरों का टाट तोड़कर चोर अंदर घुसे और नकदी, जेवरात व अन्य सामान लेकर फरार हो गए। सुबह जब परिवार के लोगों की नींद खुली तो घर का सामान बिखरा पड़ा था। चोरी की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया।चोरी की घटना उमेश कुमार सिंह, कृष्णदेव मेहता, विष्णुदेव मेहता, सत्तो मेहता, धप्पु मेहता, दिनेश मेहता और श्रीराम मेहता के घर हुई। उमेश कुमार सिंह ने थाने में दिए आवेदन में बताया कि उनके घर से दो सोने के मंगलसूत्र, दो सोने के टीके, तीन सोने की अंगूठियां, दो जोड़ी चांदी की पायल, 10 चांदी के सिक्के, दो चांदी के कटोरे, दो चांदी के चम्मच, 80 हजार रुपए नकद और जरूरी दस्तावेज चोरी हुए हैं। वहीं कृष्णदेव मेहता के घर से पुश्तैनी जेवर और 10 हजार रुपए नकद चोरी होने की बात आवेदन में कही गई है।सुबह परिवार के लोगों ने देखा कि घर के उत्तर हिस्से का टाट टूटा हुआ था। घर के बाहर बैग, अटैची, ट्रॉली बैग, ट्रंक और गुल्लक समेत कई सामान बिखरे पड़े थे। चोरों ने कई सामानों के ताले भी तोड़ दिए थे। पीड़ित परिवारों के अनुसार कुछ घरों में सो रहे लोगों के कमरों के दरवाजे चोरों ने बाहर से बंद कर दिए थे। दिनेश मेहता और श्रीराम मेहता के घर में चोरी का प्रयास किया गया। इसी दौरान एक महिला की नींद खुल गई। महिला के जागने की भनक लगते ही चोर पीछे की दीवार से भाग निकले। थानाध्यक्ष सुमेश कुमार ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टोटो पलटने से एक महिला सहित दो घायल

आजमनगर/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आजमनगर पैगवान रोड पर पीर मजार के पास एक टोटो पलट जाने से टोटो में सवार एक महिला तथा एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों की मदद से उक्त लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार 40 महिला लाखो देवी(40) तथा राजकुमार शर्मा (25) पिता देवीलाल शर्मा पैगवान गांव अपने रिश्तेदार के यहां गए थे। दोनों दौलताबाद गांव के रहने वाले बताऐ जा रहे हैं।घर लौटते समय पैगवान गांव के निकट पीर मजार कब्रिस्तान के पास टोटो पलट जाने से गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर में प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति की नजाकत को देखते हुए डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल कटिहार रेफर कर दिया है। उधर दूसरी ओर आजमनगर चांदपुर रोड पर चांदपुर ढाला के पास एक बकरी बचाने के चक्कर में बाइक चालक सड़क किनारे गिर जाने से बुरी तरह से जख्मी हो गया। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बाइक चालक को जख्मी हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर में भर्ती कराया गया।

स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता देने की बात

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता देने की बात कहते हुए समाजसेवी सह आयकर विधिवेता मिथिलेश कुमार झा ने क्षेत्र के विकास और विभिन्न वर्गों की समस्याओं को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने प्रेसवार्ता आयोजित कर कहा कि कोसी क्षेत्र के कई जिलों की लगातार उपेक्षा हुई है। पिछले 30 वर्षों में मधेपुरा रेल फैक्ट्री को छोड़कर कोई बड़ा उद्योग नहीं लगाया गया।कटिहार का जूट मिल, सहरसा का बैजनाथपुर पेपर मिल एवं पूर्णिया का प्लाईवुड तथा सुपौल-अररिया क्षेत्र के उद्योग बंद हो चुके हैं। इससे युवाओं के समक्ष रोजगार का संकट बढ़ा है। श्री झा ने कहा कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता और धांधली के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन में छात्रों के साथ वह भी रहे और आगे भी उनके मुद्दों को उठाते रहेंगे। वित्त अनुदानित शिक्षकों एवं कर्मचारियों के वेतन का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा वेतन देने की बात कही गई है, लेकिन इस संबंध में कैबिनेट निर्णय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि निर्णय होने पर वह सरकार का धन्यवाद करेंगे और निर्णय नहीं होने की स्थिति में शिक्षकों के लिए आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने पत्रकारों के मुद्दे पर भी आवाज उठाने की बात कही। पूर्णकालिक संवाददाताओं को सम्मानजनक वेतन दिलाने तथा अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने की मांग की। साथ ही युवा अधिवक्ताओं के लिए मासिक स्टाइपेंड की सरकारी योजना की शर्तों में सुधार की आवश्यकता जताई। स्वास्थ्य व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि कोसी क्षेत्र में कई स्वास्थ्य उपकेंद्र और केंद्र हैं, लेकिन बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में लोगों को बड़े शहरों में इलाज कराना पड़ता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ता है। मौके पर छात्र नेता राम कश्यप, किसान नेता दिलीप विश्वास, अभिषेक सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रतिमा विसर्जन कर विश्वकर्मा पूजा का समापन

डंडखोरा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार को विश्वकर्मा पूजन की धूम रही। वैदिक मंत्र, भक्तिगीत,भजन-कीर्तन से देर रात तक हर गांव एवं गलियां गुंजायमान रहे।वाहन चालक, मशीन के सहारे जीविका चलाने वाले अन्य एवं औद्योगिक कर्मियों ने देवशिल्पी विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर अपने रोजगार को लाभकारी बनाये रखने की प्रार्थना की।इस दौरान वाहन परिचालन व्यवसाय के लोगों सहित मशीन एवं औजार से रोजगार चलाने वाले लोगों में काफी श्रद्धा का माहौल रहा।लोग वाहनों को सतक पर लाने से परहेज किया।वहीं औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अन्य क्रियाकलाप बंद रहे।

कृषि विस्तार गतिविधियों को गति देने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में आत्मा शासी परिषद की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त डॉ. नेहा कुमारी और अनुमंडल पदाधिकारी सूरज कुमार मौजूद रहे।जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक आत्मा राजीव कुमार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में आत्मा योजना के तहत प्राप्त भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित लक्ष्यों, सितंबर तक हुई प्रगति और आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी गई। जिला पदाधिकारी आशुतोष

द्विवेदी ने आत्मा की गतिविधियों को और प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कृषि तकनीकों के प्रसार, वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए कृषि विस्तार गतिविधियों को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने किसान प्रशिक्षण, कृषक भ्रमण और किसान-वैज्ञानिक संवाद को गति देने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचाने का निर्देश दिया। कृषि के साथ उद्यान, पशुपालन और मत्स्य पालन क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने तथा निर्धारित समय-सीमा में योजनाओं के शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने को कहा। बैठक में उप परियोजना निदेशक दीक्षा कुमारी, शशि कांत झा सहित आत्मा शासी परिषद के सरकारी व गैर -सरकारी सदस्य, प्रगतिशील किसान एवं कृषि विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गेराबाड़ी फुलडोभी मोड़ पर 6.88 ग्राम संदिग्ध स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढा (कटिहार)। कोढ़ा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नगर पंचायत क्षेत्र के गेराबाड़ी फुलडोभी मोड़ के पास एक युवक को 24 पुड़िया संदिग्ध स्मैक जैसे पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद पदार्थ का कुल वजन 6.88 ग्राम बताया गया है। पुलिस ने संदिग्ध मादक पदार्थ को विधिवत जब्त करते हुए गिरफ्तार युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार को गुप्त सूचना मिली थी कि गेराबाड़ी फुलडोभी मोड़ के समीप एक व्यक्ति संदिग्ध मादक पदार्थ के साथ मौजूद है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए कोढ़ा थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद युवक को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से कुल 24 पुड़िया में रखा संदिग्ध स्मैक जैसा पदार्थ बरामद हुआ। बरामद पदार्थ का वजन करने पर कुल 6.88 ग्राम पाया गया।गिरफ्तार युवक की पहचान फलका थाना क्षेत्र के कुमोद यादव के पुत्र अंकित कुमार (21) के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद संदिग्ध मादक पदार्थ को नियमानुसार जब्त कर लिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आरोपी से पूछताछ सहित आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुटी है।

श्रम कल्याण दिवस पर श्रमिकों के हितों को लेकर चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित कर श्रमिकों के हितों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कमलेश सिंह देव, मुख्य न्याय संरक्षक विजय कुमार श्रीवास्तव,श्रम आयुक्त अतिथि के रुप में शामिल होकर श्रमिकों के कल्याण को लेकर सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी।कार्यक्रम में श्रमिक संगठनों से जुड़े विकास सिंह, अर्जुन यादव के साथ जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये श्रमिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से श्रमिक के समस्या एवं उसके

समाधान पर विस्तार से चर्चा हुई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दी जा रही विधिक सेवा योजना 2015 तथा डीएएस एलए द्वाराअसंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को उनके हित एवं विधि सहायता के बारे में विस्तार से बताया। वहीं श्रमिकों द्वारा श्रम संसाधन केन्द्र एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग द्वारा श्रमिक हित में संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। श्रम अधीक्षक पिटर मिंज ने श्रमिकों एवं उनके नेताओं को भी केन्द्र संबंधित विभिन्न अधिनियमों की जानकारी दी।कार्यक्रम के सफल संचालन में सभी श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारियों की भूमिका अहम रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर फैन ने निःशुल्क चाय पिलाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन-जन के नेता है । आम और खास हर कोई उनके लिए विशेष सम्मान और स्नेह रखते हैं। वैसे तो देश भर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर अलग-अलग स्तर पर कई कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। लेकि उनके जन्मदिन के अवसर पर कटिहार से उनके एक फैन से मिलवाते हैं। यह जवाहर भगत है जो कटिहार मेडिकल कॉलेज मोड पर चाय दुकान चलाते हैं। उनकी पहचान पहले से ही नरेंद्र मोदी के खास फैन के रुप मे रहा है। और अब जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 76 वा जन्मदिन हैं तो उनका ये फैन अपने चाय दुकान के तरफ से पहले 76 कप

चाय लोगों को फ्री में पिलाकर अपने प्रधानमंत्री के लंबी आयु और अच्छे सेहत की कामना किये ।राजनीति में कम रुचि रखने वाले जवाहर जी कहते हैं विपक्ष या कोई भी नरेंद्र मोदी पर जो भी आरोप लगाए उनको इन आरोपों से कोई मतलब नहीं है। उन्हें पता है देश के प्रधानमंत्री कई कल्याणकारी योजनाएं चला रहे हैं ।जिससे उन जैसे गरीबों को बहुत मदत मिला है। वह कहते हैं वैसे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद का परिचय देश के सामने चाय वाले के रूप में रखते हुए राजनीति के शिखर तक पहुंचे हैं । जो हर चाय वाले को प्रेरित करता है। इसलिए अगर वह देश के चाय वाले के लिए कुछ खास करें तो अच्छा लगेगा और नहीं भी करें तो वह हर हाल में अपने प्रधानमंत्री से संतुष्ट है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर कटिहार के उनके इस खास चाय वाला फैन जवाहर भगत औ उनके यहां चाय दुकान में चाय पीने आए लोगों से बातचीत भी किये।

जीआर राशि नहीं मिलने पर बाढ़ पीड़ितों ने प्रशासन से लगाई गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। नगर क्षेत्र के वार्ड संख्या-1 स्थित नया टोला के कुछ बाढ़ पीड़ित परिवारों को जीआर ग्रैच्युटस रिलीफ की राशि नहीं मिलने पर उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई। बाढ़ पीड़ित रिंकू देवी पति सज्जन सिंह, भगवती देवी, अनिरुद्ध यादव, मोसमात सुशीला देवी पति स्व. जनार्दन तिवारी, चक्रपाणी आचार्य और शीतांशु ने जीआर राशि से वंचित रहने की शिकायत करते हुए आवेदन दिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद आरओ रामसागर पासवान ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आवेदनों की जांच कर स्थिति स्पष्ट की।आरओ रामसागर पासवान ने बताया कि वार्ड-1 के कुछ बाढ़ पीड़ितों ने

जीआर राशि नहीं मिलने को लेकर आवेदन दिया था। आवेदनों की जांच के बाद पाया गया कि दो लाभुकों के बैंक खाते में केवाईसी पूरी नहीं होने के कारण राशि का भुगतान नहीं हो सका है। वहीं एक लाभुक के खाते में राशि भेजी जा चुकी है। दो नए आवेदन भी प्राप्त हुए हैं। इन आवेदनों पर पोर्टल दोबारा खुलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। समाजसेवी रविंद्र यादव ने कहा कि नगर क्षेत्र सहित पूरे अनुमंडल में बड़ी संख्या में बाढ़ पीड़ित ऐसे हैं, जिन्हें अब तक जीआर राशि नहीं मिल पाई है।

वार्ड 28 का नगर आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण, दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम कटिहार के नगर आयुक्त संतोष कुमार ने शुक्रवार को वार्ड संख्या 28 में साफ-सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया तथा सफाई कार्य को बेहतर एवं नियमित बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड संख्या 28 के पार्षद प्रतिनिधि राजू मांझी एवं स्वच्छता प्रभारी कैलाश नारायण चौधरी भी मौजूद रहे। नगर आयुक्त श्री कुमार ने संबंधित कर्मियों को क्षेत्र में नियमित सफाई, कचरे के समुचित उठाव तथा स्वच्छता व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया।नगर आयुक्त ने कहा कि शहर की स्वच्छता

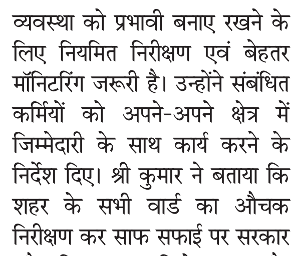

व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण एवं बेहतर मॉनिटरिंग जरूरी है। उन्होंने संबंधित कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्र में जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। श्री कुमार ने बताया कि शहर के सभी वार्ड का औचक निरीक्षण कर साफ सफाई पर सरकार और विभाग का विशेष नजर है। जगह- जगह कचरा फेंकने वालों पर भी निगम का विशेष नजर है। चेतावनी देने के बाद जुमार्ना लगाया जा सकता है। इसलिये आमजन भी सहयोग कर अपनी बेहतर भूमिका निभा सकते हैं।

समाज कल्याण विभाग की ओर से विशेष शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। समाज कल्याण विभाग गरीब, वंचित एवं जरुतमंद के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने को सतत प्रयत्नशील रहता है। विभाग की ओर से शुक्रवार को सदर प्रखंड कार्यालय परिसर में एक विशेष शिविर आयोजित किया गया। जिसमें जिला समाजिक सुरक्षा कोषांग एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग की ओर से लाभुकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभ दिया गया। इस कार्यक्रम में सदर विधायक सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद,जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी तथा वरीय उप समाहर्ता अभिषेक रंजन अतिथि के रुप में शामिल रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के अन्तर्गत 9 दिव्यांगजनों, 7 विधवा महिलाओं, 10 वृद्धजनों को पेंशन स्वीकृति पत्र

प्रदान किया। वहीं शिविर के दौरान अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के 05 एवं मुख्यमंत्री निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना के 01 लाभुक भी लाभान्वित किये गये। दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग की ओर से 18 लाभुकों को सहायक उपकरण, 01 लाभुक को बैट्री चालित ट्राइसाईकल का भी वितरण किया गया। तो सक्षम,समाज कल्याण विभाग बिहार की "उज्जवल दृष्टि योजना" अन्तर्गत 03 लाभुकों को चश्मा प्रदान किया गया।विभिन्न योजनाओं के लाभान्वित लाभुकों के चेहरे पर प्रसन्नता देखी गई।शिविर का संचालन सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग - सह-जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग श्रीमति यशस्वी ने की तो सचिव कोशी क्षेत्रीय, वृद्ध, विधवा विकलांग समिति शिव शंकर रमाणी के साथ बुनियाद केन्द्र एवं सामाजिक सुरक्षा कोषांग के कर्मी मुख्य रुप से उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

जज अमोघ कलोती के पास है टाटा विवाद की चाबी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप में कोहराम मचा हुआ है। 125 अरब डॉलर के इस ग्रुप पर कंट्रोल को लेकर ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस और उसके सबसे बड़े शेयरहोल्डर टाटा ट्रस्ट्स आमने-सामने हैं। टाटा ग्रुप के इस विवाद की चाबी महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर अमोघ कलोती के पास है। कलोती ने ही मई 2026 में वेणु श्रीनिवासन की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सर रतन टाटा ट्रस्ट को बोर्ड मीटिंग करने से रोका और उन ट्रस्टों के कामकाज की जांच का आदेश दिया। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टीओआई की

एक रिपोर्ट के मुताबिक अमोघ कलोती कानून और न्याय विभाग के तहत काम करते हैं। महाराष्ट्र के कानूनी हलकों के बाहर शायद ही किसी को उनके बारे में पता था। वह फरवरी 2024 में महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर नियुक्त किए गए और लो प्रोफाइल वाले जिला जज अब देश की सबसे हाई-प्रोफाइल कॉर्पोरेट लड़ाई में शामिल हो गए हैं। पेशे से वकील और अब नौकरशाह के तौर पर काम कर रहे 50 वर्षीय कलोती अमरावती के रहने वाले हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई अमरावती से पूरी की और जिला एवं सत्र न्यायालय में वकील के तौर पर प्रैक्टिस की। वकील और जज दोनों ही भूमिकाओं में उन्हें शांत स्वभाव का, सोच-समझकर बोलने वाला और नियमों का सख्ती से पालन करने वाला माना जाता था। कलोती को 2013 में जिला और सहायक सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। उन्होंने बुलढाणा में जिला न्यायाधीश, मुंबई में सिटी सिविल और सत्र न्यायालय और छत्रपति संभाजीनगर में सत्र न्यायालय में काम किया। उन्हें वाशिम में प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश के रूप में तैनात किया गया था। कलोती ने के कॉल और टेक्स्ट संदेशों का जवाब नहीं दिया।

पैसे लगाने की होड़, सिर्फ 6 महीने में 30 प्रतिशत तक का बंपर रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इस दौरान लोगों ने अपना रुख म्यूचुअल फंड की ओर की है। हाल ही में एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया यानी कि अगस्त 2026 के लिए आए डेटा ने एक बड़ी जानकारी दी थी। आंकड़ों में बताया गया था कि अगस्त में म्यूचुअल फंड की 11 सब-कैटेगरी में सबसे अधिक पैसा 7973 करोड़ रुपये में लगाया गया है। मतलब कि इसमें पैसे लगाने के लिए निवेशकों की होड़ देखी गई। इन आंकड़ों के बाद से निवेशकों की नजर स्मॉल कैप फंड्स की एसआईपी पर ज्यादा दिख रही है। इस बीच हम यहां कुल 4 ऐसे इक्विटी स्मॉल कैप फंड्स की बात कर रहे हैं, जिन्होंने सिर्फ 6 महीने में 20 फीसदी से लेकर के 30 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। आइए इनके बारे में जानते हैं। सबसे पहले बंधन स्मॉल कैप फंड की बात करेंगे। यह इक्विटी स्मॉल कैप का म्यूचुअल फंड है। आंकड़ों के अनुसार, इसने बीते 6 महीने में अपने पात्र निवेशकों को 23.7 फीसदी का रिटर्न दिया है। अब बात इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप की। इसने बीते 6 महीने में अपने निवेशकों को 25 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं, निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप ने बीते 6 महीने में 20.3 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। अब बात क्वांट स्मॉल कैप फंड की। इसने अपने पात्र निवेशकों की बंपर कमाई कराई है। बीते 6 महीने में क्वांट स्मॉल कैप से निवेशकों को 30.6 प्रतिशत का बंपर रिटर्न मिला है। उदाहरण से समझिए, किसी ने 10 हजार रुपये की हर महीने की एसआईपी 6 महीने तक की है और उसको इसपर 30.6 फीसदी का रिटर्न मिलता है। इस हिसाब से उसका कुल रिटर्न मेच्योरिटी सहित करीब 65,500 रुपये से अधिक होगा। इसमें उसे 5500 से अधिक का लाभ मिलेगा।

क्रूड ऑयल और गैस निकालने वाली आयल इंडिया अब 'गोबर गैस' भी बनाएगी

नोएडा, एजेंसी। ऑयल सेक्टर की महारत्न कंपनी का नाम तो सुना ही होगा। यह केंद्रीय पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मिनिस्ट्री के तहत काम करती है। कंपनी ने ऑयल एवं गैस सेक्टर में अपनी भागीदारी बढ़ाने के लिए बड़ी योजना बनाई है। साथ ही ग्रीन एनर्जी की दिशा में भी बड़ा कदम उठा रही है। कंपनी ने देश भर में कम से कम 25 सीबीजी प्लांट लगाने का फैसला किया है। इनमें से दो प्लांट दिल्ली में एवं 4 प्लांट हरियाणा में लगेंगे। ऑयल इंडिया लिमिटेड का गुरुवार को 67वीं आम बैठक थी। इस दौरान कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रणजीत रथ ने शेयरहोल्डर्स को अगले तीन साल के दौरान होने वाले निवेश की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी अगले तीन वर्षों के दौरान देश में ऑफशोर डीप और अल्ट्रा-डीप ब्लॉकों की खोज में करीब 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस समय कंपनी कई ऑनशोर और ऑफशोर सेडिमेंटरी बेसिन्स में काम कर रही है। इसका ऑफशोर पोर्टफोलियो अब अंडमान, कृष्णा-गोदावरी, महानदी

और केरल-कोंकण बेसिन्स में फैला है। इनमें अल्ट्रा-डीपवाटर ब्लॉक भी शामिल हैं, जहां सतह से 6,000 मीटर नीचे से ऑयल निकाला जाता है।

शेयर का क्या है भावन शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स सुबह करीब 300 अंक बढ़ कर खुला था। ऑयल इंडिया के शेयर भी सुबह बढ़ कर खुले थे। लेकिन यह बढ़त बरकरार नहीं रह सकी। गुरुवार को इसके शेयर बीएसई में 477 रुपये पर बंद हुए थे। शुक्रवार की सुबह यह बढ़ कर 478.95 रुपये पर खुले लेकिन बिकवाली क बीच यह 473.50 रुपये तक टूट गए। दिन में 10:48 बजे यह 2.65 रुपये गिर कर 474.35 रुपये पर ट्रेड हो रहे थे।

25 सीबीजी प्लांट लग रहे हैं

उन्होंने बताया कि इसी योजना के तहत 25 सीबीजी प्लांट लगाए जा रहे हैं। रथ ने बताया कि हर प्लांट में 150 से 180 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इनमें से 7-8 प्लांट ओडिशा में, 5 प्लांट असम में, 4 प्लांट हरियाणा में और 2 कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट दिल्ली में बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से दो प्लांट तो काफी एडवांस लेवल पर पहुंच गए हैं। शीघ्र ही इसे चालू कर दिया जाएगा। दिल्ली में जो दो सीबीजी प्लांट लगाने का मन बनाया है, उसके लिए फीडस्टॉक म्यूनिसिपल वेस्ट होगा। रथ ने बताया कि दिल्ली के प्लांट के लिए म्यूनिसिपल वेस्ट के लिए दिल्ली नगर निगम से करार किया गया है। साथ ही पड़ोसी राज्य हरियाणा के फरीदाबाद, गुड़गांव, हिसार और अंबाला/कुरुक्षेत्र में एक-एक प्लांट लगाने की योजना है। सीबीजी प्लांट में हर रोज करीब 1500 टन म्यूनिसिपल वेस्ट की आवश्यकता होगी। इसलिए पहले से करार किया जा रहा है। रथ ने बताया कि कंपनी साल 2040 तक नेट-जीरो कार्बन एमिशन कंपनी बनने का लक्ष्य रखा है। इसे हासिल करने के अपने विजन के हिस्से के रूप में, कंपनी ने कहा कि वह ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के माध्यम से अपने क्लीन-एनर्जी पोर्टफोलियो का निर्माण कर रही है। इनमें जिसमें कम्प्रेस्ड बायोगैस इंटीग्रेटेड और वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट्स, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य लो-कार्बन अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

यूपीआई पर चार्ज लगाने के पक्ष में आई भारत पे

विपक्षी पार्टियां, व्यापारी संघ और रिटेलर्स इसका विरोध कर रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीआई पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाने के सरकार के फैसले पर घमासान मचा हुआ है। विपक्षी पार्टियां, व्यापारी संघ और रिटेलर्स इसका विरोध कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने साफ कर दिया है कि यह फैसला किसी भी सूरत में वापस नहीं लिया जाएगा। सरकार का तर्क है कि यह कोई टैक्स नहीं है, बल्कि यूपीआई इकोसिस्टम को टिकाऊ बनाने का माध्यम है। यह चार्ज केवल मर्चेंट्स पर है और ग्राहकों से किसी भी प्रकार का चार्ज नहीं लिया जाएगा।

इस बीच देश की सबसे बड़ी फिनटेक कंपनियों में से एक ने भी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के फ्रेमवर्क का समर्थन किया है। कंपनी का कहना है कि इस कदम से एक मजबूत और सस्टेनेबल पेमेंट इकोसिस्टम बनेगा।

क्या होगा फायदा

नलिन नेगी ने कहा, 'नया फ्रेमवर्क साबित करता है कि ग्राहकों के लिए फ्री बना रहेगा। साथ ही एक सस्टेनेबल, मजबूत और बेहतर पेमेंट इकोसिस्टम भी बनेगा। ग्राहक पेमेंट के लिए कोई चार्ज नहीं देंगे। साथ ही फ्रेमवर्क के तहत छोटे और माइक्रो मर्चेंट जीरो के साथ सुरक्षित रहेंगे।' नेगी ने के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि लगभग 96 प्रतिशत पर्सन-टू-मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमेशा से छोटे व्यापारियों का समर्थक रहा है और हम इस नजरिए का पुरजोर समर्थन करते हैं जो उन्हें सुरक्षित रखता है और साथ ही उस इकोसिस्टम को भी मजबूत करता है जिस पर वे निर्भर हैं। नया फ्रेमवर्क साबित करता है कि ग्राहकों के लिए फ्री बना रहेगा। साथ ही एक सस्टेनेबल, मजबूत और बेहतर पेमेंट इकोसिस्टम भी बनेगा। ग्राहक पेमेंट के लिए कोई चार्ज नहीं देंगे।

कंपनी की सफाई

प्रवक्ता ने कहा, 'ग्रोवर का 2024 से कोई संबंध नहीं है और वे न तो शेयरहोल्डर हैं और न ही किसी भी तरह से कंपनी से जुड़े हैं। इसलिए ग्रोवर के किसी भी बयान या विचार को कंपनी से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। फ्रेमवर्क और डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम पर हमारी राय हमारी मौजूदा लीडरशिप और अधिकृत प्रवक्ताओं द्वारा ही रखी जाती है।' हालांकि कंपनी के को-फाउंडर और पूर्व सीइओ अश्नीर ग्रोवर ने इसकी कड़ी आलोचना करते हुए दावा किया है कि इसका बोझ आखिरकार ग्राहकों पर ही पड़ेगा।

मुख्य रूप से फिजिकल स्टोर वाले व्यापारियों के लिए क्यूआर-कोड-आधारित पेमेंट सॉल्यूशन और फाइनेंशियल सर्विस पर ध्यान केंद्रित करता है। इसकी स्थापना 2018 में अश्नीर ग्रोवर और शाश्वत नकरानी ने की थी। अश्नीर ग्रोवर ने 2022 में कंपनी छोड़ दी थी जबकि नकरानी ने भी इसी साल भारतपे के सीओओ पद से इस्तीफा दिया था। अश्नीर ग्रोवर ने 2,000 से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर एमडीआर लगाने के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने तर्क दिया कि पेमेंट पर लगाए जाने वाले किसी भी शुल्क को साफ तौर पर 'टैक्स' कहा जाना चाहिए। हालांकि भारतपे ने यह साफ किया कि एमडीआर पर ग्रोवर के विचार कंपनी की राय नहीं है। साथ ही फ्रेमवर्क के तहत छोटे और माइक्रो मर्चेंट जीरो के साथ सुरक्षित रहेंगे।

कम पैसे पर बड़ा फायदा! 3 करोड़ रुपये का टर्म इंश्योरेंस

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की कई सारी बीमा कंपनियां कई प्रकार की बीमा सुविधा देती हैं। मेडिकल इंश्योरेंस से लेकर लाइफ इंश्योरेंस तक, वाहनों के बीमा से लेकर पूरे परिवार के बीमा तक। इस दौरान लोग सस्ते प्रीमियम में बंपर पैसे वाले बीमा की ओर रुख अधिक करते हैं। इस बीच हम 3 करोड़ रुपये के टर्म इंश्योरेंस की बात कर रहे हैं। टर्म इंश्योरेंस जिसमें कम प्रीमियम पर अच्छा-खासा पैसा या जीवन बीमा कवर की सुविधा मिलती है। यह बीमा एक शुद्ध जीवन बीमा प्लान है। टर्म इंश्योरेंस में बीमित व्यक्ति की मृत्यु के बाद बीमा की पूरी राशि उसके नॉमिनी को दे दी जाती है। आइए अब जानते हैं कि 3 करोड़ रुपये के बीमा के लिए कौन सा प्लान है और हर महीने आपको कितने रुपये का प्रीमियम भरना होगा। इंश्योरेंस पर लगने वाले मासिक प्रीमियम की बात करेंगे। इसके लिए हम प्लान के बारे में जानेंगे। पीएनबी मेटलाइफ देश की एक इंश्योरेंस कंपनी है। यह कई प्रकार की बीमा सुविधा देती है। इनमें से एक सुविधा 3 करोड़ रुपये के टर्म इंश्योरेंस की भी है। कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, आप जितनी जल्दी यानी कि कम उम्र में बीमा लेते हैं, उतना ही कम आपको प्रीमियम भरना होता है।

उदाहरण के लिए, अगर आप 25 वर्ष की उम्र में 3 करोड़ रुपये का टर्म इंश्योरेंस कराते हैं तो इसके लिए आपको हर महीने 1200 रुपये का प्रीमियम देना होता है। मतलब कि कंपनी के इस 3 करोड़ रुपये के टर्म इंश्योरेंस के प्रीमियम की शुरुआत 1200 रुपये से होती है। सभी बातें कंपनी की नियम और शर्तों के साथ आपकी पात्रता पर निर्भर करती हैं।

देश को विकसित अर्थव्यवस्था, हर भारतीय के जीवन को बेहतर बनाना चाहते हैं पीएम

नईदिल्ली, एजेंसी। मुझे लगने लगा था कि भारत का अपना पहला ग्रीन-फील्ड शहर बनाने का सपना शायद ही सच हो पाए। उस समय मैं दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर विकास कॉरपोरेशन का सीईओ था और मुझे भारत के औद्योगिक शहरीकरण के अगले चरण को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। हर मुख्यमंत्री ने हमारे प्रस्ताव को यह कहकर ठुकरा दिया था कि ऐसी परियोजना के लिए 150 वर्ग किमी जमीन तय करना बहुत जोखिम भरा और मुश्किल काम है। फिर मैं गुजरात के सीएम ऑफिस पहुंचा। तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी ने मेरी बात सुनी, पांच मिनट तक सोचा और फिर बोले, '150 वर्ग किमी तो बहुत कम है। सपना देखना है, तो बड़ा देखो।'

उन्होंने 750 वर्ग किमी जमीन देने की पेशकश की। 2009 तक गुजरात सरकार ने विशेष निवेश क्षेत्र एक्ट लागू कर दिया और मास्टर प्लान के साथ धोलेरा की आधिकारिक घोषणा कर दी। उस पहली बातचीत से मुझे उनकी सोच के दायरे का पता चला। वह गुजरात और समय के साथ पूरे भारत के लिए विकास का एक नया इंजन बनाने की संभावना देख रहे थे। मेरे करियर में मिले वह सबसे दूरदर्शी और भविष्य की सोच रखने

वाले नेताओं में से एक हैं।

इसके कुछ समय बाद मैंने दो वाइब्रेंट गुजरात समिट में हिस्सा लिया और एक विकसित, गतिशील और विश्व-स्तरीय राज्य बनाने के लिए उनके जबरदस्त जुनून को देखा। वह चाहते थे कि गुजरात भारत का सबसे आधुनिक राज्य बने। साल 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, तो औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) के सचिव के तौर पर मैं उन शुरुआती अधिकारियों में से एक था, जिन्होंने उनके सामने प्रेजेंटेशन दिया। विश्व बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में भारत को 142वें स्थान पर देखकर वह काफी निराश हुए। उन्होंने हमसे एक ही मिशन पर ध्यान देने को कहा- भारत को अपने नागरिकों और व्यवसायों के लिए ज्यादा आसान, सरल और बेहतर बनाना। इस तरह अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों में कड़ी मेहनत का दौर शुरू हुआ। हमने इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड, जीएसटी पर काम किया और पुराने नियमों, कानूनों, प्रक्रियाओं व अधिनियमों को हटाने पर भी फोकस किया। आखिरकार, भारत रैंकिंग में 79 स्थान ऊपर आ गया।

इसके कुछ ही वक्त बाद हमने मेक इन इंडिया पर प्रधानमंत्री के सामने कई प्रस्तुतिकरण दिए। उन्हें पूरा भरोसा था कि अगर भारत को विनिर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़ना है, तो उसे रोजगार पैदा करना होगा, खुशहाली लानी होगी और तेजी से विकास करना होगा। मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर ऑटोमोबाइल, ईवी, दवाओं, रक्षा उपकरण, सोलर मॉड्यूल, टेलिकॉम और इंजीनियरिंग के सामानों तक- आज यह सोच कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विनिर्माण क्षमता के रूप में फैल चुकी है। पीएम मोदी युवा भारतीयों को उद्यमी बनाने के लिए भी उतने ही दृढ़ हैं। जब स्टार्टअप इंडिया अभियान शुरू हुआ, तो भारत में केवल 356 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप थे। आज यह संख्या तीन लाख से ज्यादा हो चुकी है।

पीएम मोदी के लिए संभावनाओं की कोई सीमा नहीं। वह तकनीक की गहरी समझ रखने वाले नेताओं में से एक हैं। ऐसी नीतियां बनाने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, जिससे भारतीय उद्यमी आगे बढ़ सकें।

दोस्त का इंटरव्यू दिलाने गए थे, नौकरी खुद को मिल गई

नई दिल्ली, एजेंसी। 3000 रुपये की नौकरी, किंडरगार्टन का छोटा कमरा और फिर हजारों करोड़ की कंपनी... यह कहानी है पीयूष सोमानी की, जिन्होंने बेहद साधारण शुरुआत के बावजूद टेक्नोलॉजी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई। एक समय पीयूष अपने दोस्त को जॉब का इंटरव्यू दिलाने गए थे, लेकिन खुद को नौकरी मिल गई। बाद में उन्होंने बिजनेस की दुनिया में कदम रखा। उनकी कंपनी हाल ही में शेयर मार्केट में लिस्ट हुई है। इस समय कंपनी का मार्केट कैप 19000 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो गया है।

किंडरगार्टन में बना पहला ऑफिस

साल 2004 में जब पीयूष सोमानी ने अपना कारोबार शुरू किया, तब उनके पास न बड़ा ऑफिस था और न ही कोई बड़ा निवेशक। शुरुआत एक कंप्यूटर, बेसिक इंटरनेट कनेक्शन और टेक्नोलॉजी बिजनेस बनाने के भरोसे से हुई।

डेटा सेंटर में बड़ा दांव

साल 2008 में सोमानी ने नासिक के सतपुर इंडस्ट्रियल एरिया में करीब एक एकड़ जमीन खरीदी और अपना डेटा सेंटर बनाने का फैसला किया। उस समय यह फैसला काफी बड़ा दांव था। लेकिन 2010 में डेटा सेंटर शुरू हो गया। इसके बाद ने क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर, मैनेज्ड सर्विसेज और सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने पर फोकस बढ़ाया।

472 करोड़ रुपये पहुंचा रेवेन्यू: कारोबार में पिछले कुछ वर्षों में तेजी आई है। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 30.7 प्रतिशत बढ़कर 472.2 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2025 में 361.3 करोड़ रुपये था। इसी अवधि में कंपनी का मुनाफा 55.6 करोड़ रुपये से बढ़कर 120.8 करोड़ रुपये हो गया। शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद कंपनी के मार्केट कैप में भी बड़ा उछाल आया। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, कंपनी का मार्केट कैप करीब 19,064 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है।

कभी नासिक के एक किंडरगार्टन के छोटे से कमरे में सात दोस्तों के साथ काम शुरू करने वाली इएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन आज क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर और एआइ इंफ्रास्ट्रक्चर के कारोबार में पहुंच चुकी है। वह इस कंपनी के एमडी और चेयरमैन हैं। शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद कंपनी की वैल्यूएशन में भी बड़ा उछाल देखने को मिला है। नासिक के कॉलेज रोड स्थित एक किंडरगार्टन के छोटे से कमरे को शुरुआती ऑफिस बनाया गया। दिन में जहां बच्चों की क्लास चलती थी।

दोस्त की जगह खुद को मिल गई नौकरी

पीयूष सोमानी की राह शुरुआत से आसान नहीं थी। साल 1997 में उन्होंने पुणे यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में दाखिला लेने की कोशिश की, लेकिन सीटों की कमी के कारण उन्हें इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में जाना पड़ा। उन्हें यह बदलाव पसंद नहीं आया और वह पहले साल में फेल भी हो गए। बाद में पिता की सलाह पर उन्होंने कंप्यूटर से जुड़ा 15 दिन का कोर्स किया। इस छोटे से कोर्स ने टेक्नोलॉजी के प्रति उनकी सोच बदल दी। इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद उन्होंने मुंबई में नौकरी की, जहां उनकी शुरुआती सैलरी सिर्फ 3,000 रुपये महीना थी। लेकिन नौकरी उन्हें ज्यादा समय तक रोक नहीं पाई। वह नासिक लौट आए। इसी दौरान एक दोस्त के साथ नौकरी के इंटरव्यू में पहुंचे। इंटरव्यू उनके दोस्त का था, लेकिन कंपनी के मालिक को सोमानी की बातचीत पसंद आ गई और नौकरी उन्हें मिल गई। नौकरी के अनुभव के बाद उन्होंने अपना कारोबार शुरू करने का फैसला किया। साल 2004 में सात दोस्तों के साथ वेब-होस्टिंग और सपोर्ट बिजनेस शुरू किया गया। जनवरी 2005 में कंपनी को आधिकारिक तौर पर नाम से रजिस्टर किया गया। कारोबार बढ़ने के साथ कंपनी ने ब्रिटेन और अमेरिका में अधिग्रहण के जरिए भी विस्तार किया। हालांकि, शुरुआती सात साझेदारों के बीच समय के साथ मतभेद हुए और बाकी पार्टनर कंपनी से अलग हो गए। इसके बाद कारोबार की जिम्मेदारी मुख्य रूप से सोमानी के कंधों पर आ गई।

आईफोन 18 की बिक्री शुरू, स्टोर्स पर रात से ही लग गई लाइनें

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी के लेटेस्ट आईफोन 18 और बिक्री आज से शुरू हो गई है। कंपनी के भारत में छह स्टोर हैं। इनमें मुंबई में दो और दिल्ली, नोएडा, बेंगलुरु और पुणे में एक-एक स्टोर

है। कल रात से ही लोग इनके बाहर जुटने शुरू हो गए थे। दुनियाभर में इनकी इतनी डिमांड है कि भारत में आईफोन की दो फैक्ट्रियां चौबीसों घंटे काम कर रही है। हालांकि ॠह्वद्द का पहला फोल्डेबल फोन ॠह्वद्द भारत में नहीं बनाया जा रहा है। दिल्ली, मुंबई, नोएडा और बेंगलुरु में ऐपल के स्टोर्स के बाहर काफी भीड़ देखी गई। एएनआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक कस्टमर हितेश पटेल ने कहा, 'मैं नासिक से यहां आया हूं। हम कल रात 10 बजे से लाइन में लगे हुए हैं। मुझे सुबह 8 बजे का पहला स्लॉट मिला है। इसके बाद, हमें अपना प्रोडक्ट मिल जाएगा। मैं हर साल मोबाइल बदलता हूं। अभी मेरे पास 17 है, और अब मैं 18 लेने जा रहा हूं।' सूत्रों के मुताबिक भारत में बिकने वाले में से सिर्फ 15 प्रतिशत ही रेंज के होते हैं, इसलिए भारत में इनके प्रोडक्शन का लगभग 80-90 प्रतिशत हिस्सा विदेशों में भेजा जाएगा। यह पहली बार है जब कोई कंज्यूमर या बेस वर्जन लॉन्च नहीं किया है। माना जा रहा है कि अगले साल की पहली तिमाही में 18 आ सकता है। भारत में बिकने वाले में बेस मॉडल की हिस्सेदारी 80-85 प्रतिशत होती है।

एसएसपी ने किया डीएसपी विधि-व्यवस्था कार्यालय का निरीक्षण

वर्ष 2023 तक के सभी लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने शुक्रवार को डीएसपी विधि-व्यवस्था कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएसपी विधि-व्यवस्था प्रकाश सोय, संबंधित थाना प्रभारी एवं कार्यालय कर्मी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने कार्यालय की कार्यप्रणाली, लंबित मामलों की स्थिति एवं अभिलेखों के संधारण की गहन समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न कक्षों एवं शाखाओं का भ्रमण कर दस्तावेजों और संचिकाओं की जांच की तथा अनुसंधान की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

एसएसपी प्रभात कुमार ने वर्ष 2023 तक के सभी लंबित कांडों को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित कर शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अनुसंधान में आ रही तकनीकी या प्रशासनिक बाधाओं का तत्काल समाधान किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सुपरविजन रिपोर्ट, चार्जशीट, अंतिम प्रतिवेदन, केस डायरी एवं अन्य अभिलेखों का विधिवत संधारण सुनिश्चित हो। सभी दस्तावेज समय पर अद्यतन रखने और लंबित कार्रवाई की नियमित निगरानी करने पर भी जोर दिया।

एसएसपी ने लंबित वारंटों के निष्पादन को प्राथमिकता देने, वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी और न्यायालय से संबंधित प्रक्रियाओं में अनावश्यक देरी नहीं करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुराने मामलों के साथ-साथ वर्तमान मामलों के अनुसंधान की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।अंत में उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लंबित कांडों, वारंटों एवं न्यायालय संबंधी मामलों का समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा।

मालगोदाम रोड पर एटीवीएम शुरू

पाकुड़। रेल यात्रियों की सुविधा को लेकर पूर्व रेलवे हावड़ा मंडल के निर्देश पर मालगोदाम रोड स्थित रेलवे परिसर में नवनिर्मित ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) का शुभारंभ किया गया। स्टेशन प्रबंधक लखीराम हेम्ब्रम एवं वार्ड पार्षद निभा देवी ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर और नारियल फोड़कर मशीन का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद पहला टिकट अफजल शेख ने पाकुड़ से राजग्राम के लिए प्राप्त किया। मौके पर वाणिज्य पर्यवेक्षक सिकंदर मंडल, मुख्य टिकट निरीक्षक अखिलेश कुमार चौबे, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता संजय कुमार ओझा, राजू कुमार समेत रेलकर्मी, यात्री और आमजन मौजूद रहे।

स्टेशन प्रबंधक लखीराम हेम्ब्रम ने कहा कि स्टेशन के पूर्वी हिस्से के लोगों की लंबे समय से मांग थी कि इस क्षेत्र में टिकट की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। एटीवीएम शुरू होने से यात्रियों को मुख्य टिकट काउंटर तक जाने और लंबी कतार में खड़े होने की परेशानी से राहत मिलेगी।

पचवाड़ा नॉर्थ कोल माइंस में मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। जिले के अमड़ापाड़ा में विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर पचवाड़ा नॉर्थ कोल माइंस क्षेत्र में ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन अमड़ापाड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता एवं अंचल अधिकारी औसाफ अहमद खान ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर डब्ल्यूबीपीडीसीएल के महाप्रबंधक रामाशीष चटर्जी, महाप्रबंधक, डब्ल्यूबीपी डीसीएल के माइंस मैनेजर महेश कुमार, डब्ल्यूबीपी डीसीएल वेलफेयर ऑफिसर देबाशीष भुइं,सीनियर वाइस प्रेसिडेंट दिलीप तमन, संजय बेसरा महाप्रबंधक सीएसआर एवं पीआर सहित कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट डब्ल्यूबीप ीडीसीएल द्वारा उपलब्ध कराई गई है।

परियोजना से प्रभावित ग्रामीण लंबे समय से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग कर रहे थे। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मोबाइल मेडिकल यूनिट को नौ परियोजना प्रभावित गांवों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सप्ताह में दो दिन प्रत्येक गांव में उपलब्ध कराया जाएगा। मोबाइल यूनिट में एक चिकित्सक और दो नर्सें तैनात रहेंगी। वाहन में मोबाइल पैथोलॉजी, अन्य जांच सहित ऑक्सीजन सिलेंडर तथा मलेरिया, डेंगू और टाइफाइड जांच किट के साथ आवश्यक दवाइयां उपलब्ध रहेंगी।

इन सभी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ग्रामीणों को पूर्णतः निःशुल्क मिलेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने भी अपना रैंडम ब्लड शुगर परीक्षण कराया।पचवाड़ा नॉर्थ कोल माइंस की कालोनी बिशनपुर में पहले से ही एक स्वास्थ्य केंद्र संचालित है, जहां प्रतिदिन एक चिकित्सक एवं दो नर्सें उपलब्ध रहती हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन से परियोजना क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का और विस्तार होगा तथा दूर-दराज के प्रभावित गांवों के ग्रामीणों को उनके घर के निकट प्राथमिक एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयर हाउस की विधि-व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े आवश्यक पहलुओं की जानकारी ली। उन्होंने वहां रखी ईवीएम मशीनों, सीसीटीवी कैमरों एवं अन्य तकनीकी उपकरणों की स्थिति तथा रखरखाव का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कर्मियों को वेयर हाउस की सुरक्षा और उपकरणों के समुचित रख- रखाव का दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित प्रतिवेदन मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को भेजने का भी निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि डीईओ को प्रत्येक माह वेयर हाउस के बाहरी हिस्से तथा प्रत्येक तीन माह में अंदरूनी हिस्से का निरीक्षण करना होता है। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष एवं सदस्य तथा अन्य कर्मी उपस्थित थे।

एसआईआर के 424 मामलों की सुनवाई

पाकुड़। एसआईआर 2026 के तहत शुक्रवार को पाकुड़िया प्रखंड में नोटिस मामलों की सुनवाई की गई। ग्राम पंचायत मोंगलाबांध के मतदान केंद्र संख्या 251 और 252 से संबंधित 307 नोटिस मामलों की सुनवाई पंचायत भवन मोंगलाबांध में हुई। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ सोमनाथ बनर्जी की मौजूदगी में मतदाताओं के नोटिस, दावे और प्रस्तुत आवश्यक दस्तावेजों की जांच एवं सत्यापन किया गया।इसी तरह ग्राम पंचायत तेतुलिया के मतदान केंद्र संख्या 217 से 219 से संबंधित 117 नोटिस मामलों की सुनवाई उत्क्रमित मध्य विद्यालय तेतुलिया में हुई। यहां एइआरओ सह जिला सहकारिता पदाधिकारी चन्द्रजीत खलको की मौजूदगी में मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत दावे, नोटिस और आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई।

दोनों स्थानों पर अधिकारियों एवं संबंधित कर्मियों ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत मामलों की सुनवाई पूरी की। अधिकारियों ने प्रस्तुत दस्तावेजों का सत्यापन करते हुए एसआईआर प्रक्रिया के तहत आवश्यक कार्रवाई की। इस दौरान संबंधित मतदाता एवं कर्मी मौजूद रहे।

लोजपा (आर)की महिला शक्ति का शंखनाद

स्वागत-सम्मान समारोह व समीक्षा बैठक में संगठन विस्तार और जनसेवा का संकल्प

कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय का मिला मंत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) झारखंड प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष आशा राय के नेतृत्व में हीरक रिंग रोड स्थित बुद्धा पैलेस में स्वागत-सम्मान समारोह एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह चतरा विधायक जनार्दन पासवान और महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रप्रभा भाटिया का पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी संस्थापक रामविलास पासवान और संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस दौरान उनके विचारों और संघर्षों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में झारखंड प्रभारी इंदु कश्यप, प्रदेश प्रधान महासचिव पप्पू सिंह समेत पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संबोधित करते हुए जनार्दन पासवान ने कहा कि पार्टी की ताकत समर्पित कार्यकर्ता हैं।

उन्होंने गांव, पंचायत और जन-जन तक पहुंचकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कार्यकताओं से आपसी समन्वय, अनुशासन और निष्ठा के साथ जनता की समस्याओं को समझकर समाधान के लिए प्रयास करने को कहा। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों और संगठन विस्तार पर चर्चा की गई।

दुष्कर्म के आरोपितों को पुलिस ने दस घंटे में दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के पांड्रासाली ओपी अंतर्गत एक नाबालिग के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने असाधारण तत्परता दिखाते हुए मात्र 10 घंटे के भीतर सभी चारों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस जघन्य वारदात के सामने आने के बाद से ही इलाके में सनसनी फैल गई थी, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने त्वरित न्याय की दिशा में एक मजबूत कदम उठाया है। इस मामले में पीड़िता की मां के लिखित आवेदन के आधार पर 18 सितंबर 2026 को मुफ्फसिल थाना (पांड्रासाली ओपी) में कानूनी कार्रवाई की गई।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 70(2), 65(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। शिकायत में पीड़िता की मां ने आरोप लगाया है कि नामजद आरोपी उसकी नाबालिग बेटी को जबरन घर से उठाकर ले गए और गांव के ही एक नाले के पास ले जाकर उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म जैसी शर्मनाक हरकत को अंजाम दिया।घटना की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती। पुलिस अधीक्षक अमित रेणु के कड़े निर्देशों के बाद तत्काल प्रभाव से एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया।

इस विशेष दल में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टुटी, पांड्रासाली ओपी प्रभारी मेघनाथ मंडल, पुलिस अवर निरीक्षक ललन मंडल और सहायक अवर निरीक्षक कमलेश सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे, जिन्होंने पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई।

विशेष छापामारी टीम ने आधुनिक तकनीकी सहयोग और पुख्ता मानवीय सूचनाओं का बेहतरीन समन्वय स्थापित किया। लगातार छापेमारी और सघन तलाशी अभियान चलाते हुए पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज होने के महज 10 घंटे के भीतर ही सभी चारों आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस की यह कार्रवाई अपराधियों के हौसले पस्त करने वाली और पीड़ित परिवार को जल्द राहत दिलाने वाली रही।

1.2 किलो गांजा जब्त, थोक विक्रेता गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव में पुलिस ने छापेमारी कर 1 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया। मामले में पुलिस ने 65 वर्षीय मंजूर शेख को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित बाजार कीमत 35 से 40 हजार रुपये बताई गई है।

पाकुड़ एसडीपीओ कुमार गौरव के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि फतेहपुर गांव में मंजूर शेख के घर स्थित दुकान से गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों की अवैध खरीद-बिक्री की जा रही है। एसपी अनुदीप सिंह के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम गठित की गई। दंडाधिकारी की मौजूदगी में दुकान पर छापेमारी कर तलाशी ली गई, जिसमें गांजा के अलावा 2640 रुपये नकद, लोहे का तराजू, चिलम, लाइटर, स्टील की कैंची और पॉलिथीन बैग बरामद हुए।

छापेमारी टीम में मुफ्फसिल थाना प्रभारी गौरव कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक गौरी शंकर प्रसाद, रविंद्र सिंह, सहायक अवर निरीक्षक यशवंत कुशवाहा समेत सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस ने इस संबंध में कांड संख्या 132/26 दर्ज किया है। पूछताछ में मंजूर शेख ने पुलिस को बताया कि उसे पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज थाना क्षेत्र के भसाईपाईकर गांव निवासी साहब शेख से गांजा मिलता था, जिसे वह अन्य विक्रेताओं को बेचता था। मामले में आगे की जांच जारी है।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण के दोषी को सात साल की सजा

पाकुड़। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडेय की अदालत ने पोक्सो मामले (वाद संख्या 44/2025) में मुख्य आरोपी जोहर आलम को दोषी करार देते हुए सात वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जुर्माना जमा नहीं करने पर एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

मामला मालपहाड़ी ओपी थाना क्षेत्र का है। पीड़िता के लिखित बयान के आधार पर मालपहाड़ी थाना में कांड संख्या 189/2025 दर्ज किया गया था। अभियोजन के अनुसार, जोहर आलम ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। शादी की बात करने पर वह मुकर गया। आरोप है कि आरोपी ने पीड़िता के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी और उसे ब्लैकमेल किया। गाली-गलौज और मारपीट का भी आरोप लगाया गया था। मामले में यफर शेख, नासिर शेख, जुबेर आलम, भदौरी बीबी और हबीबुल शेख को भी नामजद किया गया था। आरोप था कि आरोपियों ने पीड़िता के घर का ताला तोड़कर सामान निकाल लिया तथा उसकी मां के साथ मारपीट की।

मेगा रक्तदान शिविर, 85 यूनिट रक्त संग्रह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा के जगजीवन नगर स्थित आवासीय कार्यालय में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी कार्यकताओं एवं आमजनों के साथ केक काटकर प्रधानमंत्री का जन्मदिन भी मनाया गया।

विधायक राज सिन्हा ने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने अपनी पत्नी विनीता सिन्हा के साथ सबसे पहले रक्तदान किया। शिविर में लोगों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। विधायक ने 76वें जन्मदिन के अवसर पर 76 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा था, जबकि कुल 85 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि रक्तदान जरूरतमंदों का जीवन बचाने के साथ मानवता की सेवा का माध्यम है। उन्होंने लोगों से रक्तदान के लिए दूसरों को भी प्रेरित करने की अपील की। पहली बार रक्तदान करने वाले लोगों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया, जबकि सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र दिया गया।

शिविर एसएनएमसीएच ब्लड बैंक के डॉ. बीके पांडेय एवं उनकी टीम की देखरेख में आयोजित हुआ। मौके पर एसएनएमसीएच अधीक्षक डॉ. डीके इंदौरिया, जिला मंत्री मौसम सिंह, रीता यादव, दिलीप सिंह, पंकज सिन्हा, हुल्लास दास समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, कार्यकर्ता और सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

थानेदार फरार, मुंशी को एसीबी ने दबोचा

पांच हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) धनबाद की टीम ने गिरिडीह जिले के मधुबन थाना में पांच हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप में थाना प्रभारी दिपेश कुमार के सहयोगी लेखापाल (मुंशी) को गिरफ्तार किया है। मामले में थाना प्रभारी दिपेश कुमार को भी आरोपी बनाया गया है।

एसीबी के अनुसार, मधुबन थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने शिकायत की थी कि उसकी स्कॉर्पियो गाड़ी 19 जुलाई 2026 को सुबह करीब 10 बजे मधुबन थाना क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। दुर्घटना में किसी व्यक्ति की जान नहीं गई थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, वाहन का बीमा था। बीमा क्लेम लेने के लिए उसे थाना से लिखित सनहा की जरूरत थी। आरोप है कि सनहा देने के एवज में मधुबन थाना प्रभारी दिपेश कुमार ने उससे पांच हजार रुपये रिश्वत की मांग की।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान पांच हजार रुपये रिश्वत मांगने की बात सही पाई गई। इसके बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 2018 की धारा-7 के तहत धनबाद थाना कांड संख्या 08/2026, दिनांक 15 सितंबर 2026 दर्ज कर ट्रैप टीम गठित की गई।

एसीबी के अनुसार, 16 सितंबर 2026 को थाना प्रभारी के निर्देश पर अप्राथमिकी अभियुक्त विक्रम कुमार चौधरी ने थाना प्रभारी के कक्ष में शिकायतकर्ता से पांच हजार रुपये रिश्वत ली। इसी दौरान एसीबी की ट्रैप टीम ने उसे पकड़ लिया।

कार्रवाई के दौरान गिरिडीह के कार्यपालक दंडाधिकारी और दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में आरोपी को गिरफ्तार किया गया। एसीबी की ओर से दोनों आरोपियों के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एसीबी के अनुसार, मधुबन थाना प्रभारी को भी मामले में अभियुक्त बनाया गया है। वह कार्रवाई के दौरान थाने से बचकर निकल पड़े। उनका सहयोगी पकड़ा गया।

जिंदगी बचाने के लिए जरूरी है रक्तदान : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। जिला प्रशासन एवं जिला स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को रक्त अधिकोष (ब्लड बैंक), पाकुड़ में विशेष रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 72 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाई जा सकती है। जिले में पर्याप्त रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि गंभीर बीमारी, दुर्घटना या आपात स्थिति में मरीजों को समय पर रक्त मिल सके। उन्होंने बताया कि अब जिला एवं प्रखंड स्तर पर प्रत्येक माह नियमित रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे।

शिविर में रेड क्रॉस सचिव डॉ. कुणाल कुमार सिंह, डीपीएम दीपक कुमार, ई-पंचायत प्रभारी डीपीएम आनंद प्रकाश समेत पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने रक्तदान किया। पुलिस एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य, जिला शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक विनोद कुमार वर्मा, एमपीडब्ल्यू अमोल दास, इंसानियत फाउंडेशन के सदस्य और गोपनीय कार्यालय के कर्मियों ने भी रक्तदान किया। उपायुक्त ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। सितंबर में 18, 24 और 28 सितंबर को विशेष रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने स्वस्थ एवं योग्य लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की।

शराब तस्कर नेहा झा को नहीं मिली जमानत

समस्तीपुर। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के एसी फर्स्ट कूपे से 75 लीटर विदेशी शराब बरामदगी मामले में आरोपित नेहा झा की जमानत अर्जी पर समस्तीपुर विशेष आबकारी न्यायालय-दो में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद जमानत आवेदन पर तत्काल कोई फैसला नहीं सुनाया। अब इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 24 सितंबर की तिथि निर्धारित की गई है। समस्तीपुर जंक्शन पर स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस की तलाशी के दौरान आरपीएफ, जीआरपी और सीआईबी की संयुक्त टीम ने एच-1 कोच के कूपे से 75 लीटर विदेशी शराब बरामद की थी। इस मामले में सिंघिया थाना क्षेत्र के बारी गांव निवासी नेहा झा और उसके बहनोई ईशान कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। दोनों आरोपितों की ओर से 5 सितंबर को अदालत में जमानत अर्जी दाखिल की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुजफ्फरपुर रेल एसपी वीणा कुमारी के निर्देश पर समस्तीपुर रेल डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी शराब की खेप के स्रोत, इसे बिहार लाने के मकसद और संभावित डिलीवरी नेटवर्क के बारे में जानकारियां जुटा रही है।

बिहार व गोड्डा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में

मिनी गन फैक्ट्री के संचालन का पुलिस ने किया भंडाफोड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/गोड्डा। महागामा के बलिया घाट के समीप पकड़ी गई मिनी गन फैक्ट्री के संचालन को लेकर बड़ा भंडाफोड़ हुआ है। इसका संचालन मानवाधिकार की आड़ में हो रहा था। पुलिस ने शुक्रवार को मानवाधिकार एक्टिविस्ट पवन तुरी को बोाकारो से गिरफ्तार कर लिया। मिनी गन फैक्ट्री के भंडाफोड़ के बाद से संचालक पवन तुरी फरार हो गया था। इस मामले में महागामा थाना की पुलिस ने संचालक पवन तुरी की मां और पिता दोनों को पहले ही हिरासत में लेकर जेल भेज दिया था। बिहार और झारखंड पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बुधवार 16 सितंबर को मिनी गन फैक्ट्री का पदार्फाश हुआ था।

जानकारी के अनुसार, पवन तुरी बीते तीन-चार सालों से इस धंधे में लिप्त था। वह चोरी-छिपे एक झोपड़ी में मिनी गन फैक्ट्री संचालित करता था। किसी को भनक न लगे, इसके लिए वह गन तैयार करने के दौरान डीजे आदि बजा देता था।

इसके अलावा, संचालक पवन के पिता हराधन मिर्धा इस मामले को छिपाने के लिए पत्तल और ग्लास आदि का कारोबार करते थे। आरटीआई, मानवाधिकार और यूट्यूबर का टैग लगाकर मिनी गन फैक्ट्री का संचालक पवन इस गोरखधंधे को बहुत ही सफाई से अंजाम दे रहा था। इसके सहारे वह महागामा और ललमटिया आदि जगहों पर अपनी धमक जता रहा था। यहां तक कि महागामा सहित आसपास के थाना क्षेत्रों में भी उसका प्रभाव था। स्थानीय थानों की पुलिस से भी वह संपर्क में था। बिहार पुलिस की मानें तो आसपास के इलाके में अब तक की यह सबसे बड़ी मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ है।

मालूम हो कि महागामा के बलिया घाट स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय से सटे क्षेत्र में एक झोपड़ीनुमा मकान में संचालित मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया था।

बिहार के मुंगेर से आई एसटीएफ की टीम ने महागामा थाना पुलिस के साथ मिलकर मिनी गन फैक्ट्री में छापेमारी की थी। इस दौरान भारी मात्रा में देसी गन बनाने का सामान, मिनी लेथ मशीन, ड्रिल मशीन आदि बरामद किए गए थे। इसके बाद से फरार पवन तुरी की मुंगेर पुलिस के साथ-साथ महागामा पुलिस भी तलाश रही थी। वहीं, मिनी गन फैक्ट्री को भंडाफोड़ के बाद लोग दंग हैं। खासकर मानवाधिकार की आड़ में मिनी गन फैक्ट्री के संचालन को लेकर।

आधा दर्जन मोबाइल के साथ चार साइबर ठग धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। कस्टमर केयर से आने वाले हर फोन पर भरोसा करना भारी पड़ सकता है। साइबर ठग मदद के नाम पर फोन कर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। देवघर साइबर थाना पुलिस ने ऐसे ही मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

देवघर साइबर थाना की पुलिस व मधुपुर थाना की पुलिस टीम ने बुधवार को मधुपुर थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए चार साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार साइबर ठगों के पास से आधा दर्जन मोबाइल फोन सहित चार सिम कार्ड बरामद किया गया है।

गिरफ्तार होने वाले साइबर ठगों में मधुपुर थाना क्षेत्र के बयिाही गड्हा निवासी अनिश दास , सारठ थाना क्षेत्र के खरना गांव निवासी सुमेश महरा, जसीडीह थाना क्षेत्र के रोहिणी अजान टोला निवासी राहुल दास व मधुपुर थाना क्षेत्र के गुनियासोल निवासी दिनेश दास शामिल है। इन सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एसपी प्रवीण पुष्कर को साइबर ठगों के बारे में गुप्त सूचना मिली। सूचना के आधार पर उन्होंने पुलिस उपाधीक्षक कैलाश प्रसाद महतो के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार मंडल, मधुपुर थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक राजीव कुमार सहित पुलिस जवानों को टीम में शामिल करते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

टीम ने कार्रवाई करते हुए साइबर ठगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद सभी को पूछताछ के लिए साइबर थाना लाया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार साइबरों ठगों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार किया। बताया कि फर्जी गूगल पे, फोन-पे व पेटीएम कस्टमर केयर अधिकारी बनकर कैश बैक सहित पीएम किसान योजना, बिजली बिल और आरटीओ चालान के नाम पर एपीके फाइल भेजकर मोबाइल का एक्सेस लेकर ठगी की वारदात को अंजाम देते थे।

संक्षिप्त समाचार

‘बॉल-टैम्परिंग’ की घटना कभी-कभी दिमाग में आ जाती है: स्टीव स्मिथ

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 2018 के बाद पहली बार टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाने वाली है। सीरीज से पहले टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा है कि उन्हें 2018 दौरे के दौरान हुई बॉल-टैम्परिंग की घटना अभी भी कभी-कभी दिमाग में आ जाती हैं। हालांकि, स्मिथ इस बात को लेकर चिंतित नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका में उनका स्वागत किस तरह होगा। मार्च 2018 में केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट के दौरान हुए विवाद में स्मिथ मुख्य लोगों में से एक थे। सैंडपेपर का इस्तेमाल

करके गेंद की हालत बदलने की योजना में शामिल होने की बात मानने के बाद उन्हें टीम की कप्तानी से हटाते हुए घर भेज दिया गया था और एक साल के लिए किसी भी तरह की क्रिकेट से निलंबित कर दिया गया था। स्मिथ के साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पर भी एक साल का बैन लगाया गया था। कैमरन बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए निलंबित किया गया था। उस दौरे के लगभग आठ साल बाद, स्मिथ 9 अक्टूबर से डरबन में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे की तैयारी कर रहे हैं। स्मिथ ने कहा, ‘निलंबन से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह भूलना मुश्किल है। दक्षिण अफ्रीका छोड़ने के बाद मीडिया में उन्हें जबरदस्त चर्चा मिली थी।’ दिग्गज बल्लेबाज ने गुरुवार को न्यूज कॉर्प को दिए एक इंटरव्यू में कहा, ‘मैं कैमरों का बहुत बड़ा फैन नहीं हूं।

एसटीसीएल क्रिकेट लीग के लिए चंडीगढ़ में ट्रायल, 199 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन शर्मा के नेतृत्व में महाजन क्रिकेट ग्राउंड में हुए ट्रायल, चुने गए खिलाड़ियों का पूरा खर्च उठाएगी लीग चंडीगढ़। सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग (एसटीसीएल) के लिए गुरुवार को चंडीगढ़ के महाजन क्रिकेट ग्राउंड में क्रिकेट ट्रायल आयोजित किए गए। लीग आयुक्त और पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन शर्मा के नेतृत्व में ट्रायल का सफल संचालन किया गया। ट्रायल में कुल 199 क्रिकेट खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर अशोक मल्होत्रा ??के अलावा पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी सुभाष

महाजन, शरणजीत सिंह, तेजिंदर सिंह (तेजी), सुखविंदर बावा और वरिंदर चोपड़ा भी मौजूद रहे। एसटीसीएल का उद्देश्य प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ियों को नया मंच और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। लीग के लिए खिलाड़ियों से चयन ट्रायल का कोई पंजीकरण शुल्क नहीं लिया गया। पूरे राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लीग में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के लिए चयन ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं। लीग में कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी और प्रत्येक टीम को तीन लीग मैच खेलने का अवसर मिलेगा। लीग के सभी मैच सोनी लिव और डीडी स्पोर्ट्स पर सीधे प्रसारित किए जाएंगे।

चयनित खिलाड़ियों के आने-जाने, रहने और खाने का खर्च लीग उठाएगी- एसटीसीएल के लिए चयनित सभी खिलाड़ियों के घर से उदयपुर स्थित मिराज इंटरनेशनल स्टेडियम तक आने-जाने का इंतजाम लीग की ओर से किया जाएगा। खिलाड़ियों को वातानुकूलित ट्रेन से उदयपुर लाया और वापस घर पहुंचाया जाएगा।

अभिषेक का तूफानी शतक

तीसरा टी20: अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत, सीरीज में 3-0 से ‘क्लीन स्वीप’

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में 127 रन से ऐतिहासिक जीत हासिल की। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 3-0 से ‘क्लीन स्वीप’ किया। यह टी20 इतिहास में भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले, 8 सितंबर 2022 को टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को 101 रन के अंतर से हराया था। इस फॉर्मेट में भारत ने सबसे बड़ी जीत 1 फरवरी 2023 को न्यूजीलैंड के खिलाफ दर्ज की है, जब उसने कीवी टीम को 168 रन से रौंदा था। यह अफगानिस्तान के लिए भी टी20 इतिहास में रनों के अंतर से सबसे बड़ी हार है। भारत ने सीरीज का पहला मैच 7 विकेट से अपने नाम किया था।

इसके बाद मंगलवार को खेले गए मैच में भी टीम इंडिया ने इतने ही अंतर से जीत हासिल की थी। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अभिषेक शर्मा और संजू सैसमन की तूफानी पारियों के दम पर 221/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 9.5 ओवरों में 142 रन की साझेदारी की। अभिषेक 34 गेंदों में 11 छक्कों और 9 चौकों को साथ 108 रन बनाकर आउट हुए

अभिषेक शर्मा ने मचाई तबाही, टी20 इंटरनेशनल में लगाया सबसे तेज शतक

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीसरा टी20 इंटरनेशनल मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। अभिषेक शर्मा ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया है। अभिषेक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में टेस्ट खेलने वाले देशों में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभिषेक ने तीसरे टी20 में आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। अभिषेक फुल मेंबर देशों की तरफ से टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। अभिषेक ओवरऑल क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में तीसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं। टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज संेचुरी लगाने का रिकॉर्ड साहिल चौहान के नाम है, जिन्होंने एस्टोनिया की तरफ से खेलते हुए साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों में शतक लगाया था। वहीं, तुर्की के बल्लेबाज मोहम्मद फहद ने बुल्गारिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक लगाया था। अभिषेक ने अपनी तूफानी पारी के दौरान खेली 34 गेंदों में 108 रन बनाए।

अय्यर ने दिखाया बड़ा दिल

ट्रॉफी के साथ तस्वीर के लिए अफगान कप्तान जादरान को बुलाया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम ने गुरुवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में अफगानिस्तान को 127 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान की मेजबानी में आयोजित 3 टी20 मैचों की सीरीज भारतीय टीम ने 3-0 से जीत ली। खिताब जीतने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कुछ ऐसा किया जिसने भारत और अफगानिस्तान दोनों देशों के करोड़ों क्रिकेट फैंस का दिल जीत लिया। भारतीय टीम सीरीज जीतने के बाद जब ट्रॉफी के साथ ग्रुप फोटो ले रही थी, तो टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी ट्रॉफी के साथ तस्वीर लेने के लिए रोमांचित नजर आ रहे थे। इसी बीच भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान को भी तस्वीर के लिए बुलाया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीर में जादरान, श्रेयस अय्यर और नितीश कुमार रेड्डी के बीच खड़े होकर तस्वीर खींचवा रहे हैं।

ट्रॉफी लेने के समय भी अय्यर ने जादरान को बुलाया था। नई दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेली गई 3 टी20 मैचों की सीरीज का मेजबान अफगानिस्तान था। नए कप्तान इब्राहिम जादरान के नेतृत्व में अफगानिस्तान का सीरीज में बेहद खराब प्रदर्शन रहा। टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी में निराश किया और तीनों ही टी20 बुरी तरह हारी। इसी के साथ भारत के खिलाफ अफगानिस्तान की पहली जीत का इंतजार बरकरार रहा।

एशियन गेम्स: भारतीय टीम ने जापान को 8 विकेट से रौंदा

सेमीफाइनल में बांग्लादेश से होगा मुकाबला

निशिन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने उम्मीद के मुताबिक जापान पर एकतरफा जीत हासिल की। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। टीम के गेंदबाजों ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के फैसले को सही साबित किया और जापान को 19.5 ओवर में मात्र 57 रन पर समेट दिया।

जापान की तरफ से सलामी बल्लेबाजों हारुना इवासाकी और अयाका काटो स्टेफॉर्ड को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने खड़ी नहीं हो सकी। इवासाकी ने 22 गेंदों पर 10 और अयाका ने 47 गेंदों पर 25 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सकीं।

भारत की तरफ से श्री चरणी ने एक बार फिर बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में मात्र 10 रन देकर 4 विकेट हासिल किया। शेफाली वर्मा ने 2 विकेट लिए। श्रेयांका पाटिल और दीप्ति शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

58 रन का स्कोर भारतीय टीम ने मात्र 5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाकर हासिल कर लिया। ओपनर शेफाली वर्मा मात्र 15 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 40 रन बनाकर रहीं।

मुखुहलानी बने आईसीसी के नए डिप्टी चेयरमैन

जय शाह ने दी बधाई

दुबई । टावेंगवा मुखुहलानी को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का डिप्टी चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वह नवंबर 2027 तक इस पद पर रहेंगे। मुखुहलानी, जो इस समय जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन हैं और आईसीसी बोर्ड में अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, इमरान ख्वाजा के पद छोड़ने के बाद यह नई जिम्मेदारी संभालेंगे। मुखुहलानी आईसीसी की

फाइनेंस एंड कमर्शियल अफेयर्स (एफ एंड सीए) कमेटी और नॉमिनेशन कमेटी के सदस्य हैं। इसके अलावा, वह आईसीसी की एचआर और रेमुनरेशन कमेटी के प्रमुख भी हैं। अब डिप्टी चेयरमैन का पद संभालकर वह आईसीसी के इस अहम पद पर पहुंचने वाले पहले जिम्बाब्वेवासी बन जाएंगे।

मनीषा को एशियन गेम्स 2026 में दमदार प्रदर्शन का भरोसा

‘शिद्दत से काम करो और दिल से चाहो तो कैसे नहीं होगा’

नई दिल्ली । भारतीय रेसलर मनीषा एशियन गेम्स 2026 में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनके सामने एक नई चुनौती है क्योंकि उन्होंने 62 किलोग्राम कैटेगरी से 57 किलोग्राम कैटेगरी में बदलाव किया है। इस बदलाव के दौरान उन्होंने अपनी ताकत और तकनीक को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया है, साथ ही दोनों तरह के स्टांस (मुद्रा) से रेसलिंग करने की काबिलियत विकसित करके अपने खेल में बड़ा बदलाव किया है। मनीषा ने कहा, ‘मैं पहले ज्यादातर दाईं ओर से खेलती थी, लेकिन अब मैंने बाईं ओर से भी खेलना शुरू कर दिया है। मैं दोनों स्टांस पर काम करने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि मैं दोनों तरफ से खेलने में सहज महसूस करना चाहती हूं।

मैं अपनी ताकत और तकनीक पर काम कर रही हूं, लेकिन सबसे जरूरी बात अपनी सोच बदलना और नई कैटेगरी के हिसाब से खुद को ढालना भी है।’ मनीषा के लिए एशियन गेम्स का खास महत्व है, क्योंकि यह इन खेलों में उनकी पहली भागीदारी होगी। कुछ समय से भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद, उनका कहना है कि इतने बड़े स्तर के इवेंट में मुकाबला करने का मौका एक अलग तरह का उत्साह लाता है, जबकि उनका लक्ष्य सीधा है – मैट पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना।

उन्होंने आगे कहा, ‘मैं कुछ समय से भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हूं, लेकिन एशियन गेम्स भारत के लिए खास हैं।

रोहित शर्मा के शो में पहुंचे शिखर धवन, हिटमैन ने कहा- वाई फिकर

वैन आई हैव शिखर

मुंबई । भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा वेब रियलिटी गेम शो ‘फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा’ में बतौर होस्ट के तौर पर नजर आएंगे। शो में उनके साथ कई जाने-माने क्रिकेटर और अन्य सितारे मस्ती करते नजर आएंगे। आगामी एपिसोड में रोहित शर्मा ने अपने पुराने दोस्त और पूर्व ओपनिंग पार्टनर शिखर धवन का गर्मजोशी, यादों और दोस्ती से भरे अंदाज में स्वागत किया। एपिसोड की शुरुआत में रोहित शर्मा ने मजाकिया लहजे में स्वागत किया और कहा कि सभी लोग बगीचे में खिले फूलों की तरह फ्रेश लग रहे हैं और बताया कि वह खुद भी आज कुछ ज्यादा ही फ्रेश महसूस कर रहे हैं क्योंकि उनका कोई बहुत करीबी मित्र आने वाला है।

एशियन गेम्स और विश्व चैंपियनशिप से पहले

भारतीय जुडोकाओं को जापान में मिलेगा ट्रेनिंग एक्सपोजर

नई दिल्ली । स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) एशियन गेम्स 2026 और बाकू में होने वाली विश्व जूडो चैंपियनशिप की तैयारियों के तहत भारत की सीनियर जूडो टीम के लिए जापान की त्सुकुबा यूनिवर्सिटी में विदेशी प्रशिक्षण शिविर की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। 14 सदस्यों का एक भारतीय दल 2 अक्टूबर तक सुकुबा यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल ट्रेनिंग (प्री-गेम्स) प्रोग्राम में हिस्सा ले रहा है, जिसमें 11 जूडो खिलाड़ी (1 पुरुष और 10 महिला एथलीट) और 3 कोच शामिल हैं। इन 11 जूडो खिलाड़ियों में से तीन, अस्मिता डे (महिला -48 किग्रा), यामिनी मौर्य (महिला -57 किग्रा) और तखेलंबम इनुंगनबी (महिला -70 किग्रा) एशियन गेम्स की टीम का हिस्सा हैं।

अस्मिता 30 सितंबर को मुकाबला करेंगी, जबकि यामिनी और इनुंगनबी 1 अक्टूबर को नागोया के आइची इंटरनेशनल एरिना (आईजी एरिना) में मैट पर उतरेंगी।

विदेश में ट्रेनिंग का यह कैंप इंटरनेशनल कैलेंडर के एक अहम पड़ाव पर हो रहा है, क्योंकि आइची-नागोया में एशियन गेम्स के ठीक बाद 4 से 11 अक्टूबर तक बाकू में विश्व जूडो चैंपियनशिप होगी। बाकू टूर्नामेंट में कुल 10 जूडो खिलाड़ी (1 पुरुष और 9 महिलाएं) हिस्सा ले रहे हैं।

सुकुबा यूनिवर्सिटी में फिलहाल ट्रेनिंग लेने वालों में पुरुषों में हर्ष सिंह (60 किग्रा) शामिल हैं, जबकि महिला स्क्वाड में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की गोल्ड मेडलिस्ट अस्मिता डे (48 किग्रा), श्रद्धा चोपड़े (52 किग्रा), एल. नुंगशिथोई चानू (52 किग्रा), यामिनी मौर्य (57 किग्रा), लिंथोई चानंबम (63 किग्रा), उन्नति शर्मा (63 किग्रा), हिमांशी टोकस (63 किग्रा), तखेलंबम इनुंगनबी (70 किग्रा), केएच ताइबंगनबी (70 किग्रा) और इशरूप नारंग (78 किग्रा) शामिल हैं। कोचिंग स्टाफ में जीवन कुमार शर्मा, बिरेंद्र सिंह और राजविंदर कौर शामिल हैं।

कई अनियमितताएं मिलीं, उच्चस्तरीय जांच के साथ 15 दिनों में व्यवस्था सुधारने का निर्देश

अभिभावकों की शिकायत पर नवोदय विद्यालय पतरातु में उपायुक्त का औचक निरीक्षण

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अभिभावकों से प्राप्त विभिन्न शिकायतों के आलोक में उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज ने शुक्रवार को जवाहर नवोदय विद्यालय, पतरातु का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मियों की उपस्थिति, शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्था, मेडिकल सेंटर, मेस, हॉस्टल, खेल मैदान, पुस्तकालय सहित आधारभूत संरचनाओं का विस्तृत जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजी के अनुरूप कई शिक्षक विद्यालय में उपस्थित नहीं पाए गए।

वहीं प्राचार्य द्वारा उपस्थिति पंजी में आगामी दिनों की उपस्थिति दर्ज किए जाने का मामला भी सामने आया। उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित सभी शिक्षकों से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। मेडिकल सेंटर के निरीक्षण के दौरान स्टाफ नर्स उपस्थिति दर्ज करने के बावजूद कार्यस्थल से अनुपस्थित पाई गई। निरीक्षण के दौरान पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे स्टाफ नर्स के कार्यस्थल पर पहुंचने की बात सामने आई। मेडिकल सेंटर की स्टॉक पंजी भी अद्यतन नहीं पाई गई। उपायुक्त ने संबंधित कर्मी से स्पष्टीकरण पूछने और मामले की जांच शुरू करने का निर्देश दिया।खेल व्यवस्था के निरीक्षण में खेल शिक्षक भी विद्यालय में अनुपस्थित पाए गए। खेल कक्ष में आवश्यक खेल उपकरणों की कमी मिली। खेल मैदान में विद्यार्थी बांस से बनाए गए गोल पोस्ट का उपयोग करते पाए गए। इस पर उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन को खेल सुविधाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मेस के निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। मेस की स्टॉक पंजी भी अद्यतन नहीं थी। हॉस्टल में भी साफ-सफाई की कमी मिली। कई शौचालयों में पानी उपलब्ध नहीं होने अथवा शौचालय खराब होने की शिकायत सामने आई। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा इन व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण नहीं किया जा रहा है। उपायुक्त ने प्राचार्य को हॉस्टल, शौचालय एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का नियमित निरीक्षण कर तत्काल सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। विद्यालय में आधारभूत संरचना से संबंधित कार्यों की समीक्षा के दौरान फाउंटेन निर्माण कार्य पिछले छह माह से बंद पाया गया। उपायुक्त ने फाउंटेन निर्माण से संबंधित सभी दस्तावेज, पंजी एवं अन्य अभिलेख उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि कार्य की प्रगति और विलंब के कारणों की जांच की जा सके। पुस्तकालय के निरीक्षण में बुक इश्यू रजिस्टर का संधारण भी व्यवस्थित नहीं पाया गया। उपायुक्त ने पुस्तकों के निर्गमन एवं वापसी का विधिवत रिकॉर्ड रखने का निर्देश दिया, ताकि पुस्तकों के गुम होने अथवा रिकॉर्ड में विसंगति की संभावना को रोका जा सके। निरीक्षण के दौरान कई शिक्षकों के जींस एवं टी-शर्ट में विद्यालय आने का मामला भी सामने आया। उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन को सभी शिक्षकों एवं कर्मियों द्वारा निर्धारित ड्रेस कोड एवं विद्यालयी अनुशासन का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने विद्यालय के विद्यार्थियों से भी सीधे संवाद किया और उपलब्ध सुविधाओं तथा उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

बाराचट्टी के जंगल से अपहृत ऑटो चालक सकुशल बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। पुलिस ने नगवां मोहल्ला निवासी अपहृत ऑटो चालक तिलक यादव को बिहार के गया जिले के बाराचट्टी स्थित घने जंगल में एक वीरान घर से सकुशल बरामद कर लिया। एसडीपीओ सन्नी वर्धन के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने कार्रवाई करते हुए दो अपहर्ताओं को गिरफ्तार किया। छापेमारी में बाराचट्टी थाना पुलिस और एसएसबी के जवान भी शामिल रहे।

एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि करीब आधा दर्जन बदमाशों ने तिलक को संपन्न व्यक्ति समझकर फिरौती के लिए अगवा किया था। जांच के दौरान पुलिस को धनगांई थाना क्षेत्र के रेवदा में उसका मोबाइल लोकेशन मिला। इसके बाद पुलिस ने सादे लिबास में इलाके में निगरानी शुरू की।
बाद में इटवा गांव के समीप चैलीखार नदी किनारे जंगल में लोकेशन मिलने पर टीम ने घेराबंदी कर तिलक को मुक्त कराया।

मौके से कैलाश दांगी और मनोज कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त बाइक और दो मोबाइल भी जब्त किए हैं।

मेस के खाने में कीड़े-कांच के टुकड़े!

इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों का हंगामा जांच के लिए भेजे गए नमूने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू। बसौरा स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज के मेस में भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर गुरुवार को छात्रों ने जमकर हंगामा किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि भोजन में लगातार कीड़े, कांच के टुकड़े, बाल और लोहे के तार मिल रहे हैं। रसोई और बर्तनों की स्वच्छता पर भी सवाल उठाए गए।

मामले की सूचना पर उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत के निर्देश पर सदर एसडीओ संजय पांडेय, सीओ जागो महतो समेत फूड इंस्पेक्टर और फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर की संयुक्त टीम ने मेस का औचक निरीक्षण किया। टीम ने चावल, दाल और लाल मिर्च के नमूने सील कर जांच के लिए स्टेट फूड लैब, नामकुम भेजे।

निरीक्षण में साफ-सफाई और हाइजीन से जुड़े करीब 10 से 12 बिंदुओं पर गंभीर कमियां मिलीं। एसडीओ ने संबंधित पक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी करने की बात कही। छात्रों ने वर्तमान मेस वेंडर को हटाने की मांग की है। वहीं वेंडर ने छात्रों पर मेस शुल्क बकाया होने की बात कही। प्रशासन ने बकाया भुगतान के लिए 30 सितंबर तक की समय-सीमा तय की है। सुधार नहीं होने पर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद छात्रों ने फिलहाल आंदोलन स्थगित कर दिया।

खूंटी में बजाज की नई पल्सर एन160 एसएस और पल्सर 125 न्यू लॉन्च

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर के रांची-खूंटी मार्ग स्थित पतराटोली के गायत्री ऑटोमोटिव बजाज बाइक शोरूम में शुक्रवार को बजाज की दो नई बाइक और चेतक ईवी की लॉन्चिंग की गयी. समारोह में प्रभात खबर के ब्यूरो चीफ चंदन कुमार ने पल्सर एन160 एसएस, पल्सर 125 न्यू और बजाज चेतक ईवी से पर्दा हटाकर लॉन्चिंग की. इस अवसर पर चंदन कुमार ने कहा कि बजाज अपने बाइक मॉडलों के लिए जाना जाता है. बजाज की बाइक खासकर युवाओं को आकर्षित करती हैं. शोरूम संचालक मितेश कुमार ने बताया कि बजाज के दोनों नये बाइक मॉडल नये अंदाज में बाजार में उतारे गये हैं. उन्होंने कहा कि बजाज चेतक ईवी भी लोगों के बीच पसंद की जा रही है. उनके अनुसार शोरूम में बजाज के विभिन्न मॉडल उपलब्ध हैं.

खूंटी के 15 स्कूलों में लगेगा रक्तदान कैंप

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सदर अस्पताल खूंटी स्थित रक्त केंद्र में रक्त की कमी दूर करने और लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में रक्तदान शिविर एवं जागरूकता अभियान चलाया जाएगा. रक्तदान पखवाड़ा के तहत विद्यालयवार शिविर आयोजित करने के लिए जिले के 15 विद्यालयों को चिह्नित किया गया है. इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी दीप्ति कुमारी ने पत्र जारी किया है. विद्यार्थियों के साथ शिक्षक और अभिभावक भी होंगे जागरूक। सिविल सर्जन डॉ ललित रंजन पाठक ने बताया कि अभियान के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षिकाओं और अभिभावकों को रक्तदान के महत्व की जानकारी दी जाएगी. विद्यालयों में काउंसलिंग और जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे. इसके माध्यम से रक्तदान को लेकर लोगों में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया जायेगा.

बसही में हरियाली जीविका महिला समिति की तृतीय वार्षिक आमसभा आयोजित

7,018 परिवार स्वयं सहायता समूहों से जुड़े, 103 नए समूहों से 1,390 परिवार जुड़े

नवबिहार टाइम्स संवाददाता। छपरा/लहलादपुर (सारण)। हरियाली जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की तृतीय वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समिति की अध्यक्षा चिंता देवी, सचिव आयशा बानो एवं कोषाध्यक्ष अनीता देवी ने किया। आमसभा में बोर्ड के 12 सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में जीविका दीदियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रखंड परियोजना प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह, एरिया कोऑर्डिनेटर अशोक कुमार तिवारी सहित प्रखंड एवं संकुल स्तरीय कर्मी उपस्थित रहे। आमसभा के दौरान समिति की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी सदस्यों के साथ साझा की गई। बताया गया कि हरियाली जीविका महिला समिति का कार्यक्षेत्र चार पंचायतों के 21 गांवों में फैला हुआ है। समिति से अब तक 572 स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 7,018 परिवार जुड़ चुके हैं। इस वर्ष 103 नए स्वयं सहायता समूहों का गठन कर 1,390 परिवारों को जोड़ा गया है। वहीं, 38 ग्राम संगठनों का गठन भी पूरा हो चुका है। वर्षभर में बोर्ड की 12 बैठकें आयोजित कर संस्थागत कार्यों की समीक्षा की गई। आमसभा में जीविका के सहयोग से विभिन्न प्रकार के उद्यम एवं आजीविका गतिविधियां संचालित कर आत्मनिर्भर बनीं महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। सुमन देवी ने ब्यूटी पार्लर व्यवसाय के अनुभव बताए। वहीं ज्योति देवी, सलमा बेगम सहित अन्य जीविका दीदियों ने डेयरी, पशुपालन एवं छोटे व्यवसायों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की अपनी यात्रा साझा की। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों एवं सहकारिता के माध्यम से संगठित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

शिविर में जुटा 14 यूनिट रक्त

खूंटी में डीएवी स्कूल के शिक्षकों-अभिभावकों ने किया रक्तदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। सदर अस्पताल के रक्त अधिकोष के तत्वावधान में शुक्रवार को स्थानीय डीएवी स्कूल परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन सिविल सर्जन ललित रंजन पाठक, उपाधीक्षक डॉ. आनंद किशोर उरांव, डॉ. सुषमा कुमारी और विद्यालय के प्राचार्य मनोजेश्वर कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया.

इस अवसर पर सिविल सर्जन ललित रंजन पाठक ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान सामाजिक और मानवीय सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है. किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए रक्तदान जीवन बचाने में मददगार हो सकता है.

शिक्षकों और अभिभावकों ने किया रक्तदान

शिविर में कुल 14 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया. विद्यालय के शिक्षक विकास रंजन, पवन कुमार सिंह, उमाकांत नंदा, एसआरआर मिश्रा, अंशु सिंह, 5राकेश कुमार, सुमिता कुमारी और देविता सिंह समेत गैर-शिक्षकेतर कर्मचारियों तथा अभिभावकों ने रक्तदान किया. मौके पर निशांत झा समेत अन्य लोग मौजूद थे.

संक्षिप्त समाचार

एचईसी की जमीन पर बुलडोजर कार्रवाई पर हाईकोर्ट की रोक, 31 दिसंबर तक घर खाली करने का आदेश

रांची, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड हाईकोर्ट ने हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) की लीजहोल्ड जमीन पर चल रही अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई के मामले में शुक्रवार को महत्वपूर्ण आदेश दिया। न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने याचिकाकर्ताओं की दलील और उनके द्वारा दिए गए आश्वासन को देखते हुए 31 दिसंबर 2026 तक आगे की तोड़फोड़ पर रोक लगा दी है। डब्ल्यूपीसी संख्या 7489/2026 में अदालत ने स्पष्ट किया कि जिन झोपड़ियों और मकानों को पहले ही तोड़ा जा चुका है, उनका दोबारा निर्माण नहीं किया जाएगा। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक याचिकाकर्ता अलग-अलग शपथपत्र दाखिल कर यह पुष्टि करेगा कि वह 31 दिसंबर 2026 तक एचईसी की जमीन खाली कर वैकल्पिक आवास में चला जाएगा। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से स्वीकार किया गया कि वे एचईसी की लीजहोल्ड भूमि पर अतिक्रमणकारी हैं। हालांकि, उन्होंने अचानक शुरू हुई कार्रवाई से राहत की मांग करते हुए वैकल्पिक आवास की व्यवस्था के लिए समय देने का आग्रह किया। अदालत ने बरसात और आगामी त्योहारों को देखते हुए उनकी मांग को वास्तविक और सद्भावनापूर्ण माना। हाईकोर्ट ने एचईसी प्रशासन और जिला प्रशासन को तोड़े जा चुके तथा जिन क्षेत्रों में कार्रवाई पर रोक लगी है, पूरे इलाके की वीडियोग्राफी कराने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर 2026 को होगी।

मेधा मिल्क बूथ के लिए जगह नहीं मिली, हाईकोर्ट ने दी आखिरी मोहलत; अफसर को अगली तारीख पर हाजिर होने की चेतावनी

रांची, नवबिहार टाइम्स संवादाता। झारखंड हाईकोर्ट ने धनबाद पुलिस लाइन परिसर में ह्यमेधा मिल्क बूथह्न स्थापित करने के लिए जगह आवंटित नहीं किए जाने से जुड़े अवमानना मामले में संबंधित अधिकारी को एक और मौका दिया है। न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत में शुक्रवार को कॉन्टेम्प्ट केस (सिविल) संख्या 125/2026 की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से अधिवक्ता विभोर मयंक ने अदालत को बताया कि अब तक याचिकाकर्ता अमित कुमार सिंह को निर्धारित स्थान आवंटित नहीं किया जा सका है। हालांकि, उन्होंने इसके लिए कुछ और समय देने का आग्रह किया। अदालत ने इससे पहले भी अधिकारी को अंतिम अवसर दिया था, लेकिन जगह आवंटित नहीं हुई। अदालत ने इस बार एक और अवसर देते हुए मामले को 25 सितंबर 2026 को ह्यफॉर ऑर्डर्सह्न के लिए सूचीबद्ध किया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली तारीख तक अनुपालन शपथपत्र दाखिल नहीं किया गया तो संबंधित विपक्षी पक्ष संख्या-2 को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होना होगा।

अंतरजिला वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, 8 गिरफ्तार

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। खूंटी पुलिस ने अंतरजिला वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट लगी 19 मोटरसाइकिल और एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप वैन बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 18 सितंबर को एसपी ऋषभ गर्ग को सूचना मिली थी कि सायको थाना क्षेत्र में गिरोह के सदस्य चोरी की बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उन्हें बेचने की तैयारी में हैं। सूचना पर एसडीपीओ खूंटी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर सायको और अड़की थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई। एकार्रवाई के दौरान गुरुदयाल मुंडा उर्फ पनसउ मुंडा, इसरायल पूर्ति, मनमसीह पूर्ति उर्फ डेरो, मसीह मुंडा, मोहन लोहार, एतवा मुंडा, समराय होरो और जयराम मुंडा उर्फ जावरा को गिरफ्तार किया गया। बरामद वाहनों की पुलिस जांच कर रही है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी के वाहनों को खपाने वालों की तलाश में जुटी है।

जनता दरबार में दिव्यांग को तत्काल मिली ट्राई-साइकिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार में मांडू प्रखंड के बड़कीडुंडी निवासी दिव्यांग जगदेव महतो को तत्काल ट्राई-साइकिल उपलब्ध कराई गई। जनता दरबार में जगदेव महतो ने उपायुक्त के समक्ष अपनी शारीरिक असमर्थता और दैनिक आवागमन में हो रही परेशानी से अवगत कराते हुए ट्राई-साइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।
मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उपायुक्त ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को अविलंब ट्राई-साइकिल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त के निर्देश पर प्रभारी पदाधिकारी, गोपनीय शाखा रवींद्र कुमार गुप्ता ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जगदेव महतो को ट्राई-साइकिल सौंपी। ट्राई-साइकिल मिलने पर जगदेव महतो ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इससे उनके दैनिक आवागमन में काफी सुविधा होगी। उन्होंने त्वरित सहायता के लिए उपायुक्त एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जनता दरबार आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आमजनों की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

रामगढ़। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं एवं शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखीं।
जनता दरबार में उपायुक्त ने आमजनों से बारी-बारी मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। प्राप्त आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उन्होंने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही सभी मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। जनता दरबार में सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन, विक्टिम कंपनसेशन स्कीम, जाति प्रमाण पत्र, अबुआ आवास योजना, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज एवं दखल-दिहानी, मुआवजा, रोजगार, नाली निर्माण सहित अन्य जन समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त सभी आवेदनों की निष्पक्ष एवं गंभीरतापूर्वक जांच करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर मामलों का समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए सभी विभागीय पदाधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि जिला प्रशासन आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा पात्र लाभुकों तक सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दरबार के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की लगातार समीक्षा की जा रही है, ताकि लोगों को समय पर राहत एवं न्याय मिल सके।

गौसपुर से प्राथमिक शिक्षक संघ के सदस्यता अभियान का शुभारंभ

एकमा, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्राथमिक शिक्षक संघ, सारण जिला के सदस्यता अभियान की शुरूआत शुक्रवार को एकमा प्रखंड की आमडाढ़ी पंचायत के गौसपुर स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर से शुक्रवार अपराह्न में की गई। अभियान का शुभारंभ संघ के जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार यादव के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार यादव ने शिक्षकों को संघ की सदस्यता ग्रहण करने तथा संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं एवं हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए संगठन की सक्रियता और एकजुटता जरूरी है। कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ सारण के उप प्रधान सचिव मंजीत कुमार तिवारी, कोषाध्यक्ष सुमन प्रसाद मांझी प्रखंड के सचिव रामजीत राम सहित उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौसपुर के शिक्षक-शिक्षिकाएं क्रमशः दिग विजय कुमार गुप्ता, योगेश कुमार सिंह, कमल कुमार सिंह, छविनाथ मांझी, सनोज कुमार राम, राज मोहम्मद अंसारी आदि मौजूद थे।

तरैया में बसंत जीविका महिला समिति की वार्षिक आमसभा आयोजित

महिला सशक्तिकरण, वित्तीय समावेशन व आजीविका संवर्धन पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स सं.। छपरा/तरैया (सारण)। बसंत जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम वार्षिक आमसभा आयोजित की गई। इसमें बसंत जीविका महिला संकुल संघ से जुड़ी बड़ी संख्या में जीविका दीदियों एवं समिति की सदस्याओं ने भाग लिया। आमसभा में समिति की पिछले वर्ष की गतिविधियों, उपलब्धियों, वित्तीय स्थिति तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। जीविका के अधिकारियों ने महिला सदस्यों को महिला सशक्तीकरण, वित्तीय समावेशन, आजीविका संवर्धन और सामुदायिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी। साथ ही महिलाओं को अपने व्यवसाय को मजबूत करने तथा सरकारी योजनाओं एवं उपलब्ध संसाधनों का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड परियोजना प्रबंधन इकाई, तरैया के प्रखंड परियोजना प्रबंधक विकास कुमार चौधरी, जीविकोपार्जन विशेषज्ञ सानू कुमार तथा सामुदायिक समन्वयक अमित कुमार, प्रियंका कुमारी एवं रवि रंजन मौजूद रहे। अधिकारियों ने महिला सदस्यों को आवश्यक

मार्गदर्शन देने के साथ उनकी समस्याओं और सुझावों पर संवाद किया। इस दौरान समिति से जुड़ी महिलाओं द्वारा संचालित विभिन्न व्यवसायों एवं आजीविका गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने व्यवसायों की वर्तमान स्थिति, संचालन में आ रही चुनौतियों तथा भविष्य की आवश्यकताओं के संबंध में सदस्यों से फीडबैक लिया। आजीविका गतिविधियों को अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने के लिए सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। सभा में समिति का वार्षिक अंकेक्षण प्रतिवेदन सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बताया गया कि अर्जित लाभ का उपयोग आगामी वित्तीय वर्ष में स्वयं सहायता समूहों के सशक्तीकरण, आजीविका संवर्धन, प्रशिक्षण, वित्तीय समावेशन एवं सामुदायिक विकास से जुड़ी गतिविधियों को और मजबूत करने में किया जाएगा। आमसभा के दौरान महिला सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और समिति की आगामी योजनाओं को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

जपला में शनिवार को होगी श्री शनिदेव महाराज की भव्य महाआरती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

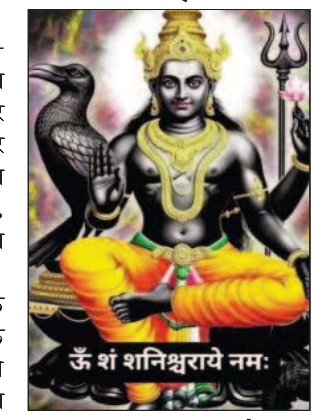

हुसैनाबाद, पलामू। जपला स्थित बाबा विश्वनाथ भास्कर मंदिर में 19 सितंबर, शनिवार को सायं 6 बजे से श्री शनिदेव महाराज की भव्य महाआरती, भंडारा एवं महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा।
प्रत्येक शनिवार की परंपरा के तहत होने वाले इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं से परिवार व मित्रों के साथ शामिल होने की अपील की गई है।
कार्यक्रम के मुख्य यजमान राजु प्रसाद गुप्ता (बैग दुकान), ग्रामीण बैंक के सामने, जपला होंगे। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से समय पर पहुंचकर महाआरती में शामिल होने और महाप्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है। स्थानः बाबा विश्वनाथ भास्कर मंदिर, जपला।
समयः सायं 6 बजे से
निवेदकः राजेश कर्ण, महाआरती प्रभारी, जपला।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो-रामगढ़ हाईवे पर रीतूडीह के समीप गुरुवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार सुनील वर्मा की मौत हो गई। हादसे में उनकी पत्नी और बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार पिछरी निवासी सुनील वर्मा अपनी पत्नी और बच्चे के साथ बाइक संख्या जेएच-09-एजेड-7108 से जा रहे थे। इसी दौरान रीतूडीह के पास सामने से आ रही एक कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। लोगों ने तत्काल घायलों को इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल पहुंचाया। यहां जांच के बाद चिकित्सकों ने सुनील वर्मा को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे का इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस हादसे के कारणों के साथ-साथ दुर्घटना में शामिल कार और उसके चालक से संबंधित जानकारी जुटा रही है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर भाजयुमो ने लगाया रक्तदान शिविर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से सेक्टर-1 स्थित इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम भाजपा के 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित हुआ। शिविर का उद्घाटन बेरमो के निवर्तमान विधायक योगेश्वर महतो बाटुल ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजयुमो बोकारो जिलाध्यक्ष विनोद महतो ने की। शिविर में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं के साथ आम नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और रक्तदान किया। इस दौरान योगेश्वर महतो बाटुल ने कहा कि रक्तदान मानवता और समाजसेवा से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है। आपात स्थिति में जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में ऐसे शिविर अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं और आम लोगों से रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। वहीं, जिला महामंत्री संजय सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है। युवाओं को आगे बढ़कर इस पुनीत कार्य में भाग लेना चाहिए।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर पेटरवार के मंदिरों में जलाए गए दीप, की प्रार्थना

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को पेटरवार प्रखंड में भाजपा कार्यकताओं एवं समर्थकों ने मंदिरों और अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर उनके स्वस्थ, यशस्वी एवं दीघार्यु जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना भी की गई। भाजपा बोकारो जिला उपाध्यक्ष अनिल स्वर्णकार और जिला महामंत्री संजय सिन्हा के नेतृत्व में देर शाम पेटरवार प्रखंड कॉलोनी स्थित विशेश्वर धाम मंदिर तथा पेटरवार थाना के समीप गंगेश्वर धाम मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। कार्यकताओं ने श्रद्धापूर्वक दीप जलाकर प्रधानमंत्री के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की प्रार्थना की। जिला महामंत्री संजय सिन्हा ने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को ह्यआशीर्वाद दिवसह्व के रूप में मना रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के अच्छे स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की कामना को लेकर देशभर में दीप प्रज्वलित कर प्रार्थना की जा रही है। कार्यक्रम में विनोद चौबे, पंकज कुमार सिन्हा, मुकेश ओझा, चंदन सिन्हा उर्फ बंटी, प्रद्युम्न वर्मा, दीपक अग्रवाल, किशन साव, रोहित कुमार, विराट कुमार सहित कई कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार पंचायत के गुरूजुवा खत्री टोला में श्री सिद्धिविनायक ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय गणेश पूजा शुक्रवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुई। अंतिम दिन बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने संध्या आरती में हिस्सा लिया। इस दौरान 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। पूजा के चौथे दिन गुरुवार रात भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। इसमें गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, कौशल्या देवी सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए। अतिथियों ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। शुक्रवार को ढोल, बैंजो और डीजे की धुन पर श्रद्धालुओं ने नाचते-गाते हुए भव्य विसर्जन जुलूस निकाला। जुलूस ठाकुर मोहल्ला, पटवा टोला, मंदिर टोला, छत्रु राम महतो चौक, एनएच-23, गागी हाट और नया बस स्टैंड होते हुए राजातालाब पहुंचा। यहां आरती और स्तुति के बाद देर रात भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। विसर्जन जुलूस के दौरान पेटरवार पुलिस सुरक्षा व्यवस्था में साथ रही। पूजा को सफल बनाने में ट्रस्ट के सदस्यों, पूजा समिति के पदाधिकारियों और ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रानीचिड़का पहुंचे उपायुक्त, ग्रामीणों की पेयजल संबंधी समस्या का लिया जायजा

गंवई बराज से पेयजल आपूर्ति की योजना बनाने का निर्देश, जर्जर स्कूल भवन की भी होगी मरम्मत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कुमारदागा पंचायत के रानीचिड़का गांव में पेयजल समस्या की जानकारी मिलने पर उपायुक्त अजय नाथ झा शुक्रवार को गांव पहुंचे और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने बताया कि चापाकल से मिलने वाले पानी की गुणवत्ता ठीक नहीं है, जिससे स्वच्छ पेयजल को लेकर परेशानी हो रही है। समस्या को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को गंवई बराज से गांव में पेयजल आपूर्ति की योजना का प्रस्ताव तैयार कर जिला को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। जल जीवन मिशन से योजना संभव नहीं होने पर डीएमएफटी मद से स्वीकृति की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने गांव के जर्जर विद्यालय भवन की समस्या भी रखी। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक को स्कूल का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। रिपोर्ट के आधार पर भवन मरम्मत की कार्रवाई होगी। इस दौरान उपायुक्त ने कुमारदागा पंचायत सचिवालय का भी निरीक्षण किया। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, बीडीओ चास डॉ. प्रदीप कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

आरएस मोर कॉलेज में एडमिशन के नाम पर अतिरिक्त राशि मांगने की शिकायत

गोविंदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आरएस मोर कॉलेज, रतनपुर में एडमिशन प्रक्रिया को लेकर छात्रों से कथित तौर पर अतिरिक्त राशि मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि वेटिंग लिस्ट में शामिल छात्र-छात्राओं से एडमिशन कराने के नाम पर ₹1000 से ₹1500 तक की मांग की जा रही है। शिकायत में कॉलेज परिसर में संचालित सीएससी केंद्र के संचालक सौरभ मंडल का नाम भी सामने आया है। मामले को लेकर छात्रों ने कॉलेज के प्राचार्य प्रवीण सिंह से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई। छात्रों का कहना है कि निर्धारित शुल्क के अलावा अतिरिक्त राशि मांगे जाने से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। छात्रों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। प्राचार्य प्रवीण सिंह ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला पहले उनके संज्ञान में नहीं था। यदि जांच में किसी छात्र से एडमिशन के नाम पर अतिरिक्त राशि लेने की पुष्टि होती है और इसके प्रमाण या गवाही सामने आती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मामले की जमीनी स्तर पर जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी।

रिश्वत लेते दो क्लर्कों को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

सेवानिवृत्त कर्मी का सीएमपीएफ और पेंशन भुगतान क्लियर करने के एवज में मांगी थी रिश्वत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के कथारा क्षेत्र स्थित सीसीएल के गोविंदपुर परियोजना कार्यालय में शुक्रवार को सीबीआई की एंटी करप्शन टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 हजार रुपये रिश्वत लेते दो क्लर्कों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सीएमपीएफ डीलिंग क्लर्क मेघलाल महतो और पेंशन डीलिंग क्लर्क मोहम्मद इम्तियाज के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गोविंदपुर परियोजना के सर्वे विभाग में कार्यरत रहे जनता नगर निवासी रसूल जमा करीब सात महीने पहले सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद उनका सीएमपीएफ और पेंशन भुगतान लंबित था। आरोप है कि भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने के एवज में दोनों क्लर्कों द्वारा उनसे रिश्वत की मांग की जा रही थी। रिश्वत की मांग से परेशान रसूल जमा ने धनबाद सीबीआई से शिकायत की। शिकायत की जांच और पुष्टि के बाद सीबीआई ने आरोपियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। शुक्रवार को इंस्पेक्टर रघुनाथ कुमार के नेतृत्व में धनबाद सीबीआई की टीम करीब साढ़े 11 बजे गोविंदपुर परियोजना कार्यालय पहुंची। योजना के तहत शिकायतकर्ता निर्धारित रकम लेकर कार्यालय पहुंचा। जैसे ही 18 हजार रुपये की रिश्वत दी गई, पहले से मुस्तैद सीबीआई टीम ने दोनों क्लर्कों को मौके पर ही दबोच लिया।अचानक हुई सीबीआई की कार्रवाई से परियोजना कार्यालय में हड़कंप मच गया। टीम दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बोकारो स्टील प्लांट में धूमधाम से हुई भगवान विश्वकर्मा की पूजा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट में भगवान विश्वकर्मा की पूजा परंपरागत श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुई। संयंत्रों एवं उपकरणों के देवता भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना के लिए बीएसएल के विभिन्न विभागों में विशेष आयोजन किए गए। कर्मचारियों ने मशीनों और उपकरणों की पूजा कर प्लांट के सुरक्षित एवं सफल परिचालन की कामना की। बीएसएल के निदेशक प्रभारी एवं अधिशासी निदेशकों ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नगर एवं प्लांट परिसर के विभिन्न विभागों में आयोजित पूजा कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। गैर-संकार्य विभागों में एविएशन, वॉटर टावर सेक्टर-3, बीजीएच, मानव संसाधन विकास केंद्र की कर्मशाला, वित्त एवं लेखा, अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ तथा माइंस में पूजा हुई। वहीं, प्लांट परिसर के मुख्य अग्निशमन केंद्र, आरएमपी, कोक ओवन्स, आरएमएचपी, सिंटर प्लांट, ब्लास्ट फर्नेस, एसएमएस-न्यू, एसएमएस-2 एवं सीसीएस, हॉट स्ट्रिप मिल, कोल्ड रोलिंग मिल, मशीन शॉप, वॉटर मैनेजमेंट समेत विभिन्न विभागों में भी विश्वकर्मा पूजनोत्सव आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने भगवान विश्वकर्मा को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए तथा एक-दूसरे को पूजा की शुभकामनाएं दीं।

अवैध लकड़ी से लदा एलपी ट्रक जब्त, तस्कर फरार

पेटरवार और बेरमो वन क्षेत्र की संयुक्त कार्रवाई, बंगाल भेजने की थी तैयारी

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार और बेरमो वन क्षेत्र की संयुक्त टीम ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लकड़ी से लदा एलपी ट्रक संख्या जेएच-19-ए-1445 जब्त किया है। हालांकि, वन विभाग की टीम को देखते ही तस्कर और मजदूर मौके से फरार हो गए। जब्त लकड़ियों को बंगाल की सीमावर्ती आरा मिलों में भेजे जाने की तैयारी थी। पेटरवार वन क्षेत्र के प्रभारी वनपाल जगदीश कुमार के अनुसार, दोपहर में सूचना मिली थी कि दक्षिणी अंगवाली के कसराई बेड़ा टोला स्थित जंगल से अवैध रूप से काटी गई लकड़ियां ट्रक में लोड कर बंगाल भेजी जा रही हैं। सूचना पर पेटरवार वन विभाग ने टीम गठित की और बेरमो वन विभाग के सहयोग से कसराई बेड़ा टोला के पास छापेमारी की। मौके पर पहुंचने पर ट्रक सड़क किनारे धंसा मिला। तस्कर जेसीबी की मदद से ट्रक निकालने का प्रयास कर रहे थे। टीम को देखते ही सभी वाहन छोड़कर भाग निकले। इसके बाद वन विभाग ने जेसीबी और चालक की मदद से ट्रक को बाहर निकालकर पेटरवार वन क्षेत्र कार्यालय पहुंचाया। ट्रक में नीम, बकैन, कुसुम सहित विभिन्न प्रजातियों के लकड़ी के लट्ठे मिले हैं। वन विभाग के अनुसार, लकड़ी की कीमत का आकलन प्रक्रिया पूरी होने के बाद किया जाएगा। मामले में वन कानून के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपियों और वाहन मालिक की पहचान की जा रही है।

लोक संवाद में 32 मामलों पर हुई सुनवाई, अधिकारियों को दिए गए कार्रवाई के निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन की ओर से आमजनों की समस्याओं को सीधे सुनने के लिए शुक्रवार को 'हम आपको सुनते हैं' लोक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने पदाधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं और शिकायतें रखीं। कार्यक्रम में कुल 32 मामलों पर सुनवाई हुई। लोक संवाद में भूमि एवं राजस्व, पेंशन, आवास, शिक्षा, पेयजल, सड़क, विद्युत और सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी मामलों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने आवेदकों से उनकी समस्याओं से जुड़ी आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की, ताकि मामलों का नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। संबंधित विभागों को आवेदनों की जांच कर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई करने और वस्तुस्थिति से अवगत कराने को कहा गया। जिला प्रशासन का उद्देश्य आमजनों और प्रशासन के बीच सीधे संवाद को मजबूत करना तथा समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है। लोक संवाद के माध्यम से लोगों को अपनी बात सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, प्रभारी पदाधिकारी हेमलता बून, एडीडीएस सुचिता किरण, एपीआरओ अविनाश कुमार, डीडीएमओ शक्ति कुमार, यूआईडी डीपीओ शैलेन्द्र मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

आत्महत्या रोकथाम को लेकर छात्राओं को किया जागरूक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आत्महत्या रोकथाम सप्ताह के अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, चास में छात्राओं के बीच आत्महत्या रोकथाम एवं मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को तनाव और भावनात्मक परेशानियों के प्रति जागरूक करना तथा संकट की स्थिति में समय पर सहायता लेने के लिए प्रेरित करना था। जागरूकता सत्र में मनोरोग चिकित्सक डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा, जिला परामर्शी मो. असलम, सोशल वर्कर छोटेलाल दास और काउंसलर सुषमा कुमारी मौजूद रहीं। छात्राओं को आत्महत्या के चेतावनी संकेत पहचानने, अपनी परेशानियों को खुलकर साझा करने तथा जरूरत पड़ने पर परिवार, शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी या किसी विश्वसनीय व्यक्ति से मदद लेने की जानकारी दी गई। डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि अत्यधिक तनाव या भावनात्मक परेशानी की स्थिति में अकेले संघर्ष करने के बजाय समय पर सहायता और परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को अपनी भावनाएं साझा करने तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ की मदद लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेता छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप टी-शर्ट प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में मो. असलम ने छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने की शपथ दिलाई। छात्राओं ने ह्लआओ खुलकर बात करें, आत्महत्या को रोकेंह्व का संदेश अपनाते हुए सहयोग और संवेदनशीलता का संकल्प लिया।

बोकारो में दंपति की गोली मारकर हत्या, बेटा गंभीर

14-15 राउंड फायरिंग से दहला डीवीसी पश्चिम-पल्ली, पुलिस जांच में जुटी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चंद्रपुरा थाना क्षेत्र स्थित डीवीसी पश्चिम-पल्ली आवासीय कॉलोनी में अपराधियों ने एक घर में घुसकर दंपति की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना में उनका बेटा भी गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, 65 वर्षीय नरेश सिन्हा और उनकी पत्नी घर में थे। इसी दौरान अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमले में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनका बेटा रोहित सिन्हा भी गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अपराधियों ने करीब 14 से 15 राउंड फायरिंग की। गोलियों की आवाज से पूरी कॉलोनी में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही चंद्रपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और वारदात के कारणों तथा अपराधियों की पहचान का पता लगाने में जुटी है। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

समाहरणालय परिसर में चालक संघ ने धूमधाम से की विश्वकर्मा पूजा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो समाहरणालय परिसर में चालक संघ की ओर से भगवान विश्वकर्मा की पूजा श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। पूजा को लेकर पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल रहा। चालक संघ के सदस्यों ने विधि-विधान से भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। इस दौरान वाहनों और कार्य में उपयोग होने वाले उपकरणों की भी पूजा की गई। कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा शामिल हुए और भगवान विश्वकर्मा की पूजा कर जिलेवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने चालक संघ के सदस्यों को विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण, तकनीक, शिल्प और कार्य-कौशल के प्रतीक माने जाते हैं। उनसे प्रेरणा लेकर अपने कार्य के प्रति निष्ठा, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। चालक संघ के सदस्यों प्रवीण सिंह और रामप्रवेश सिंह ने बताया कि चालकों के लिए विश्वकर्मा पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन वाहनों की साफ-सफाई कर उनकी पूजा की जाती है और सुरक्षित एवं सुचारु कार्य संचालन की कामना की जाती है। चालक संघ के सदस्यों ने उपायुक्त को कैरम बोर्ड उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि बैठक एवं खाली समय में चालक आपस में कैरम खेलकर समय का सदुपयोग कर सकेंगे। पूजा के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर नजारत उप समाहर्ता राजकुमार शर्मा, प्रधान सहायक लक्ष्मी नारायण प्रसाद, जिला नाजिर राजेश कुमार समेत चालक संघ के सदस्य, कर्मचारी और अन्य कर्मी मौजूद रहे।

बिजली कामगार यूनियन के इंदु भूषण सिंह बने कार्यकारी महामंत्री

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड राज्य बिजली कामगार यूनियन के मुख्यालय परिसर बिजली कॉलोनी, धनबाद में शुक्रवार को प्रदेश महामंत्री स्व. राम कृष्णा सिंह की शोक सभा एवं ब्रह्मभोज कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें यूनियन के पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए. कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष बासुदेव प्रसाद राव ने की. इस दौरान सामूहिक निर्णय के तहत संगठन में तत्काल प्रभाव से नयी जिम्मेदारियां तय की गयीं.

बीएसएल में सतर्कता अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता व साइबर स्वच्छता कार्यशाला

नर्सिंग छात्राओं ने सत्यनिष्ठा पर रखे विचार, कर्मचारियों को साइबर खतरों से बचाव की दी जानकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के सतर्कता विभाग की ओर से सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 और तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता एवं साइबर सुरक्षा-सह-जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों में सत्यनिष्ठा, नैतिक मूल्यों और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। बीजीएच नर्सिंग कॉलेज में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में नर्सिंग की 21 छात्राओं ने हिंदी और अंग्रेजी वर्ग में हिस्सा लिया। छात्राओं ने सत्यनिष्ठा, नैतिकता और सतर्कता से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। अंग्रेजी वर्ग में प्रेरणा प्रथम, स्नेहा निधि द्वितीय और कुमारी गार्गी तृतीय रहीं। ऋषिका को सांत्वना पुरस्कार मिला। हिंदी वर्ग में श्रुति प्रिया प्रथम, प्रियंका द्वितीय और विद्या भूषण तृतीय रहे, जबकि ईशा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। वहीं, मानव संसाधन विभाग के समिति कक्ष में सीएंडआईटी विभाग के सहयोग से 'साइबर सुरक्षा एवं साइबर स्वच्छता' विषय पर प्रशिक्षण-सह-जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाकर की। तकनीकी सत्र में साइबर सुरक्षा ढांचे, डेटा सुरक्षा, फिशिंग, संदिग्ध ई-मेल व लिंक, पासवर्ड सुरक्षा तथा साइबर हमलों से बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए गए। अधिकारियों और कर्मचारियों से संदिग्ध साइबर गतिविधियों की तत्काल सूचना देने तथा डिजिटल संसाधनों के सुरक्षित उपयोग की अपील की गई। दोनों कार्यक्रमों का संचालन सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) ने किया।

तंबाकू में मौजूद निकोटीन बेहद खतरनाक, विद्यार्थियों को किया जागरूक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन बोकारो डॉ. अभय भूषण प्रसाद के निर्देश पर शुक्रवार को मध्य विद्यालय मुस्लिम नीचे टोला, खेतको, पेटरवार और उच्च विद्यालय कोदवाटांड़ में तंबाकू के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों के बीच तंबाकू के दुष्प्रभाव पर चित्रकला, वाद-विवाद प्रतियोगिता और शपथ कार्यक्रम हुए। उच्च विद्यालय कोदवाटांड़ के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार और मध्य विद्यालय मुस्लिम नीचे टोला के प्रधानाध्यापक मो. शफीक अंसारी ने विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर रोगों और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी मुकीम अंसारी एवं सत्यबाला कुमारी ने कहा कि तंबाकू में मौजूद निकोटीन नशीला पदार्थ है और इसकी वजह से व्यक्ति को इसकी लत लग सकती है। तंबाकू सेवन से कैंसर समेत कई गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK